केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा-भारत से हर घुसपैठिये को बाहर निकाला जाएगा - 12

शेयर बाजार में जारी तेजी थमी, सेंसेक्स 400 अंक लुढ़का - 12

जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए बने न्यायसंगत वैश्विक परिवर्ती तंत्र - 13

मंधाना ने संगीतकार पलाश मुच्छल के साथ सगाई की पुष्टि की - 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| अयोध्या |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वितीया 05:11 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शनिवार, 22 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 99, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

जी-20 सम्मेलन में शामिल होंगे मोदी द. अफ्रीका पहुंचे

जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में हो रहे जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को जोहानिसबर्ग पहुंचे। गौतेंग स्थित वाटरलूफ वायुसैनिक अड्डे (एएफबी) पर उनका पारंपरिक स्वागत किया गया। इस मौके पर कलाकारों ने सांस्कृतिक गीत और नृत्य पेश किया। जी20 शिखर सम्मेलन में वह 'वसुधैव कुटुंबकम' तथा 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' की भावना के अनुरूप भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे। शिखर सम्मेलन से इतर मोदी के जोहानिसबर्ग में मौजूद कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी संभावना है।

एसआईआर को चुनौती वाली याचिकाओं पर आयोग को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- केरल व दूसरे राज्यों की ओर से दाखिल याचिकाओं पर शीर्ष कोर्ट करेगी सुनवाई

शीर्ष कोर्ट ने केरल, यूपी और दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए शुक्रवार को सहमति जताई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न आधार पर एसआईआर की कवायद को चुनौती देने वाली विभिन्न राजनीतिक नेताओं की सभी नई याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया।

केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाले एक याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव भी होने हैं और इसलिए, इस मामले में तत्काल विचार की आवश्यकता है। पीठ ने निर्देश दिया कि केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 26 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए और दूसरे राज्यों में इस कवायद को चुनौती देने वाली बाकी याचिकाओं पर दिसंबर के पहले या दूसरे हफ्ते में सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि यह अच्छी बात है कि अब निजी व्यक्तियों के बजाय राजनीतिक दल इस प्रक्रिया को चुनौती देने के लिए आगे आ रहे हैं। शीर्ष अदालत पहले से ही पूरे भारत में एसआईआर कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

एसआईआर ड्यूटी से तंग बीएलओ ने की आत्महत्या

कोडीनार (गुजरात)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में शुक्रवार को मतदाता सूची के एसआईआर के कार्य में लगे एक स्कूल शिक्षक, जो बीएलओ के रूप में तैनात थे, ने आत्महत्या कर ली। परिजनों का दावा है कि उन्होंने एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा है, जिसमें मानसिक तनाव और कार्य के दबाव को आत्महत्या की वजह बताया गया। एक अधिकारी ने बताया कि शिक्षक अरविंद वढेर ने सुबह करीब साढ़े छह बजे कोडीनार तालुका के देवली गांव स्थित अपने घर में फांसी लगा ली। सुसाइड नोट में वढेर ने इस कदम के लिए एसआईआर की ड्यूटी को जिम्मेदार ठहराया। वधेर ने नोट में लिखा, अब मेरे लिए एसआईआर का यह काम करना असंभव है। मैं पिछले कुछ दिनों से थका हुआ और मानसिक रूप से तनावग्रस्त महसूस कर रहा हूं। कृपया हमारे बेटे का ख्याल रखें।

ब्रीफ न्यूज

48 घंटे में 800 साइबर अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने साई-हॉक नामक 48 घंटे के अभियान में 4,400 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की और विभिन्न साइबर अपराध मॉड्यूल से जुड़े 800 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया या उन्हें कानूनी नियंत्रण के तहत रखा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के साथ निकट समन्वय में चलाए गए अभियान के तहत साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क, नकदी-निकासी एजेंटों और राष्ट्रीय राजधानी में संचालित अवैध कॉल सेंटरों को लक्षित किया गया। उन्होंने कहा कि अन्य 509 लोगों को साइबर-धोखाधड़ी नेटवर्क के साथ उनके संदिग्ध संबंधों के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत नोटिस जारी किया गया है।

एलओसी से हथियार गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को एलओसी के पास एक ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद कर एक संभावित आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। बरामद हथियारों में एम-सीरीज की दो असॉल्ट राइफल भी शामिल हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा क्षेत्र में एलओसी के पास नीरियान वन क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया।

भारत की सोच निकाल सकती है वैश्विक चुनौतियों का रास्ता : योगी

सीएम ने विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया बड़ा संदेश

- कहा-दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है, वहां सतत विकास बेमानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सोच वैश्विक चुनौतियों का रास्ता निकाल सकती है। जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य के संकट, वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर मुखर होकर यूएन जैसे प्लेटफॉर्म का बेहतर उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है, वहां सतत विकास की बात करना बेमानी है। योगी ने वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को भारत की हजारों वर्षों की परंपरा करार दिया।

वे शुक्रवार को सिटी मॉन्टेसरी स्कूल द्वारा आयोजित मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमें यूएन के घोषणा को स्मरण करना होगा, जिसमें सतत विकास के लक्ष्यों के बारे में दुनिया के देशों से आह्वान किया गया था। इन 16 लक्ष्यों में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।

मुख्य न्यायाधीशों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी और अन्य गणमान्य।

मुख्यमंत्री ने कहा दुनिया में जहां अशांति व अराजकता है, वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता को हड़पने की होड़ हो, वहां पर एजुकेशन, स्वास्थ्य व सतत विकास की बात बेमानी सी दिखती है। सभी को इस बारे में विचार करना चाहिए कि कैसे इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब हम दुनिया के अंदर शिक्षा की बात करते हैं तो 250 करोड़ से अधिक बच्चों के लिए गुणवत्तापरक शिक्षा पर फोकस करते हैं।

विचार करना होगा कि बस्ते के बोझ से बच्चे डिप्रेस्ड न हों। उन्होंने कहा कि आज की कोई भी समस्या केवल एक देश की नहीं, बल्कि दुनिया की समस्या होती है और दुनिया को ही मिलकर ही समाधान निकालना पड़ेगा।

वास्तविक समस्या न भूलें

योगी ने कहा कि ये कभी विस्मृत नहीं करना चाहिए कि विश्व की वास्तविक समस्या क्या है। जब हम तह में जाते हैं तो लगता है कि डायलॉग एक-दूसरे के बीच में नहीं है। स्वयं के वर्चस्व को स्थापित करने के लिए डायलॉग को बाधित किया गया। ये कॉन्फ्रेंस डायलॉग का एक माध्यम है। दुनिया के जाजों के माध्यम से यह मानवता व उन लोगों के लिए भी एक उद्घोषणा है, जिन्होंने वर्चस्व स्थापित करने के लिए अराजकता का वातावरण पैदा करने का प्रयास किया।

वंदे मातरम् की प्रस्तुति

कार्यक्रम की शुरुआत गोमती नगर एक्सटेंशन ब्रांच के स्टूडेंट्स ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की प्रस्तुति से की। छात्र-छात्राओं ने ट्रिनिडाड व टोबैगो, तुवालु, स्वीडन और भारत समेत विभिन्न देशों के प्रतिनिधि के तौर पर अपना पक्ष रखा। क्रोएशिया के पूर्व राष्ट्रपति, लेसोथो के पूर्व प्रधानमंत्री, वर्तमान व पूर्व राष्ट्र प्रमुख, सीएमएस की संस्थापक निदेशक डॉ. भारती गांधी, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के अध्यक्ष डॉ. रोजर किंगडम और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला उपस्थित रहे।

दुबई एयरशो में तेजस क्रैश, पायलट की मौत

- दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का गठन करेगी आईएएफ

नई दिल्ली/दुबई, एजेंसी

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का लड़ाकू विमान तेजस शुक्रवार को दुबई एयरशो के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इस हादसे में पायलट की मौत हो गई। वायुसेना ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' का गठन किया जा रहा है।

मार्च 2024 में, वायुसेना का एक तेजस हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) पोखरण रेगिस्तान में सैन्य अभ्यास 'भारत शक्ति' से लौटते समय जैसलमेर में एक आवासीय कॉलोनी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह ऐसी पहली दुर्घटना थी जो स्वदेश निर्मित एकल इंजन वाले विमान के 2001 में उड़ान भरना शुरू करने के बाद हुई थी। उस हादसे में पायलट विमान से सुरक्षित रूप से बाहर निकल गया था।

शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर में, एयरशो में हवाई प्रदर्शन के दौरान उड़ान भरते समय विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भारतीय वायुसेना ने 'एक्स' पर कहा, आईएएफ को इस हादसे में हुए जानमाल के नुकसान पर बहुत दुख है और वह दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सशस्त्र बल इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। आयोजित होने वाला एक द्विवार्षिक आयोजन है। इसकी वेबसाइट के अनुसार, 2025 संस्करण का आयोजन 17 से 21 नवंबर तक किया जा रहा है।

हवाई प्रदर्शन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ तेजस।

1984 में शुरू हुआ था तेजस विमान का निर्माण

तेजस विमान के निर्माण की परियोजना वर्षों के विचार-विमर्श के बाद अंततः 1984 में शुरू हुई थी और 2011 में विमान को औपचारिक रूप से उड़ान के लिए उपयुक्त घोषित किया गया। तेजस विमान भारतीय वायुसेना का मुख्य आधार बनने के लिए तैयार है। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए विमानों की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। नवंबर 2023 में, मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 97 तेजस विमान के अतिरिक्त बैच की खरीद के लिए प्रारंभिक मंजूरी दी थी।

वीडीओ भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी, छह गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से वर्ष 2018 में की गई थी भर्ती
- लखनऊ के विभूतिखंड थाने में दर्ज की गई थी एफआईआर ईओडब्ल्यू की टीम ने की कार्रवाई

अमृत विचारः ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) भर्ती परीक्षा 2018 में धांधली करने वाले छह आरोपियों को ईओडब्ल्यू ने गुरुवार को गिरफ्तार किया है। इस मामले में कुल 173 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें 15 की पहले गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य की तलाश में टीम दबिश दे रही है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में मलिहाबाद मधवापुर कसमंडी का कुलदीप कुमार, बाराबंकी के सफदरगंज स्थित चैला का सूर्य प्रकाश सिंह, वाराणसी के लोहता के भिठारी का रिंकू यादव, जानकीपुरम मौर्या भट्ठा का अजय कुमार यादव, जालौन कालपी स्थित काशीरामपुर का सर्वेश कुमार और बरेली के बरादरी स्थित सुरेश शर्मा नगर पार्ट-3 का निदेश गंगवार शामिल है। वीडीओके 1953 पद की भर्ती का आयोजन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने वर्ष 2018में किया था। परीक्षा कार्यदायी संस्थान टीसीएस लि. द्वारा कराई जा रही थी। परीक्षा में धांधली की शिकायत मिलने शासन ने ईओडब्ल्यू से जांच कराई गई। धांधली की रिपोर्ट आने के बाद विभूतिखंड थाने में एफआईआर दर्ज कराया गया। मामले की जांच कर रही ईओडब्ल्यू को दी गई। इसके बाद एसआईटी ने वर्ष 2021 में फिर से अपने थाने में मामला दर्ज किया।

आयोग के अधिकारी व टीसीएस की मिली भगत से हुई धांधली

जांच में सामने आया कि इस मामले में उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के तत्कालीन अधिकारी, कर्मचारी, कार्यदायी संस्था टीसीएस लि. द्वारा अन्य संस्थाओं, दलालों व अभ्यर्थियों से मिलीभगत कर लाखों रुपये वसूले गए। इसके बदले में भर्ती की लिखित परीक्षा से संबंधित ओएमआर शीट्स में व्यापक स्तर पर कूटरचना कर अपात्र अभ्यर्थियों को उच्चतम अंक दिया गया। इसके कारण पात्र अभ्यर्थियों का चयन नहीं हो सका। धांधली की पुष्टि होने पर परीक्षा को निरस्त कर दी गई थी। इस मामे में कुल 173 लोगों के खिलाफ साक्ष्य मिले। जिसके बाद उनको मामले का आरोपी बनाया गया। इस मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने 15 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है।

चचेरे भाई ने बहन की कुल्हाड़ी से काट की हत्या

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- इटावा के इकदिल थाना क्षेत्र के गांव मुरैथा की घटना
- शराब के नशे में युवक ने किशोरी पर एक के बाद एक कई वार किए

अमृत विचारः इकदिल थाना क्षेत्र के मुरैथा में गुरुवार की देर शाम चचेरे भाई ने घर में मौजूद बहन की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। शराब के नशे में युवक ने चचेरी बहन पर एक के बाद एक कई वार किए, जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

छह घंटे के अंदर पुलिस ने मुठभेड़ में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पल्लवी (17) पुत्री प्रेमचंद्र गुरुवार की शाम करीब साढ़े सात बजे घर पर अकेली थी और खाना बना रही थी तभी उसका चचेरा भाई रीलू उर्फ पोलार्ड पुत्र बीरेंद्र वहां आया और बहस करने लगा था । इसके बाद हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार पल्लवी के पिता और उसके ताऊ का काफी समय से झगड़ा चल रहा था। इसी के चलते आए दिन युवक उनसे लड़ता रहता था। पल्लवी की मां सीमा ने बताया कि मेरी जेठानी के लड़के रीलू ने पहले भी एक बार मेरी बेटी का गला दबाकर मारने का प्रयास किया था। मृतका के पिता प्रेमचंद्र मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनके घर के पास ही बड़े भाई वीरेंद्र का मकान है। दोनों परिवारों के बीच विवाद चल रहा था जिसको लेकर पुलिस ने इन्हें पहले भी पाबंद किया था। सीओ सिटी अभय ने कहा हत्या की सूचना मिली थी। वहीं इकदिल पुलिस ने आरोपी को काबू लिया।

दिल्ली पुलिस बोली, सीएए विरोध का उद्देश्य बांग्लादेश-नेपाल जैसा सत्ता परिवर्तन करना था

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली दंगों में उमर खालिद शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिका का किया विरोध

दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ताओं उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिका का विरोध करते हुए शुक्रवार को शीर्ष कोर्ट से कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन कोई साधारण धरना नहीं था, बल्कि बांग्लादेश, नेपाल की तरह सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से किया गया था।

पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पीठ को बताया कि दिल्ली दंगे ताहिर हुसैन, शिफा उर रहमान, मीरान हैदर, इशरत जहां और खालिद सैफी सहित कई आरोपियों की संलिप्तता वाली साजिश का नतीजा थे। राजू ने कहा कि षड्यंत्रकर्ताओं ने हिंसा की योजना बनाई, हालात बिगाड़ने और असम को भारत से अलग करने के लिए चक्का जाम किया, तथा दंगाइयों को संगठित किया। उनके मन में संविधान के प्रति सम्मान नहीं है। मामले पर 24 नवंबर को सुनवाई करेगी।

तैयारी | अयोध्या में सिर्फ आमंत्रित अतिथियों, पास धारकों व आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों को मिलेगा प्रवेश, 24 से सीमाएं होंगी सील

भव्य ध्वजारोहण को लेकर अनुष्ठान शुरू, 23 से हाईवे पर डायवर्जन

कार्यालय संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार : राम मंदिर परिसर में 25 नवंबर को होने वाले भव्य ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने का मौका आम श्रद्धालुओं को नहीं मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत विशिष्ट अतिथियों के समारोह में शामिल होने के कारण सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने 24 नवंबर की शाम छह बजे से अयोध्या धाम में प्रवेश करने वाली सीमाओं को सील करने का निर्णय लिया है। शहर के अंदर भी किसी प्रकार के वाहनों के चलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अयोध्या से जुड़ने वाले सभी हाईवे पर 23 नवंबर की रात 11 बजे से डायवर्जन लागू हो जाएगा। प्रशासन ने होटल, गेस्ट हाउस में 24 व 25 नवंबर की बुकिंग भी निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, राम जन्मभूमि परिसर में भव्य ध्वजारोहण समारोह को लेकर शुक्रवार से अनुष्ठान आदि प्रारंभ हो गया।

- होटल, गेस्ट हाउस में 24 व 25 नवंबर की बुकिंग निरस्त करने के निर्देश

पुलिस अधीक्षक यातायात एपी सिंह ने बताया कि हाईवे पर भारी माल वाहक वाहन जैसे ट्रक, डीसीएम व ट्रैक्टर आदि को अन्य मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा। यह डायवर्जन 26 नवंबर की रात 10 बजे तक लागू रहेगा। बताया कि दोनों प्रतिबंध आमंत्रित अतिथियों, पास धारकों व आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों पर लागू नहीं होंगे। वहीं प्रशासन ने राम मंदिर परिसर के 200 मीटर की परिधि में स्थित सभी होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशाला व होम स्टे में 24 व 25 नवंबर को किसी भी बाहरी व्यक्ति को ठहराने से मना किया है। निर्देश दिए गए हैं कि यदि पूर्व में यदि इन तिथियों पर कोई एडवांस बुकिंग हुई तो उसे निरस्त कर संबंधित को सूचित करें। साकेत महाविद्यालय से हनुमानगढ़ी के बीच में स्थित सभी मकानों, मंदिरों व आश्रमों में भी किसी बाहरी व्यक्ति को भी इन तिथियों में रोकने से मना किया गया है।

सभी को चेतावनी दी गई है कि यदि जांच में ऐसा पाया गया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार यह आदेश उच्च स्तर से मिले निर्देश के बाद जारी किया गया है। स्थानीय पुलिस व खुफिया एजेंसियां इस पर नजर रखे हुए हैं।

दक्षिण भारत से आए 108 वैदिक आचार्यों ने सरयू जल शुद्धिकरण कर की यज्ञ मंडप की पूजा

राम जन्मभूमि परिसर में भव्य ध्वजारोहण समारोह को लेकर शुक्रवार से अनुष्ठान आदि प्रारंभ हो गया। इसकी शुरुआत यजमानों द्वारा सुबह भगवान श्रीरामलला के दर्शन और स्तुति से हुई। प्रखर विद्वान वैदिक आचार्य गणेश्वर शास्त्री के नेतृत्व में अयोध्या, काशी और दक्षिण भारत से आए 108 वैदिक आचार्यों ने सरयू जल शुद्धिकरण कर यज्ञ मंडप की पूजा की, 27 यजमानों ने मंडप की परिक्रमा की। जिसके बाद यज्ञशाला में प्रवेश कर उत्सव प्रतिमा और रामार्चा पूजन कर देवताओं का आह्वान किया गया। वहीं यज्ञशाला में 51 आचार्य के द्वारा रामचरितमानस पाठ और श्रीराम रक्षा स्त्रोत का पारायण किया गया। पहले दिन के अनुष्ठान के अंत में वैदिक मंत्रों से यज्ञ कुंड में अग्नि प्रकट करते हुए हवन के साथ अनुष्ठान संपन्न हुआ।

उत्सव प्रतिमा और रामार्चा पूजनकर देवताओं का किया आह्वान

ध्वजारोहण को लेकर श्री राम मंदिर में हो रहा अनुष्ठान

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : श्रीराम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर श्रीराम जन्मभूमि परिसर में अनुष्ठान के बीच मंडप पूजन और देवताओं के आह्वान के साथ राम मंदिर परिसर में वैदिक मंत्र गूंजने लगे हैं।

वैदिक आचार्य ने शुक्रवार को अनुष्ठान की शुरुआत यजमानों से सुबह भगवान रामलला के दर्शन और स्तुति से की। विद्वान वैदिक आचार्य गणेश्वर शास्त्री के नेतृत्व में अयोध्या, काशी और दक्षिण भारत से आए 108 वैदिक आचार्यों ने सरयू जल शुद्धिकरण कर यज्ञ मंडप की पूजा आराधना की। इसके बाद यज्ञशाला में प्रवेश कर उत्सव प्रतिमा और रामार्चा पूजन कर देवताओं का आह्वान किया। यज्ञशाला में 51 आचार्यों से रामचरितमानस पाठ और श्री राम रक्षा स्रोत का पारायण किया गया। पहले दिन के अनुष्ठान के अंत में वैदिक मंत्रों से यज्ञ कुंड में अरणी मंथन से अग्नि प्रकट की गई। हवन के साथ अनुष्ठान संपन्न हुआ।

राम मंदिर परिसर में शुरू हुए अनुष्ठान में हवन-पूजन करते ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा व मौजूद अन्य लोग।

अनुष्ठान के मुख्य यजमान और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ.अनिल मिश्रा ने बताया कि परिसर में बने यज्ञ मंडप का विधि विधान से पूजन अर्चन के बाद प्रवेश हुआ। वैदिक आचार्यों से देवताओं का आह्वान किया गया। हवन कुंड में आहुति डाली गई। बताया कि 24 तारीख तक लगभग छह घंटे प्रतिदिन यह अनुष्ठान चलेगा। शेषावतार मंदिर और परकोटा के सभी मंदिरों में भी वैदिक आचार्यों से यजमान के साथ अनुष्ठान कर रहे हैं। प्रत्येक दिन रामचरितमानस पाठ, वाल्मीकि रामायण का पाठ और श्री राम रक्षा स्रोत्र का पारायण हो रहा है।

ध्वजारोहण पर प्रतिष्ठानों व घरों को सजाएंगे व्यापारी-उद्यमी

अयोध्या कार्यालय। ध्वजारोहण समारोह से जुड़ी तैयारियों को लेकर व्यापारियों व होटल स्वामियों के साथ शुक्रवार को एक होटल में हुई बैठक में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के सुविधाजनक ठहराने की क्षमता अयोध्या ने हासिल कर ली है। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के ध्वजारोहण समारोह के लिए होम स्टे से 1700 कमरे बुक किए गए हैं। उन्होंने व्यापारियों से दुकानों की सफाई करने और दुकानों के सामने डस्टबिन रखने का आग्रह किया। कहा रामजन्मभूमि मंदिर की पूर्णता के इस उत्सव को भी मनाएं। इस मौके पर पार्षद अनिकेत यादव, विनय जायसवाल, सच्चिदानंद पांडेय, पंकज गुप्त, शक्ति जायसवाल, विनोद, सरदार कवलजीत सिंह, अनिल अग्रवाल, आनंद कसौधन, बालकृष्ण वैश्य, विनोद पाठक, सुशील जायसवाल आदि व्यापारी नेता मौजूद थे।

डीएम ने की प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा

अयोध्या। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने प्रधानमंत्री के 25 नवम्बर को अयोध्या दौरे को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा कलेक्ट्रेट सभागार में की। सूचना विभाग को निर्देश दिया कि मीडिया के लिए सभी समुचित व्यवस्थाएं समय से की जाए। जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि मीडिया के लिए अस्थायी मीडिया सेन्टर की स्थापना हनुमान गुफा नगर निगम पार्किंग पर की जा रही है। मीडिया के वाहन के पार्किंग की व्यवस्था स्फटिक शिला पार्किंग में है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने यातायात, रूट डायवर्जन, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया। बैठक में एडीए उपाध्यक्ष अनुराग जैन, सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह सहित मंदिर मजिस्ट्रेट गण व अन्य लोग मौजूद थे।

शिखर पर भगवा ध्वज लहराएगा, उसी दिन भारत हिंदू राष्ट्र घोषित हो जाएगा : वेदांती

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : राम मंदिर में 191 फीट ऊंचे शिखर पर धर्म ध्वज का आरोहण 25 नवंबर को होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ध्वज का आरोहण करेंगे। सोशल मीडिया पर ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर एक पुराना ऑडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यह पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती का बताया जा रहा है। सन् 1990 के राम मंदिर आंदोलन के दौरान हुए दिल्ली में रामलीला मैदान का भाषण है जिसमें वेदांती कहते सुने जा रहे हैं कि जिस दिन राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज लहराएगा, उसी दिन भारत हिंदू राष्ट्र घोषित हो जाएगा। ध्वजारोहण के कार्यक्रम से पहले देशभर में इस ऑडियो को लोग अपने सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे है।

डॉ. रामविलास दास वेदांती ने शुक्रवार को कहा कि 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर केसरिया ध्वज फहराया जाएगा। जो जीवन का अत्यंत सुखद और ऐतिहासिक क्षण होगा। बताया कि 25 नवंबर और श्रीराम के विवाह उत्सव पंचमी तिथि का बड़ा ही शुभ मुहूर्त है। यह दिन भारत के लिए मंगलकारी है। जिस मंगलकारी तिथि पर प्रधानमंत्री भगवा ध्वज लहराने जा रहे है। वह सामाजिक एकता का प्रतीक होगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली के रामलीला मैदान में सन 1990 में जब धर्म संसद हुआ था तब हमने भी यह घोषणा की थी कि जिस दिन अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार होगा। मंदिर के शिखर पर जिस दिन भगवा ध्वज लहरा दिया जाएगा ।उस दिन भारत के संविधान में हिंदू राष्ट्र की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी।

स्वागत को तैयार सजा-संवरा उदया चौराहा

501 बटुकों के स्वस्तिवाचन और पुष्पवर्षा से होगा पीएम का अभिनंदन

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : 501 बटुक ब्राह्मणों से स्वस्तिवाचन, संत-महंथों के शंखनाद और घंटा-घड़ियाल की पवित्र ध्वनि के मध्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया जाएगा। साकेत महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर वैदिक परंपरा के अनुरूप स्वस्तिवाचन होगा। साकेत से रामजन्मभूमि गेट नंबर-11 तक सड़क के दोनों ओर खड़े लोग पुष्पवर्षा के माध्यम से प्रधानमंत्री का अभिनंदन करेंगे। इसके लिए 12 मंच बनाए गए हैं। स्वागत पथ पर सात स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। पीएम के स्वागत की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को दिन भर बैठक और संवाद का सिलसिला रहा। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने मणिराम दास छावनी में महंत कमलनयन दास, रानोपाली आश्रम में महंत डॉ. भरत दास और श्रीराम बल्लभा कुंज में महंत शैलेंद्र दास से भेंट कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की। सर्किट हाउस में पार्षदों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। पार्षदों के साथ बैठक में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री का स्वागत अयोध्या की मर्यादा और परंपरा के अनुरूप किया जाएगा। यह अवसर हमारे लिए गर्व और सौभाग्य का क्षण है। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री का स्वागत वैदिक रीति-रिवाजों के साथ होना अयोध्या की प्राचीन संस्कृति का सम्मान है। महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि नगर निगम स्तर पर सभी व्यवस्थाएं पूरी कर दी गई हैं। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा, पीएम के स्वागत के लिए बनाई गईं टोलियों से सुबह सात बजे तक अपने नियत स्थान पर पहुंचने के लिए कहा गया है। बैठक में पार्षद रमाशंकर निषाद, जितेन्द्र निषाद, गरिमा मौर्या, विकास कुमार, मनीष कुमार, महंत अनुज दास, रिशु समेत अन्य शामिल थे।

सर्किट हाउस में प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारी बैठक में मौजूद पूर्व सांसद लल्लू सिंह, नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ।

कुचेरा-बीकापुर मार्ग नहीं खोला तो होगा आंदोलन : वर्मा

अयोध्या, अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत शुक्रवार को गांधी पार्क सिविल लाइंस में हुई। पंचायत में धान क्रय, डीएपी खाद की कमी, गन्ना सर्वे एवं बेसिक कोटा की कमी, विद्युत आपूर्ति, नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने, छुट्टा जानवरों से हो रही फसलों के नुकसान, मीठे गांव टोल कर्मियों से कुचेरा-बीकापुर मार्ग बंदी का मामला छाया रहा। राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने कहा कि मीठे गांव टोल कर्मियों से आर्थिक लाभ के लिए कुचेरा-शाहगंज- बीकापुर मार्ग बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया गया है, इससे जनता परेशान है। यदि टोल कर्मियों से बिना किसी सक्षम अधिकारियों के आदेश के जनपदीय मार्ग को बंद किया गया होगा तो आंदोलन किया जाएगा। पंचायत को जिलाध्यक्ष राम गणेश मौर्य, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विकास वर्मा, विवेक पटेल, जगन्नाथ पटेल आदि ने संबोधित किया।

महिलाओं को जिंदा जलाने वाले को आजीवन कारावास

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : जमीन के बंटवारे के विवाद में घर जलाने व उसमें झुलस कर दो महिलाओं की मौत हो जाने के मामले में कोर्ट ने 31 साल बाद अभियुक्त को दोषी पाते हुए उसे आजीवन कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। उसे पर 1.10 लाख रुपये जुर्माना भी हुआ है। फैसला अपर जिला जज प्रदीप सिंह की अदालत से शुक्रवार को हुआ।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सतीश चंद्र देवरस ने बताया कि घटना की रिपोर्ट उर्मिला देवी ने 4 अप्रैल 1994 को लिखाई थी। उनके पट्टीदार से जमीन के बंटवारे का विवाद था। घटना वाले दिन आरोपी विवाद वाली जमीन में दीवार बन रहे थे। रोकने पर अजीत सिंह, विश्वनाथ सिंह, सूर्यनाथ सिंह, अमर बहादुर सिंह, बदलू सिंह, करिया सिंह, नईम, जाबिर अली, कमलेश सिंह, प्रदीप सिंह और त्रिभुवन सिंह ने घर में आग लगा दी। लपटों में झुलसकर भानुमति और चंद्रावती की मौत हो गई तथा प्रभु देई घायल हो गई। वह घटना के डेढ़ माह बाद मर गई। मामले में कमलेश सिंह व प्रदीप सिंह को 25 अक्टूबर 2005 को ही अपर जिला जज दीनानाथ ने आजीवन कारावास और प्रत्येक को 37 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। अन्य आरोपियों को दोष मुक्त कर दिया था। आरोपी त्रिभुवन सिंह 8 अगस्त 2005 को फरार हो गया था। उसने अक्टूबर 2024 को कोर्ट में सरेंडर किया ।सुनवाई के बाद उसे भी कोर्ट ने दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

श्रद्धालुओं को थालियों में मिल रहा भोजन प्रसाद

अयोध्या, अमृत विचार : राम मंदिर में दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को ट्रस्ट प्रसाद के रूप में घर जैसे सुविधा में भोजन प्रसाद उपलब्ध करा रहा है। व्यवस्था प्रभारी विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह पंकज ने बताया कि मंदिर के निकास मार्ग अंगद टीला पर शुक्रवार से निशुल्क भोजन प्रसाद की व्यवस्था शुरू की गई है। श्रद्धालुओं को थाली में रोटी, चावल, और सब्जी दिया जा रहा है। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान आने वाले अतिथियों और श्रद्धालुओं के लिए कारसेवकपुरम, रामघाट निर्माण कार्यशाला व तीर्थ क्षेत्रपुरम में भी भोजन की सुविधा शुरू हो गई। इसके पहले श्रद्धालुओं को पत्तल में खिचड़ी प्रसाद दिया जा रहा था। कारसेवकपुरम में भोजन प्रसाद उपलब्ध करने के लिए अमृतसर दुर्गा मंदिर से टीम और मंदिर निर्माण कार्यशाला में वैष्णो देवी धाम स्थित कटरा से टीम पहुंची है। तीर्थ क्षेत्र पुरम में अतिथियों को भोजन देने के लिए लखनऊ और अयोध्या के दो टीम को जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था 30 नवंबर तक जारी रखी जाएगी।

सड़क दुर्घटना में एसडीएम, नायब तहसीलदार सहित पांच घायल

मिल्कीपुर, अयोध्या

- अयोध्या-रायबरेली मार्ग पर नउवा कुआं ओवरब्रिज पर हुआ हादसा

अमृत विचार: मिल्कीपुर तहसील के उपजिलाधिकारी सुधीर कुमार, प्रभारी तहसीलदार रंजन वर्मा सहित पांच लोग शुक्रवार देर शाम सड़क दुर्घटना में घायल हो गये। दुर्घटना अयोध्या-रायबरेली हाइवे पर पूराकलंदर थाना क्षेत्र के नउवां कुआं के पास देर रात ओवरब्रिज पर हुई।

आसपास के लोगों के मुताबिक एसडीएम सुधीर कुमार, प्रभारी तहसीलदार रंजन वर्मा और दुर्गा व एक अन्य गार्ड के साथ अयोध्या जिला मुख्यालय की ओर जा रहे थे। वाहन ड्राइवर शिव नारायण चला रहा था। ओवरब्रिज पर वाहन का दायां चक्का डिवाइडर पर चढ़ गया। कुछ दूर दौड़ा, इसके बाद डिवाइडर की दीवार से तेजी से टकरा गया। दुर्घटना में एसडीएम, प्रभारी तहसीलदार के साथ चालक और दोनों गार्डों के घायल हो गये। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना स्थल पर जिला पंचायत सदस्य अशोक मिश्रा, रवि पाठक, पिंटू पाठक सहित अन्य ने सहयोग किया। लोगों के मुताबिक दुर्घटना के दौरान ही रुदौली विधायक राम चंद्र यादव वहां पहुंच गए। उन्होंने अपने वाहन से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर, सीडीओ केके सिंह सहित जिले के अफसर व कर्मचारियों के साथ नेता भी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

"ग्लोबल रेजिलिएन्स इन एनिमल न्यूट्रीशियन 2025" का समापन

21वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अयोध्या, अमृत विचार : आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय 21वें द्विवार्षिक "ग्लोबल रेजिलिएन्स इन एनिमल न्यूट्रीशियन 2025" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुक्रवार को समापन हो गया। इस मौके पर विभिन्न संस्थानों से पहुंचे पशु वैज्ञानिकों ने अपने विचार साझा किए और महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी।

डॉ. चंदर दत्त ने कहा कि गोजातीय पशुओं के लिये प्रोटीन जरूरी है। यह उनके शरीर को कार्य करने के लिए आवश्यक ऊर्जा प्रदान करती है। डॉ. अविषेक बिस्वास ने आधुनिक उपभोक्ताओं के लिए डेयरी उत्पाद तैयार करने की विधि की जानकारी दी। डॉ. शिवानी कटोच ने पोल्ट्री उत्पादन में पॉली हर्बल फीड एडिटिक्स और डी.आरपी वासन द्वारा पशु आहार सामग्री में माइकोटोक्सिन अनुमान के लिए नमूनाकरण पर चर्चा की। डॉ. नितिन त्यागी ने पशु पोषण में सतत आहार के लिए धान के भूसे और कृषि औद्योगिक उप उत्पादों के उपयोग के नए रास्तों के बारे में बताया। पशु पोषण विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीके सिंह के संयोजन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. धर्मेश ने सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. सत्यव्रत ने किया। इस मौके पर विवि के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षक एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, वैज्ञानिक मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने रैली निकाल जन-जन में पिरोई स्वच्छता की चेतना

- नगर निगम ने तेज की धर्म ध्वजारोहण की तैयारी, महापौर ने दिखाई हरी झंडी

अयोध्या, अमृत विचार : नगर निगम ने 25 नवंबर को श्रीरामजन्मभूमि मंदिर पर धर्म ध्वजारोहण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन के मद्देनजर नगर को साफ-सुथरा बनाने की मुहिम छेड़ दी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को अयोध्याधाम में छात्र-छात्राओं ने रैली निकाल कर जन-जन में स्वच्छता का संदेश दिया। राम की पैड़ी पर सुबह नौ बजे तुलसी कन्या राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, शिवदयाल जयसवाल इंटर कॉलेज, जनता अवध इंटर कॉलेज, राजगोपाल संस्कृत महाविद्यालय समेत विभिन्न विद्यालयों के हजारों छात्र-छात्रा इकट्ठा हुए। यहां महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने उन्हें अपने घर, स्कूल तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संदेश आत्मसात करने का संकल्प दिलाया। इसके बाद रैली लता चौक से होते हुए छोटी देवकाली मंदिर पहुंचकर संपन्न हो गई। छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता संबंधी नारे लगाए। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडे ने बताया कि रैली का नेतृत्व महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार संग किया। रैली में पार्षद महेंद्र शुक्ल, अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएम शुक्ल, जिला विद्यालय निरीक्षक पवन कुमार तिवारी, जोनल अधिकारी अशोक गुप्त, शिक्षा विभाग से डॉ. बसंत कुमार, कंचन वेत्ता, डॉ. अवनि कुमार आदि शामिल रहे।

देव इंद्रावती कॉलेज दोहरे खिताब के साथ ओवर ऑल चैम्पियन

अयोध्या कार्यालय

- अवध विवि की अंतर महाविद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता सम्पन्न

अमृत विचार: अवध विश्वविद्यालय की अंतरमहाविद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के पुरुष व महिला दोनों वर्गों में सर्वाधिक अंक के साथ देव इन्द्रावती पीजी कॉलेज की टीम ने ओवर ऑल चैमपियन्स ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया।

प्रतियोगिता में मेजबान अवध विश्वविद्यालय आवासीय परिसर की पुरुष टीम व आरआर पीजी कॉलेज अमेठी की महिला टीम को उपविजेता से ही संतोष करना पड़ा। चार दिवसीय प्रतियोगिता शुक्रवार को पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुई। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने विजेता व उपविजेता टीमों सहित खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। क्रीड़ा परिषद के सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने बताया कि जिन विजयी प्रतिभागियों ने एआईयू के मानक के अनुसार प्रतियोगिता में स्कोर प्राप्त किया है वही खिलाड़ी अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर क्रीडा उपसचिव डॉ. अनुराग पाण्डेय, डॉ.मनीष सिंह, डॉ. अनीता मिश्रा, प्रतियोगिता पर्यवेक्षक डॉ. अयूब सिद्दीकी, डॉ. कपिल राणा, डॉ. दीपशिखा चौधरी सहित खिलाड़ी व खेल प्रेमी शिक्षक मौजूद रहे।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता की ओवरऑल चैम्पियन टीम ट्रॉफी के साथ।

अव्यवस्था — शहर छोड़ गांव क्षेत्र में नहीं जल पाईं स्ट्रीट लाइटें

ध्वजारोहण की तैयारियों के बीच अंधेरे में डूबा हाईवे

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद दूसरे बड़े आयोजन की तैयारी है,लेकिन अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर ग्रामीण इलाकें में ओवरब्रिजों पर लगी स्ट्रीट लाइटें बुझी की बुझी ही रह गईं। जबकि लगभग छह महीने पहले इनका ट्रायल हो गया था।

श्रीराम मंदिर के पक्ष में फैसला आने के बाद अयोध्या को वैदिक सिटी बनाने का काम शुरू किया गया। अरबों की परियोजनाएं अब भी चल रही हैं। लखनऊ से अयोध्या आने वाला प्रमुख मार्ग है। सारे वीआईपी सड़क मार्ग से इधर से ही आते हैं। एनएचएआई ने सहादतगंज से अयोध्या के बीच अंडर पास, पुल और स्ट्रीट लाइटों की योजना शुरू की। इसी तरह सहादतगंज से लखनऊ की ओर भी सभी ओवरब्रिजों पर स्ट्रीट लाइटें लगाए जाने की व्यवस्था की गई। इससे ओवरब्रिज के साथ ही सर्विस रोड की सड़क पर भी प्रकाश किए जाने की व्यवस्था है। शहरी क्षेत्र में यह स्ट्रीट लाइटें कई महीने से दूधिया रोशनी बिखेर रही हैं, लेकिन सहादतगंज से लखनऊ की ओर स्ट्रीट लाइटें लगने के बाद भी अब तक अंधेरा है। जुबेरगंज बाजार के पास बुधवार रात ओवरब्रिज पर लगी लाइटें जल गई थी लेकिन आगे ज्यादातर अंधेरा है।

25 नवंबर को ध्वजारोहण का कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री स्वयं इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। स्वाभाविक है कि बड़े अफसरों के साथ उद्योगपति और दूर दराज के श्रद्धालु भी शामिल होने के लिए आएंगे। ऐसे में स्ट्रीट लाइटों का न जलना तैयारियों को ग्रहण लगा रहा है। जबकि पूरी अयोध्या सजाई जा रही है।

हाईवे के मेंटेनेंस मैनेजर विनोद मिश्र का कहना है कि राम सनेही घाट से सहादतगंज के बीच चार स्थानों पर लाइटें जल गई हैं। जैसे-जैसे सामान मिल रहा है। लाइटें जलाई जा रही है। इसका पैसा बिजली विभाग के पास जमा कर दिया गया है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर लाइटों के जलाने को लेकर फोन भी आया था।

अयोध्या-लखनऊ हाइवे पर सोहावल-सहादतगंज के बीच रात में बंद पड़ी लाइटें। अमृत विचार

सहादतगंज पालीटेक्निक के पास ओवर ब्रिज पर दूधिया रोशनी बिखेर रहीं लाइटें। अमृत विचार

अब छह फरवरी को तैयार होगी पंचायत की मतदाता सूची

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची के पुनरीक्षण काम को आगे बढ़ा दिया गया है। अब ये छह फरवरी को तैयार होगी। ग्राम पंचायत और विधानसभा मतदाता सूचियों के एक साथ काम के चलते तारीख बढ़ाई गई।

ग्राम पंचायत की मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यक्रम में पांच दिसंबर को अनंतिम प्रकाशन की तिथि तय थी। इसी लिहाज से प्रशासन पांडु लिपियों को तैयार करा रहा था। इसी बीच भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा कर दी। बीएलओ को चार नवंबर से घर-घर जाने का कार्यक्रम चल रहा है। खास बात यह है कि बीएलओ कॉमन हो गए। इसके मद्देनजर राज्य निर्वाचन ने पुनरीक्षण की अगली तारीख आगे बढ़ा दी। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत सूर्य भान ने बताया कि अब ग्राम पंचायत की मतदाता सूची के मतदाता सूची का अनंतिम प्रकाशन अब पांच के बजाए 23 दिसंबर को होगा। इसके साथ दावे आपत्ति का समय बढ़ गया। दावे आपत्तियां 24 से 30 दिसंबर तक लिए जाएंगे। 31 दिसंबर से छह जनवरी तक इनका निस्तारण किया जाएगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन अब 15 जनवरी के स्थान पर छह फरवरी को किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

तीन किलोमीटर की मैराथन आज

अयोध्या। नगर निगम द्वारा राममंदिर में 25 को होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम को यादगार बनाने व अयोध्या की आध्यात्मिक ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आज शनिवार को 3 किमी मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। जो लता मंगेशकर चौक से शुरू होकर साकेत पेट्रोल पंप अंडरपास पर समाप्त होगी। अवध विवि के सभी छात्र-छात्राओं को सुबह 7 :30 बजे लता चौक पर उपस्थित होना को कहा गया है। मीडिया प्रभारी डॉ. आरएन पांडेय ने बताया कि विवि प्रशासन ने सभी संकायों को अधिकाधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए हैं।

महिला का शव मिला हत्या का आरोप

शुजागंज, अयोध्या। रुदौली कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुजफरपुर में घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में आरती(45) का शव मिला है। मृतका के दामाद मंगतराम उसकी देखभाल कर रहे गांव के ही एक व्यक्ति ने हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की लगभग डेढ़ बीघा जमीन का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। ग्रामीणों का कहना है कि जिन लोगों पर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है, उन्होंने कई व्यक्तियों से पैसे भी ले रखे हैं, जिससे विवाद की स्थिति बनी रहती थी। कोतवाली प्रभारी संजय मौर्य ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

250 विद्यार्थियों को दी स्काउट-गाइड की दीक्षा

अयोध्या, अमृत विचार। जनता अवध इंटर कॉलेज अयोध्या धाम के प्रांगण में शुक्रवार को त्रिदिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। इस दौरान कक्षा-6 से 12 तक के 250 विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड की दीक्षा प्रदान की गई। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। प्रबंधक मिश्री लाल वर्मा ने विद्यार्थियों एवं शिक्षण शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को आशीर्वाद दिया। अध्यक्षता प्रधानाचार्य राम कृष्ण मिश्र ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. जनार्दन उपाध्याय, अवधेश पाण्डेय उपस्थित रहे।

भाजपा में एसआईआर को लेकर की गई समीक्षा

अयोध्या। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की समीक्षा बैठक भाजपा कार्यालय सहादतगंज में हुई। अध्यक्षता अभियान प्रवासी महेश मिश्र ओम ने की। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान के तहत प्रत्येक बूथ के घर-घर संपर्क किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा एसआईआर अभियान सिर्फ एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि संगठन की मजबूती का आधार है।

गाइड को सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

अयोध्या,अमृत विचार : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गौहनिया सोहावल में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। गाइड प्रभारी सुल्ताना बानो ने सिद्धि मौर्य ने छात्राओं को प्राथमिक चिकित्सा व आपदा प्रबंधन के गुर सिखाए। शिविर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अंतिम दिन गाइड द्वारा अपने हाथों से निर्मित टेंट लगाकर अपनी-अपनी टोलियों के नाम से उनको सजाया भी गया। विद्यालय की प्रधानाचार्य सुनीता प्रभारी ने सभी टोलियों का निरीक्षण कर उनके प्रभारी से टोलिया के गठन का उद्देश्य भी जाना। इस अवसर पर रंजना, पूजा, ज्योत्सना आदि मौजूद रहीं।

पर्यटन विकास पर निबंध प्रतियोगिता

अयोध्या। अवध विवि के मास्टर ऑफ टूरिज्म एवं ट्रैवल मैनेजमेंट द्वारा शुक्रवार को 'ग्रोथ ऑफ टूरिज्म इन अयोध्या अपरच्युनिटी एंड चैलेंजेज' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। समन्वयक डॉ. संजय चौधरी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में अयोध्या में पर्यटन विकास के संभावित नवीन क्षेत्रों और कैरियर की संभावनाओं पर छात्र-छात्राओं के विचार निकलकर सामने आए है। प्रथम 3 सर्वश्रेष्ठ निबंध लेखकों को प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। अन्य प्रतिभागी छात्रों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा। प्रतियोगिता में डॉ. दिलीप, डॉ. सरोज व डॉ. मो. सादिक का योगदान रहा।

जलवायु परिवर्तन महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय में विज्ञान ऑफ क्लाइमेट चेंज विषय पर शुक्रवार को व्याख्यान का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष, भूविज्ञान विभाग विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रो. अरुण देव सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज विश्व के सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। विवि इस दिशा में सक्रिय रूप से कार्यरत है। संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार चौधरी द्वारा किया गया।

26 को सुबह 6 बजे ही खुलेगा राम मंदिर : डॉ. अनिल

अयोध्या, अमृत विचार : श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ .अनिल मिश्रा ने बताया कि 25 नवंबर को ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए 26 नवंबर को सुबह एक घंटे पहले 6 बजे ही मंदिर का पट खोल दिये जाएंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने 26 नवंबर को अप्रत्याशित भीड़ होने की संभावना जताई है। जिसको देखते हुए मंदिर परिसर में पहले से ही दर्शन के लिए नए रूट और बैरियर लगाए जाने की व्यवस्था बना रहा है। भक्त मंदिर में छह पंक्तियों से प्रवेश करेंगे। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे पहले सप्त ऋषियों के मंदिर में दर्शन करने जायेंगे। आयोजन संपन्न होने के बाद अतिथियों को व्यवस्था पूर्वक दर्शन कराया जाएगा। राम विवाह के दिन रामलला का दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी अच्छी व्यवस्था हैं, सभी को दर्शन प्राप्त होगा।

24 से सील होंगी अयोध्या धाम की सीमाएं, वाहनों के चलने पर रोक

ध्वजारोहण की तैयारी

आमंत्रित अतिथियों, पास धारकों व आकस्मिक सेवाओं वाले वाहनों को ही मिलेगा प्रवेश

ध्वजारोहण समारोह में वीवीआईपी मूवमेंट के चलते लिया गया निर्णय, 26 नवंबर को भीड़ समाप्त होने तक रहेगा प्रतिबंध

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : राम मंदिर परिसर में 25 नवंबर को आयोजित ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अन्य विशिष्ट अतिथियों के आगमन पर सुरक्षा की दृष्टि 24 नवंबर की शाम छह बजे से अयोध्या धाम की सीमाएं सील कर दी जाएंगी। यह प्रतिबंध 26 नवंबर को भीड़ समाप्त होने तक लागू रहेगा। इस दौरान आमंत्रित अतिथियों, पास धारकों व आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों को छोड़कर अन्य सभी वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यातायात पुलिस के अनुसार अयोध्या धाम शहर के अंदर भी सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर रोक लगाई गई है। यह प्रतिबंध स्थानीय लोगों पर भी लागू होगा।

इस तरह रहेगा प्रतिबंध

- नया सरयू पुल गोंडा से अयोध्या की ओर सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक।
- महोबरा अंडरपास से चूड़ामणि चौराहा की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- बूथ नंबर-चार से साथी तिराहा की ओर सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- साकेत पेट्रोल पंप बैरियर से हनुमानगुफा चौराहा की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- बालू घाट से रामघाट चौराहा की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- हनुमान गुफा चौराहा से लता मंगेशकर चौक की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- लता मंगेशकर चौक से हनुमान गढ़ी की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- आशिफबाग चौराहा से चूड़ामणि चौराहा एवं विद्याकुण्ड की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- बड़ी छावनी से रायगंज की ओर आने वाले सभी प्रकार के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- मौनीबाबा आश्रम मरदहिया घाट से रामघाट की ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- साथी तिराहा से रामघाट कांशीराम कालोनी की तरफ सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- रामघाट चौराहा से दीनबन्धु नेत्र अस्पताल व हनुमानगढ़ी की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक।
- दीनबन्धु नेत्र चिकित्सालय बैरियर से छोटी छावनी की ओर आने वाले सभी प्रकार के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- चूडामणि चौराहा से टेढी बाजार की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- विद्याकुण्ड तिराहा से लंगड़वीर चौराहा की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- विद्याकुण्ड तिराहा बैरियर से रायगंज रेलवे स्टेशन की ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- रायगंज पुलिस चौकी, कनीगंज तिराहा से अयोध्या धाम जंक्शन की ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहनों पर प्रतिबंध।
- साकेतपुरी कॉलोनी मोड़ परिक्रमा मार्ग से उदया चौराहा एवं महोबरा चौराहा की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- रानोपाली रेलवे क्रॉसिंग के सामने बैरियर से टेढ़ी बाजार, लंगड़वीर चौराहा की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश प्रवेश पर प्रतिबंध।
- टेढ़ी बाजार चौराहा से श्रीराम अस्पताल एवं राम जन्मभूमि थाने की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- इकबाल अंसारी आवास मोड़ से रामपथ की ओर सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पानी टंकी तिराहा से श्रीराम अस्पताल एवं इकबाल अंसारी आवास की तरफ सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- श्रीराम अस्पताल तिराहा से दंतधावन कुंड की तरफ सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।

- दंतधावन कुंड तिराहा से हनुमानगढ़ी की तरफ सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- तुलसी स्मारक सदन चौराहा से हनुमानगढ़ी एवं कोतवाली अयोध्या की तरफ सभी प्रकार के वाहनों प्रवेश पर प्रतिबंध।
- दोराही कुंआ चौराहा से टेढ़ी बाजार चौराहा की तरफ सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- गैस गोदाम तिराहा बैरियर से राजघाट की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- गोलाघाट से लक्ष्मण किला, नयाघाट की ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- जैन मन्दिर तिराहा से दन्तधावन, अयोध्या धाम जंक्शन की ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध।
- अयोध्या धाम सब्जीमंडी से पोस्ट ऑफिस की ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश के प्रवेश पर रोक।
- गहोई आश्रम से तुलसी उपवन की ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश के प्रवेश पर रोक।
- अशर्फी भवन चौराहा से पोस्ट ऑफिस ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश के प्रवेश पर रोक।
- प्रमोदवन तिराहे से प्रमोदवन मोड़, रामपथ की तरफ सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश वर्जित।
- सहादतगंज बूथ नंबर-एक से नवीन मण्डी की ओर सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक।
- सहादतगंज बूथ नंबर-एक पुलिस चौकी सहादतगंज, के सामने से रामपथ पर सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक।
- गद्दोपुर अण्डरपास से आरटीओ कार्यालय की तरफ सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक।
- नवीनमंडी सर्विस लेन से शान्ति चौक की ओर सभी प्रकार के प्रवेश पर रोक।
- मऊशिवाला तिराहा से नवीन मण्डी की तरफ सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक।
- रायबरेली रोड की ओर से आने वाले वाहन नवीन मंडी सर्विस लेन से शान्ति चौक (एयरपोर्ट) की ओर सभी प्रकार के प्रवेश पर रोक।
- शान्ति चौक सर्विस लेन से दिशा कोचिंग के सामने हाई-वे-27 पर अयोध्या की ओर सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक।
- अयोध्या शहर की ओर से आने वाले अग्रसेन तिराहे बैरियर से शान्ति चौक, नवीनमंडी अण्डरपास की ओर सभी प्रकार के प्रवेश पर रोक।
- जनौरा अण्डरपास सर्विस लेन से अयोध्या की ओर व शान्ति चौकी की ओर हाई-वे पर सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक।
- देवकाली अण्डरपास सर्विस लेन से व साकेतपुरी कालोनी मोड़ से अयोध्या की ओर हाई-वे पर सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक।
- देवकाली ओवर ब्रिज सर्विस लेन से जनौरा की ओर ओर सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक।
- बेनीगंज तिराहे से उदया चौराहा की ओर सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक।
- उदया चौराहा से टेढ़ी बाजार की ओर सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक।

भारी वाहनों के लिए 23 से बंद हो जाएगा हाईवे

अयोध्या, अमृत विचार। मुख्य समारोह से दो दिन पूर्व 23 नवंबर से हाईवे पर भारी वाहनों जैसे ट्रक, डीसीएम व ट्रैक्टर जैसे वाहनों को प्रतिबंधित कर उन्हें अन्य मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा। यह डायवर्जन 26 नवंबर की रात 10 बजे तक लागू रहेगा।

हाईवे पर इस तरह रहेगा डायवर्जन

- अंबेडकरनगर की ओर से आने वाले वाहन कूढ़ा केशवपुर से अचारी का सगरा होते हुए इटौरा, जलालपुर से जाएंगे।
- सुल्तानुपर से आने वाले वाहनों को कूड़ेभार से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से गंतव्य के लिए भेजा जाएगा।
- रायबरेली से आने वाले वाहनों को हलियापुर से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से गंतव्य के लिए भेजा जाएगा।
- आजमगढ़, अंबेडकरनगर से आने वाले वाहनों को गोहन्ना मोड़ अंबेडकरनगर से दोस्तपुर होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से गंतव्य के लिए भेजा जाएगा।
- बाराबंकी की ओर से आने वाले वाहनों को भिटरिया रामसनेही घाट से हैदरगढ़ से पूर्वाचल एक्प्रेस-वे से गंतव्य के लिए भेजा जाएगा।
- बस्ती की ओर से आने वाले वाहनों को लोलपुर से नवाबगंज गोण्डा की ओर डायवर्जन किया जाएगा।
- गोण्डा की ओर से नवाबगंज से आने वाले वाहनों को लकड़मण्डी से लोलपुर से बस्ती की ओर डायवर्ट किया जाएगा।
- गोरखपुर से आने वाले वाहनों को लिंक एक्सप्रेस-वे होकर पूर्वाचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- गोरखपुर-संतकबीरनगर-बस्ती से आने वाले वाहनों को फुटहिया चौकी थाना-कोतवाली नगर से कलवारी से टाण्डा-अकबरपुर-दोस्तपुर से पूर्वाचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- गोरखपुर की ओर से आने वाने वाहनों को संतकबीर नगर (खलीलाबाद), मंझरिया तिराहा से कटका से मैंनसिर से धनघटा होते हुए बिल्हरघाट फ्लाईओवर से अम्बेडकरनगर, दोस्तपुर से पूर्वाचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- गोरखपुर, संतकबीरनगर, बांसी, मेहदावल, डुमरियागंज, उतरौला, बलरामपुर, गोण्डा से आने वाले वाहन जरवल रोड तिराहा से वापस आकर बहराइच की ओर जाकर टिकोरा मोड़ से चहलरी घाट रोड होते हुए सिधौली सीतापुर-लखनऊ मार्ग से मिलेंगे।
- बलरामपुर, बहराइच, गोण्डा, श्रावस्ती से अयोध्या होकर लखनऊ जाने वाले वाहनों को टिकोरा मोड़ से चहलरी घाट रोड होते हुए सिधौली सीतापुर-लखनऊ मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा।
- कानपुर की ओर से आने वाले वाहनों को कानपुर, उन्नाव, मौरावां, मोहनलालगंज, गोसाईगंज, चांद सराय से पूर्वाचल एक्सप्रेस-वे से गोरखपुर की ओर डायवर्ट किया जाएगा।
- लखनऊ में आगरा एक्सप्रेस-वे से आने वाले वाहनों को मोहान, जुनाबगंज से मोहनलालगंज-गोसाईगंज से पूर्वाचल एक्सप्रेस-वे से गोरखपुर डायवर्ट किया जाएगा।
- सीतापुर, शाहजहांपुर, से आने वाले वाहनों को आईआईएम रोड दुबग्गा से आलमबाग, नहरिया से शहीदपथ होते हुए अहीमामऊ से होते हुए पूर्वाचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्जन किया जाएगा।
- सुल्तानपुर रोड की ओर से आने वाले वाहन बीकापुर से नन्सा तारुन रोड पर (अम्बेडकरनगर रोड) होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।
- सुल्तानपुर रोड की ओर से आने वाले वाहन पिपरी मोड़ रोड सुल्तानपुर से रामपुर भगन, तारुन, हैदरगंज, भीटी (अम्बेडकरनगर रोड) होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।
- सुल्तानपुर रोड की ओर से आने वाले वाहन जमूरतगंज, इटौरा तिराहा, (थाना पूराकलन्दर) सुल्तानपुर रोड से दाहिने अंजना बिलहरघाट होते हुए पूरा बाजार-अम्बेडकरनगर रोड व मसौधा तिराहे से बाएं महावां चौराहा, सरियावां चौराहा, रायबरेली रोड से अपने गंतव्य को जाएंगे।
- रायबरेली रोड की ओर से आने वाले वाहन मिल्कीपुर चौराहा (थाना इनायतनगर) से दाहिने हैरिंग्टनगंज होते हुए खजुरहट (कोतवाली बीकापुर) सुल्तानपुर रोड व बाएं वाया मिल्कीपुर-अमानीगंज रोड होते हुए रुदौली अयोध्या नेशनल हाई-वे-27 होकर अपने गंतव्य को जा सकेंगे।
- रायबरेली रोड की ओर से आने वाले वाहन सरियावां चौराहा (थाना पूराकलन्दर) से दाहिने महावां चौराहा से मसौधा तिराहा सुल्तानपुर रोड व बाएं आजादनगर होते हुए सोहावल नेशनल हाई-वे-27 से अपने गंतव्य को जा सकेंगे।
- लखनऊ रोड की ओर से आने वाले वाहन हाई-वे-27 सोहावल फ्लाई ओवर (थाना रौनाही) से बाएं सर्विस लेन होकर फ्लाई ओवर के नीचे बाएं से ढेमुआघाट होते हुए व दाहिने सोहावल, आजादनगर, सरियावां चौराहा से अपने गंतव्य को जा सकेंगे।
- अंबेडकरनगर की ओर से आने वाले वाहन पूरा बाजार तिराहा, (थाना महराजगंज) से बिलहरघाट, जलालपुर सुल्तानपुर रोड से अपने गंतव्य को जा सकेंगे।
- अंबेडकरनगर की ओर से आने वाले वाहन यादव नगर (थाना अहिरौली, अंबेडकरनगर) से भीटी, हैदरगंज, बेरु बाजार, चौरे बाजार से अपने गन्तव्य को जा सकेंगे।

सुरक्षा को लेकर जिले भर में चला सघन तलाशी अभियान

निषादराज चौराहे पर वाहनों की चेकिंग करते थाना प्रभारी राम जन्मभूमि अभिमन्यु शुक्ला।

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार। अयोध्या जिले की सभी थाना पुलिस ने वीआईपी कार्यक्रम को लेकर गुरुवार देर रात से सघन तलाशी अभियान शुरू किया है। इस दौरान सभी प्रमुख बाजारों, हाईवे, कॉलोनियों आदि में भी आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग की गई।

शहर कोतवाल अश्विनी पांडेय ने टीम के साथ रामपथ पर बेनीगंज, साहबगंज, रीडगंज, फतेहगंज में वाहनों की चेकिंग की। थाना कैंट प्रभारी पंकज सिंह ने जालपा कॉलोनी, सदर बाजार और आसपास के क्षेत्रों में खड़े वाहनों की जांच की, मालिकों का सत्यापन कराया और कागजात चेक किए। घरों में किराए पर रह रहे लोगों व उनके परिवारों का भी सत्यापन किया गया। थाना प्रभारी राम जन्मभूमि अभिमन्यु शुक्ला ने निषादराज चौराहे पर वाहनों की चेकिंग की। संदिग्धों के पहचान पत्र का सत्यापन भी किया। अयोध्या कोतवाल मनोज शर्मा ने साकेत पेट्रोल पंप, बूथ नंबर चार पर चेकिंग की। रुदौली सीओ आशीष निगम के नेतृत्व में सर्किल में व्यापक स्तर पर चेकिंग, पेट्रोलिंग और प्वाइंट-टू-प्वाइंट निगरानी की जा रही है। पुलिस टीमों को निर्देश दिए गए हैं कि वे खुराफाती और संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखें तथा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें। उन्होंने मंगलवार मध्यरात्रि को फायर स्टेशन रुदौली हाईवे, भेलसर चौराहे पर सुरक्षा तैयारियों का जायज़ा लिया।

मुख्य समारोह के दिन 3 बजे के बाद ही मिलेगी पैदल चलने की अनुमति

अयोध्या कार्यालय

- प्रमुख स्थानों पर छोटे-बड़े वाहनों के साथ 10 बाइक टेंडरों को भी किया जा रहा तैनात

अमृत विचार : सुरक्षा की दृष्टि से यातायात पुलिस द्वारा 24 नवंबर से ही अयोध्या धाम की सीमाओं को सील कर वाहनों व लोगों का आवागमन रोक देगी। इसके लिए निर्देश जारी किए गए हैं। अयोध्या धाम के अंदर भी यह प्रतिबंध लागू रहेगा। प्रशासन की योजना है कि प्रधानमंत्री समेत सभी अतिथियों के वापसी के बाद ही अयोध्या धाम में लोगों को सिर्फ पैदल आवागमन की सुविधा मिल सकती है। आगे भी भीड़ को देखकर शहर के अंदर डायवर्जन लागू किया जा सकता है।

पांच स्थानों पर खड़ी रहेगी लिफ्टिंग वैन व दमकल वाहन : रामपथ पर रानोपाली से हनुमान गुफा तक मार्ग के बीच में पांच स्थानों पर यातायात पुलिस द्वारा पांच लिफ्टिंग वैन व दमकल विभाग द्वारा अग्निशमन वाहनों को खड़ा किया जाएगा। वीवीआईपी काफिले में शामिल कोई वाहन यदि दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है तो लिफ्टिंग उसे तत्काल सड़क से हटाकर मार्ग क्लीयर करेगी। इसके लिए गैर जनपद से लिफ्टिंग वैन को मंगाया गया है। वहीं, अग्निशमन विभाग द्वारा प्रमुख स्थानों पर छोटे-बड़े वाहनों के साथ 10 बाइक टेंडरों को भी तैनात कर रहा है। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी का कहना है कि वीवीआईपी प्रोटोकाल के अनुसार सभी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों ने कैफियात एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

गोसाईगंज, अमृत विचार: गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर गुरुवार शाम आजमगढ़ से दिल्ली जाने वाली अप कैफियात एक्सप्रेस (12225) का ठहराव शुरू हो गया। ट्रेन को प्लेटफार्म संख्या दो पर सांसद लालजी वर्मा, पूर्व एमएलसी हीरा लाल यादव, सभासद आरती जायसवाल और सपा नेता राम सागर वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। लगभग 15 मिनट की देरी से पहुंची ट्रेन पर यात्रियों और स्थानीय लोगों ने खुशी व्यक्त की। लोको पायलट और गार्ड को सांसद व सभासद ने मिठाई खिलाकर और माल्यार्पण कर सम्मानित किया। सांसद लालजी वर्मा ने बताया कि कैफियात ट्रेन के ठहराव की मांग पुरानी थी, जिसे सदन में उठाने के बाद मंजूरी मिली। कार्यक्रम में वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक कुलदीप तिवारी, स्टेशन अधीक्षक महेंद्र नाथ मिश्रा ने जनप्रतिनिधियों को शॉल व तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

अभेद्य सुरक्षा में होगा मोदी का अयोध्या दौरा

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

अमृत विचार: श्रीराम मंदिर के ध्वजारोहण में शामिल होने आ रहे प्रधानमंत्री मोदी का दौरा अभेद्य सुरक्षा में होगा। सुरक्षा को लेकर स्थलों की एंटीसबोटाज, एंटीमाइनिंग चेकिंग की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा घेरा कई स्तरों का होगा। सुरक्षा मानकों के लिहाज से सुरक्षा की तैयारी है। शीर्ष सुरक्षा एजेंसियां यहां सक्रिय हैं। पल-पल अयोध्या की खबर पर नजर है। अफसर लगातार रिव्यू के साथ स्थलों का भ्रमण कर रहे हैं।

दिल्ली कार विस्फोट और रिसिन जहर से आतंकी साजिश के खुलासे के बाद संवेदनशीलता बढ़ गई। पीएम मोदी के दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का लगातार रिव्यू किया जा रहा है।

सीमित हो सकती है पीएम मोदी से मिलने वालों की संख्या

अयोध्या दौरे के समय पीएम मोदी से मिलने वालों की संख्या सीमित हो सकती है। एयरपोर्ट और साकेत महाविद्यालय में पीएम मोदी का स्वागत होगा। सूत्रों का कहना है कि दोनों स्थानों पर पहले से कम संख्या में स्वागत करने वाले होंगे। पीएमओ से स्वीकृति के बाद ही इसे अंतिम रूप मिलेगा।

- सुरक्षा को प्रमुख स्थलों की एंटीसबोटाज, एंटीमाइनिंग चेकिंग, शीर्ष सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय, रख रही पल-पल की खबर
- दिल्ली कार विस्फोट, रिसिन जहर से आतंकी साजिश के खुलासे के बाद बढ़ी संवेदनशीलता

सुरक्षा से जुड़े अफसरों की बैठकें हो रही है। मंदिर परिसर के साथ उनके मार्गों और स्थलों पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर है। एयरपोर्ट से लेकर मंदिर परिसर में कार्यक्रम स्थल इसके दायरे में है। देश की शीर्ष सुरक्षा एजेंसियों की नजर अयोध्या पर है। अयोध्या आने जाने वाले व्यक्ति पर पैनी नजर है। चेकिंग अभियान शुरु कर दिया गया है। जिले की सीमा से ही निगरानी है। व्यवस्था ऐसी है कि जिले से शहर में प्रवेश करने वाला हर व्यक्ति कैमरे की नजर में रहे। कार्यक्रम स्थल का अब तक कई बड़े अफसरों और एजेंसियों के विशेषज्ञों ने दौरा किया है।

न्यूज ब्रीफ

मंडलीय सीनियर महिला हॉकी टीम घोषित

अयोध्या, अमृत विचार : क्षेत्रीय क्रीड़ा कार्यालय के तत्वाधान में ट्रायल के बाद आरएसओ अनिमेष सक्सेना ने मंडलीय सीनियर महिला हॉकी टीम शुक्रवार को घोषित कर दी। चयनित टीम 26 नवम्बर से वाराणसी में प्रदेश खेल निदेशालय के तत्वाधान में आयोजित प्रदेशीय सीनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। टीम में अयोध्या की अंजली मिश्रा, मान्सी साहू, ममता यादव, नैन्सी यादव, आरती प्रजापति, आस्था चौहान, चंचल मौर्या, नैन्सी सिंह, बाराबंकी की प्रिया प्रजापति, खतीजा, सना अजीज, अंबेडकरनगर की श्रेया मौर्या, मधुलिका, अनामिका वर्मा, मुस्कान, अमेठी की गौरी मोदनवाल शामिल हैं। आरक्षित में अयोध्या की शाम्भवी सिंह, शैलजा चतुर्वेदी व मोहिनी कुशवाहा को रखा गया है।

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

मसौधा, अयोध्या, अमृत विचार। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के अयोध्या-प्रयागराज रेल मार्ग पर नैपुरा गांव के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक अधेड़ की मौत हो गई। थाना प्रभारी संजीव सिंह ने बताया कि नैपुरा गांव निवासी बालक राम (55) पुत्र बनवारी लाल बेटे की आकस्मिक मौत के बाद से मानसिक रूप से अस्वस्थ थे। वह गुरुवार देर शाम नैपूरा गांव के रुनिकट जंगली खरपतवारों की झाड़ में रेलवे लाइन पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई। जीआरपी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया है।

भाजपा कार्यकर्ता की पिटाई में दारोगा लाइन हाजिर

मसौधा अयोध्या। अमृत विचार : वाहन चेकिंग के दौरान भाजपा कार्यकर्ता से हुई तीखी नोकझोंक के बाद भाजपा कार्यकर्ता दुर्गेश विश्वकर्मा निवासी सिड़िहिरकी पिटाई के आरोप में पूराकलंदर थाने के दारोगा केसी यादव को एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने शुक्रवार को लाइन हाजिर कर दिया। बाइक चालक अजय ने घटना की तहरीर प्रभारी निरीक्षक पूराकलंदर संजीव सिंह को दी थी। पुलिस ने घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए सीएचसी मसौधा भेजा था। थाना प्रभारी ने बताया कि एसएसपी ने उक्त दारोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

बिना टेंडर काम देने का लगाया आरोप

मवई, अयोध्या, अमृत विचार : रुदौली नगर पालिका पर बिना प्रस्ताव और टेंडर प्रक्रिया के लगभग एक करोड़ रुपये के विकास कार्य कराने का आरोप लगा है। स्थानीय निवासियों रियाज अंसारी और मोहम्मद खान ने इसे नियमों का खुला उल्लंघन और वित्तीय अनियमितता बताया है। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी प्रेमनाथ ने आरोपों को निराधार बताया है। कहा ऐसा कोई मामला नहीं है। यदि किसी को आपत्ति है तो वह आकर रजिस्टर देख सकता है।

विकास

लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर एनएच-27 हाईवे पर वाहन अंडरपास का निर्माण पूरा, बसों की स्टेशन पर जाने की राह हुई आसान

जल्द ही दोनों लेन से जुड़ जाएगा अयोध्या धाम बस स्टेशन

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर हाईवे पर अयोध्या धाम बस स्टेशन के सामने बन रहे ओवरब्रिज व अंडरपास का निर्माण पूरा हो गया है। अब जल्द ही यह बस स्टेशन हाईवे की दोनों लेन से जुड़ जाएगा। करीब 21 करोड़ रुपये की लागत से बना यह अंडरपास अब पूरी तरह तैयार हो चुका है। वाहनों की आवाजाही शुरू हो चुकी है। जल्द ही इसके संचालन की अधिकृत घोषणा की जाएगी। इसके निर्माण से लखनऊ से गोरखपुर जाने वाली बसों को अयोध्या धाम बस अड्डे जाने के लिए बड़ी सहूलियत मिल जाएगी। इसके साथ ही हजारों यात्री और स्थानीय लोग पहले की तुलना में बहुत आसानी से और सुरक्षित तरीके से आवागमन कर सकेंगे।

अयोध्या धाम बस स्टेशन के सामने बनकर तैयार ओवरब्रिज। अमृत विचार

भारत माला परियोजना के तहत एनएचएआई द्वारा कराए जा रहे अयोध्या बाईपास के सुधार एवं पुनर्वास कार्य के दौरान किमी 137.100 पर यह वाहन अंडरपास (वीयूपी) बनाया गया है। यह स्थान महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय के ठीक पास है। निर्माण कार्य मेसर्स हार्दिक कंस्ट्रक्शन कंपनी ने ईपीसी मोड में पूरा किया है। वर्तमान में केवल फिनिशिंग का काम बाकी है, जिसे जल्द पूरा कर अंडरपास को पूर्ण रूप से चालू कर दिया जाएगा।

पैदल यात्रियों को भी नहीं उठाना पड़ेगा जोखिम

पैदल यात्रियों के लिए भी अब मुख्य सड़क पर जोखिम भरा क्रॉसिंग करना नहीं पड़ेगा। दो अलग-अलग पैदल अंडरपास बनने से महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग पूरी सुरक्षा के साथ एक छोर से दूसरे छोर तक जा सकेंगे। इससे वाहनों की औसत गति बढ़ेगी और ईंधन बचत के साथ-साथ वायु एवं ध्वनि प्रदूषण में भी कमी आएगी।

इस अंडरपास के साथ-साथ दो पैदल अंडरपास (पीयूपी), एक बॉक्स कल्वर्ट और एक माइनर ब्रिज भी बनाए गए हैं। इन संरचनाओं से ग्रामीण और शहरी दोनों तरह के यातायात को सुरक्षित रास्ता मिल गया है।

विकास में मील का पत्थर साबित होगा : जिलाधिकारी

जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि फिनिशिंग कार्य तेजी से चल रहा है। कुछ ही दिनों में सभी काम पूरे कर यह वाहन अंडरपास और पैदल अंडरपास जनता को समर्पित कर दिए जाएंगे। बताया कि अयोध्या बाईपास पर बना यह नया अंडरपास हजारों लोगों की दैनिक यात्रा को आसान और सुरक्षित बनाने के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

सुरक्षित सफर प्रदान करना ही उद्देश्य : अवनीत

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पीआईयू अयोध्या के परियोजना निदेशक अवनीत सिद्धार्थ ने बताया कि हम अयोध्या में लगातार कार्य करा रहे हैं। हमारी कोशिश है कि सभी को एक सुरक्षित सफर प्रदान करें। इसी दिशा में काम करते हुए अंडरपास का निर्माण कराया गया हैं।

बिजली बिल बकायेदारों के लिए ओटीएस योजना 01 से

अयोध्या, अमृत विचार : पॉवर कॉर्पोरेशन ने 01 दिसंबर से बिजली बिल बकायदारों के लिए एकमुश्त समाधान ओटीएस योजना लागू करने जा रहा है। जिसमें मात्र 2000 रुपये का पंजीकरण शुल्क देकर उपभोक्ता अपने पुराने बकाया बिलों पर भारी छूट प्राप्त कर सकेंगे। योजना में पंजीकरण कराने पर बकाया मूल धनराशि पर 25 से 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी, वहीं सरचार्ज पर 100 प्रतिशत तक माफी दी जाएगी। मुख्य अभियंता वितरण बृजेश कुमार ने बकायदारों से अपील करते हुए कहा कि वो इस योजना का लाभ उठाएं और बिजली बिलों को एकमुश्त चुकाकर सरचार्ज के बोझ से मुक्त हो जाएं। कहा कि यह योजना सीमित अवधि के लिए ही रहेगी, इसलिए समय रहते पंजीकरण कराना जरूरी है।

न्यूज ब्रीफ

पॉक्सो व अन्य धाराओं के आरोपी गिरफ्तार

सुलतानपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक के मार्ग दर्शन क्षेत्राधिकारी कादीपुर के नेतृत्व में चलाये जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को अखण्ड नगर थाने पर तैनात उप निरीक्षक विनय कुमार सिंह ने हमराहियों के साथ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं के आरोपी मो अरमान निवासी हरपुर थाना अखण्डनगर जनपद सुलतानपुर को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त पर दूसरे समुदाय के नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप है। अखण्ड नगर थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया जहां से जेल भेजने की कार्यवाही हुई।

स्टंटबाज की बाइक की टक्कर से वृद्ध की मौत

करौंदीकला, सुलतानपुर

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के मारूफपुर निवासी दूधनाथ प्रजापति (75) शुक्रवार शाम लगभग 4 बजे बांगर कला बाजार में सब्जी लेने जा रहे थे। बांगर कला पंचायत भवन के पास सड़क पार करते समय तेज रफ्तार में स्टंट करते आ रहे बाइक सवार दो युवकों ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दूधनाथ सड़क पर गिर पड़े और सिर में गंभीर चोट आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मोटर साइकिल सवार युवक फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बुजुर्ग को एम्बुलेंस से सीएचसी करौंदीकला भेजा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस फरार बाइक सवारों की तलाश में जुटी है।

एसआईआर प्रक्रिया पर उठाए सवाल, समय सीमा बढ़ाने की मांग

सुलतानपुर, अमृत विचार : भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला कमेटी सुलतानपुर ने एसआईआर प्रक्रिया में हो रही अनियमितताओं को गंभीर बताते हुए बयान जारी किया है। जिला सचिव राधेश्याम वर्मा ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण में बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्रों का वितरण बेहद धीमा है। आयोग 99 प्रतिशत वितरण का दावा कर रहा है, जबकि जमीन पर आधे प्रपत्र भी नहीं बंटे हैं। जिला सचिव मंडल सदस्य शशांक पांडेय ने कहा कि जल्दीबाजी और अधूरी तैयारी के कारण बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम छूटने की आशंका है। 2003 की पुरानी सूची उपलब्ध न होने से मतदाता परेशान हैं। कई बीएलओ घर-घर न जाकर एक जगह बैठकर वितरण कर रहे हैं। जिस पर पार्टी ने एसआईआर की अंतिम तारीख 4 दिसंबर से आगे बढ़ाने की मांग की है।

आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर प्रदर्शन

परिजनों ने शव रखकर 4 घंटे तक जाम किया मार्ग, प्रशासन के लिखित आश्वासन पर माने

कादीपुर, सुलतानपुर

हाईवे पर शव रखकर प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के जलालपुर पांडेय के पुरवा निवासी राकेश गुप्त की हत्या के 24 घंटे बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित परिजन और ग्रामीण शुक्रवार सुबह सड़क पर उतर आए। मृतक का शव लेकर परिजन देवाढ़ बाजार में कादीपुर-चांदा मार्ग पर बैठ गए और चार घंटे तक जाम लगा दिया।

परिजनों का कहना है कि हत्या के बाद से आरोपी मृतक के मोबाइल से परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा है और पुलिस को भी गाली दे चुका है, लेकिन कार्रवाई अब तक नहीं हुई। इसी लापरवाही के विरोध में परिजन सड़क पर जमे रहे। जाम के दौरान परिजन लगातार अपनी मांगों पर अड़े रहे। आरोपी की गिरफ्तारी, परिजनों को सुरक्षा, मृतक परिवार को 30 लाख की आर्थिक सहायता, मृतक के पुत्र को सरकारी नौकरी और कर्मकांड तक विशेष सुरक्षा व्यवस्था। एसडीएम उत्तम कुमार तिवारी, सीओ विनय गौतम, तहसीलदार उमेश चंद्र यादव और प्रभारी निरीक्षक श्यामसुंदर मौके पर पहुंचे और समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन नहीं मानें। अंत में एसडीएम द्वारा स्टांप पेपर पर लिखित आश्वासन देने के बाद परिजन शव का अंतिम संस्कार करने पर सहमत हुए और दोपहर एक बजे जाम समाप्त हुआ। शव का अंतिम संस्कार गोमती नदी के देवाढ़ घाट पर किया गया, जहां मृतक के पुत्र अंगद ने मुखाग्नि दी। परिजनों की सुरक्षा हेतु दो पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। मौके पर पहुंचे पूर्व प्रमुख डॉ. श्रवण मिश्र ने मृतक के बच्चों की शिक्षा का पूरा व्यय वहन करने की घोषणा की।

पूर्व विधायक अनूप संडा के केस में सुनवाई तीन को

सुलतानपुर, अमृत विचार : खराब बिजली व्यवस्था को लेकर रोड जाम, सरकारी कामकाज में बाधा, पुलिसकर्मियों से अभद्रता और अन्य आरोपों में पूर्व विधायक अनूप संडा समेत अन्य के खिलाफ जारी मामले में शुक्रवार को एमपी-एमएलए के विशेष कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत मेंश्सुनवाई 3 दिसंबर तक टल गई। विशेष लोक अभियोजक वैभव पाण्डेय के मुताबिक खराब विद्युत व्यवस्था के खिलाफ सपाइयों ने दो सितंबर 2008 को शहर के ख्वाजा कांप्लेक्स के सामने हाईवे जाम कर प्रदर्शन किया था। पुलिस ने इसी मामले में पूर्व विधायक अनूप सण्डा, उनके सहयोगी और अब राज्यसभा सांसद संजय सिंह, पूर्व सपा जिलाध्यक्ष रघुवीर यादव, रवींद्र तिवारी, रिजवान व सबलू समेत 34 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।

बहुचर्चित गोलीकांड के आरोपी की जमानत खारिज

- अंकित सिंह पर जानलेवा हमले से जुड़ा मामला

सुलतानपुर, अमृत विचारः अमेठी जिले के बहुचर्चित गौरीगंज गोलीकांड प्रकरण में पुलिस विवेचना के दौरान प्रकाश में आए जामों थानाक्षेत्र के बरौलिया निवासी आरोपी दीपक की जमानत अर्जी जिला जज सुनील कुमार की अदालत ने खारिज कर दी।

अभियोजन पक्ष की ओर से वादी के अधिवक्ता रविशंश सिंह पंकज ने जोरदार आपत्ति जताते हुए तर्क दिया कि घटना अत्यंत गंभीर प्रकृति की है, जिसमें आरोपियों ने दिनदहाड़े युवक को गोली मारकर जान लेने का प्रयास किया। वादी विमलेश सिंह निवासी पूरे मंशा गूजरटोला गौरीगंज द्वारा दर्ज कराई गई तहरीर के अनुसार, 03 नवंबर 2025 को लगभग 11:30 बजे जब उनका पुत्र अंकित सिंह बुलेट मोटरसाइकिल से घर की ओर लौट रहा था, तभी पीर मोहम्मद के घर के पास पीछे से आए चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी। वाहन से उतरे छह लोगों ने अवैध हथियारों से फायरिंग करते हुए अंकित को लोहे की रॉड से मारने लगे। घटना में संदीप कुमार, उदय सिंह, मोहम्मद इस्लाम, मोहम्मद जलील, मोहम्मद वसीम उर्फ रज्जन और सूरज सहित अन्य नामजद हैं। घटना में अंकित गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल से रेफर कर लखनऊ ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया।

कॉलेज प्रबंधक के भाई पर कुल्हाड़ी से हमला

- श्री कन्हैया लाल मानिकचंद महाविद्यालय की जमीन पर कब्जे का मामला

कादीपुर, सुलतानपुर

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के भवानीपुर स्थित श्री कन्हैया लाल मानिकचंद महाविद्यालय की जमीन पर कब्जे की कोशिश में शुक्रवार तड़के बड़ा बवाल हो गया। आरोप है कि सुबह करीब पांच बजे विपक्षी पक्ष के लोग हथियारों से लैस होकर पहुंचे और छप्पर डालने लगे। विरोध करने पर कॉलेज प्रबंधक के भाई जयप्रकाश पर कुल्हाड़ी, ईंट-पत्थर से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बचाव करने आए उनके भाई विजय का भी सिर फोड़ दिया।

हमले के दौरान विपक्षी कॉलेज परिसर में ईंट-पत्थर चलाते हुए कार्यालय में भी घुस गए और दस्तावेज फाड़कर फेंक दिए। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस और ग्रामीणों ने किसी तरह दोनों घायलों को बचाया। सीएचसी कादीपुर में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षका श्याम सुंदर ने बताया कि प्रबंधक प्रेम प्रकाश की तहरीर पर सुरेंद्र उर्फ लोले, विशाल, कुंदन, पायल सहित सात अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

रंजिश में मां-बेटी पर हमला, केस दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर : कोतवाली क्षेत्र के राईबिगो गांव में जमीनी विवाद के चलते गुरुवार शाम बड़ा विवाद हो गया। शांति यादव पत्नी संतराज और विपक्षियों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर रंजिश चल रही थी। शाम करीब चार बजे विपक्षी घर पहुंचकर गाली-गलौज करने लगे और विरोध करने पर शांति यादव तथा उनकी बेटी लक्ष्मी को लात-घूसों और फावड़े से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों महिलाओं को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर गांव के ही हरिश्चंद्र, सुषमा, पूनम और उषा के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले जांच-पड़ताल की जा रही है।

स्टेडियम में 128 महिला एथलीटों ने दिखाया दम

सुलतानपुर, अमृत विचार : शहर के पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में शुक्रवार को अस्मिता महिला एथलेटिक्स लीग 2025 का पहली बार भव्य आयोजन किया गया। जिला एथलेटिक्स संघ एवं साई (खेल मंत्रालय) के निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल 128 महिला एथलीटों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अनूप संडा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। 600 मीटर रेस में आयुषी, ऊंची कूद में श्रेया, गोला फेंक में गुड़िया, लंबी कूद में सौम्या, चक्का फेंक में शिवानी वर्मा और भाला फेंक में शिवानी वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में पूर्व विधायक रामचंद्र चौधरी ने विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता का संचालन संघ सचिव डॉ. बाबादीन चौधरी ने किया।

मीटर बिना बिजली चोरी का आरोप निराधार

- लोक अदालत ने 3.15 लाख की वसूली नोटिस निरस्त की

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः स्थायी लोक अदालत अध्यक्ष राधेश्याम यादव, सदस्यगण राधेश्याम यादव व मृदुला राय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए विद्युत विभाग द्वारा जारी 3,15,139/- रुपये की वसूली नोटिस को निरस्त कर दिया है। मामले में धन्नजय यादव (प्रधान ग्रामसभा नरहरपुर) एवं विमल कुमार यादव निवासी नरहरपुर, थाना रामगंज, जिला अमेठी ने वसूली नोटिस को चुनौती दी थी। वादियों का कहना था कि उनके पिता स्व. राम कलप द्वारा लिए गए विद्युत कनेक्शन पर कई बार आग्रह के बावजूद भी विभाग द्वारा मीटर स्थापित नहीं किया गया। मीटर न लगने से परेशान होकर उन्होंने सौर ऊर्जा से बिजली उपयोग प्रारंभ कर दिया। इसके बावजूद विभाग ने बिना मीटर लगाए मनमाने ढंग से मीटर बाईपास कर बिजली चोरी का आरोप लगाते हुए 3.15 लाख रुपये की मांग कर दी।

छेड़छाड़ के दोषी को चार साल का कारावास

संवाददाता, सुलतानपुर : जगदीशपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में चार वर्ष पूर्व 12 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़छाड़ व मारपीट के आरोपी जमाल को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट नीरज श्रीवास्तव की अदालत ने दोषी करार देते हुए शुक्रवार को सजा सुना दी। अदालत ने दोषी को चार वर्ष का कारावास व 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाकर जेल भेज दिया। विशेष लोक अभियोजक सी.एल. द्विवेदी ने बताया कि यह घटना 12 जनवरी 2021 की है। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर विवेचना के बाद आरोपी के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल की थी। मुकदमे के दौरान अभियोजन द्वारा प्रस्तुत गवाहों व साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी पाया। शुक्रवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए अदालत ने चार वर्ष की सजा सुनाई।

विवाहिता को पीटा, बचाने पहुंचे पिता को भी मारा

सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली नगर के शास्त्री नगर निवासी शुभम जैन ने कोतवाली नगर में तहरीर देते हुए बताया कि उसकी बहन सुरुचि ने फोन कर कहा कि उसके पति उसे मार पीट रहे हैं। सूचना मिलते ही वह अपने पिता के साथ अपनी बहन के ससुराल रुद्र नगर पहुंचा। आरोप है कि वह पर उसके ससुराल वालों ने उसके पिता व उसकी बहन को गाली गलौज देते हुए पीटने लगे। पिटाई से उनकी बहन बेहोश हो गई हल्ला गुहार पर स्थानीय लोगों व पुलिस के पहुंचने पर उक्त लोगो ने जान से मारने की धमकीं दी। बेहोश बहन को लेकर वह अस्पताल आया। नगर कोतवाल धीरज कुमार ने बताया कि पति पत्नी के बीच पेशबंदी का मामला है।

बाजार में आए युवक की बाइक चोरी

दोस्तपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : थाना मोतिगरपुर क्षेत्र के ग्राम बेशना भैरोपुर निवासी शोभनाथ वर्मा को दोस्तपुर बाजार सामान लेने आए थे। उन्होंने अपनी बाइक शुक्ला पेट्रोल पंप पर खड़ी की और बाजार चले गए। करीब आधे घंटे बाद लौटे तो बाइक गायब मिली। पीड़ित ने गुरुवार शाम तहरीर देकर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बहू ने दिव्यांग ससुर का सिर फोड़ा, केस दर्ज

दोस्तपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर रघुवंशी गांव में गुरुवार को धान की पालिस को लेकर विवाद में बहू रेखा ने अपने दिव्यांग ससुर ज्ञानदास के सिर पर ईंट से हमला कर दिया। गंभीर चोट के बाद ज्ञानदास ने थाने में पहुंचकर बहू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। थाना प्रभारी अनिरुद्ध कुमार सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

रन फॉर यूनिटी में छात्रों ने दिखाया जोश

सुलतानपुर, अमृत विचारः गनपत सहाय पी.जी. कॉलेज पयागीपुर में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयों ने संयुक्त रूप से रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन प्रबंधक डॉ. ओम प्रकाश पांडेय "बजरंगी" के मार्गदर्शन तथा प्राचार्य प्रो. अंग्रेज़ सिंह के नेतृत्व में हुआ। प्राचार्य ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ की शुरुआत की और सभी ने राष्ट्रीय एकता शपथ ली। दौड़ में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। "भारत माता की जय" और "सरदार पटेल अमर रहें" के नारों से परिसर गूंज उठा। समापन पर प्राचार्य ने विजेताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर उत्साहित किया।

अपर जिला जज ने बंदियों को किया जागरूक

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

कारागार का निरीक्षण करते अपर जिला जज भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता व अन्य लोग।

- कारागार का किया निरीक्षण जेलर को दिए दिशा-निर्देश

अमृत विचार। जिला कारागार में स्वच्छता का महत्व, बन्दियों के मानवाधिकार और उपयोगी कानूनों के सम्बन्ध में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन और शेल्टर होम्स निरीक्षण समिति द्वारा जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बन्दियों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया।

उन्होंने बताया कि स्वच्छता शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। यह बीमारियों को रोकती है, तनाव कम करती है और आत्मविश्वास बढ़ाती है। हमें अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ ही पर्यावरण की स्वच्छता का भी ध्यान देना चाहिए। अपर जिला जज ने बन्दियों को मानवाधिकारों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जेल में बंद कैदियों के भी मानवाधिकार होते हैं, जिसमें उन्हें उचित भोजन, पानी, चिकित्सा सुविधाएं और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल का अधिकार, अमानवीय या क्रूर व्यवहार से सुरक्षा तथा कानूनी सहायता का भी अधिकार है। कैदियों को शिक्षा, सांस्कृतिक गतिविधियों और रोजगार में भाग लेने का भी अधिकार है, ताकि वह रिहाई के बाद समाज में फिर से एकीकृत हो सकें। निरीक्षण समिति द्वारा जिला कारागार और महिला बैरक का निरीक्षण कर बन्दियों से मुलाकात की गई एवं उनके भोजन व स्वास्थय के सम्बन्ध में पूछा गया तथा उनके मुकदमें की स्थिति के सम्बन्ध में भी बात की गई। निरीक्षण के दौरान जिला कारागार के निरीक्षण में अपर जिला जज सचिद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता, अंजिता सिंह चौहान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड, राजन राठी सिविल जज जूडि त्वरित उपस्थित रहे। वहीं विधिक साक्षरता शिविर में आलोक सिंह जेलर, सूर्यभान सरोज डिप्टी जेलर, शीतल जैसवाल डिप्टी जेलर, डॉ. अमित कुमार यादव चिकित्सक कारागार चिकित्सालय एवं पीएलवी आदि ने प्रतिभाग किया गया।

पुलिस ने तीन अपराधियों को किया गिरफ्तार

जलालपुर, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जलालपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। शुक्रवार को चेकिंग के दौरान कोतवाली जलालपुर पुलिस टीम ने शंकर तिराहा जलालपुर के आगे पुलिया के पास से दो गैंगेस्टर समेत तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर दो मोटरसाइकिल, 40 पाउच देशी शराब और 76 सौ रुपए नकद बरामद किए हैं।

तीनों आरोपी कई संगीन मामलों में वांछित थे। गिरफ्तार अभियुक्तों में टाइगर उर्फ जुगनू कुमार उर्फ हनी पुत्र नन्हे लोना, मोनू लोना पुत्र महेंद्र लोना और अजय उर्फ ऋषि पुत्र गुल्लू लोना शामिल हैं। तीनों आरोपी ग्राम शाहपुर फिरोजपुर थाना जलालपुर के निवासी हैं। कोतवाल संतोष कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त वाहन के नंबर प्लेट बदलकर चोरी और अन्य गंभीर अपराधों को अंजाम देते थे। पूछताछ में जनपद समेत आसपास के जिलों में कई वारदातों में शामिल होना सामने आया। इस दौरान पुलिस ने मौके से दो मोटरसाइकिल, देशी शराब के 40 पाउच और 76 सौ रुपए बरामद कर तीनों के खिलाफ एक्साइज एक्ट में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया गया है।

अभियुक्तों का है लंबा आपराधिक इतिहास : गिरफ्तार टाइगर उर्फ जुगनू के खिलाफ अकबरपुर, जलालपुर, आलापुर, टांडा, पवई, आजमगढ़, मुबारकपुर, रौनापार, सिधारी, सम्मनपुर और सुलतानपुर समेत कई थानों में गैंगस्टर, लूट, चोरी, रंगदारी, आर्म्स एक्ट और बीएनएस की गंभीर धाराओं में 17 मुकदमें दर्ज हैं। इसी तरह मोनू लोना पर आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस, बीएनएस तथा महामारी अधिनियम सहित नौ मुकदमें दर्ज हैं। तीसरे आरोपी अजय उर्फ ऋषि के खिलाफ चोरी, फर्जीवाड़ा, धोखाधड़ी और गैंगस्टर एक्ट समेत 10 मुकदमें सम्मनपुर, महरुआ और अन्य थानों में पंजीकृत हैं।

दुबई में नौकरी दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपए हड़पे, रिश्तेदार के खिलाफ केस दर्ज

जलालपुर, अंबेडकरनगर। दुबई में नौकरी दिलाने का झांसा देकर पांच लाख रुपए हड़पने के मामले में पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर गुरुवार को रिश्तेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला मालीपुर थाना क्षेत्र के सैरपुर उमरान गांव का है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को भेजे शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि उसका रिश्तेदार दिनेश पुत्र दयाराम निवासी माजीसा बरियावन थाना सम्मनपुर ने उसे और उसके भाई अरुण को दुबई भेजने का भरोसा दिया। इसी बहाने दिनेश ने लगभग 5 लाख रुपए कई किस्तों में वीजा और अन्य प्रक्रिया के नाम पर ले लिए। पीड़ित के अनुसार विपक्षी ने दिए गए मोबाइल नंबरों पर रुपए मंगवाए और रोजगार वीजा दिलाने की बात कही, लेकिन जब वह वीजा लेकर दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा, तो चेकिंग स्टाफ ने उसे बताया कि दिया गया वीजा रोजगार वीजा नहीं बल्कि विजिटिंग वीजा है। आपत्ति जताने पर आरोपी ने भरोसा दिलाया कि दुबई पहुंचने के बाद वीजा बदल दिया जाएगा। दुबई पहुंचने पर पीड़ित को एनपीसी टार्जन कंपनी में 700 दरहम वेतन पर हेल्पर की नौकरी ऑफर की गई, जबकि हलफनामे में 1143 दरहम वेतन तय किया गया था। कम वेतन के कारण उसने नौकरी करने से इनकार कर दिया। घर बुलाने के नाम पर भी आरोपी ने 30 हजार अतिरिक्त वसूले। घर लौटने के बाद जब पीड़ित ने अपने भाई संग आरोपी से पैसा वापस मांगा, तो दिनेश ने देने से स्पष्ट इनकार कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर मालीपुर थाना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अव्यवस्थाओं के चलते कार्रवाई के निर्देश

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

सख्ती

- निरीक्षण समिति ने वृद्धाश्रम का किया औचक निरीक्षण

अमृत विचार। शेल्टर होम्स निरीक्षण समिति द्वारा वृद्धाश्रम अकबरपुर का औचक निरीक्षण किया गया। वृद्धाश्रम के निरीक्षण में रामबिलास सिंह विशेष न्यायाधीश एससीएसटी अधिनियम अध्यक्ष शेल्टर होम्स निरीक्षण समिति के अतिरिक्त निरीक्षण समिति के सम्मानित सदस्य भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अंजिता सिंह चौहान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड, राजन राठी सिविल जज जूडि त्वरित निरीक्षण के समय उपस्थित रहे। समिति के अधिकारियों ने अव्यस्थाएं मिलने पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

वृद्धाश्रम निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम परिसर में काफी गंदगी पाई गई। वहीं जगह-जगह पर गन्दा पानी एकत्र पाया गया। पानी के निकास की समुचित व्यवस्था नहीं की गयी है। निरीक्षण के दौरान परिसर में एक वृद्ध खुले आसमान के नीचे नग्न अवस्था में काफी पीड़ा से तड़पता पाया गया। वह जमीन पर लेटा हुआ था तथा शौच के कारण उसके कपड़े खराब हो गए थे तथा चौकी पर शौचालय लगा था, जिस पर मक्खियां भिनक रही थीं। प्रबन्धक से पूछने पर बताया गया कि उक्त व्यक्ति का नाम सत्यनारायण है तथा वह पीलिया रोग से ग्रसित है। आवासीय परिसर में वृद्धजनों के लिए पेयजल की उचित सुविधा उपलब्ध नहीं है तथा जगह-जगह पर डस्टबिन में बासी सड़ा हुआ खाना पड़ा पाया गया। इसके अतिरिक्त एक टीन शेड में कुछ बीमार वृद्ध महिलाओं को रखा गया है जहां पर काफी गन्दगी पायी गयी, उक्त स्थान बैठने सोने योग्य बिलकुल नहीं था और वृद्धजन बेहद खराब स्थिति में रहने को मजबूर हैं।

निर्देश | जिला निर्वाचन अधिकारी बोले-पुनरीक्षण कार्यक्रम में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर करें कार्रवाई

गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन में सहयोग करें बीएलओ

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

जलालपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला और साथ में सीडीओ आनंद कुमार शुक्ला। अमृत विचार

अमृत विचार। जनपद में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर गतिशील निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण किया जा चुका है तथा वर्तमान में मतदाताओं से भरे प्रपत्र प्राप्त कर उनका डिजिटाइजेशन का कार्य प्रगति पर है। जनपद में शुक्रवार को अपराह्न 04 बजे तक कुल 18 लख 70 हजार 776 मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित करने के साथ ही 2 लाख 82 हजार 645 गणना प्रपत्र बीएलओ एप के माध्यम से डिजिटाइज किया गया है।

इस महत्वपूर्ण दायित्व के सुचारू एवं समयबद्ध निर्वहन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में ग्राम स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों, शिक्षक, प्रधान, कोटेदार, प्रधानाचार्य, पंचायत सहायक, लेखपाल, रोजगार सेवक, सफाई कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकत्री और सहायिकाओं के साथ विकास खंडवार बैठकों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा शुक्रवार को महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में विकासखंड अकबरपुर और टांडा के समस्त ग्राम स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की गई। इस अवसर पर गणना प्रपत्रों को डिजिटाइजेशन करने की प्रक्रिया की वीडियो दिखाकर डिजिटाइजेशन के संबंध में विस्तृत रूप से प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संबंधित कार्मिक बीएलओ के साथ टीम भावना से कार्य करते हुए गणना प्रपत्रों को प्राप्त करने और उसके डिजिटाइजेशन में पूर्ण सहयोग दें। उन्होंने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने में प्रत्येक कर्मचारी तथा प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। निर्धारित समयसीमा के भीतर घर-घर जाकर प्रपत्र प्राप्त करने और डिजिटाइजेशन का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, परियोजना अधिकारी डीआरडीए अनिल कुमार सिंह, अपर उप जिलाधिकारी प्रभारी अधिकारी निर्वाचन राजेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी आदि रहे।

हार्ट अटैक से जवान की मौत, मचा कोहराम

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर। थानाक्षेत्र राजेसुल्तानपुर अंतर्गत ग्राम देवरिया लाला निवासी मनोज उपाध्याय उम्र लगभग 43 वर्ष जो कि असम राइफल के जवान थे, उनकी मृत्यु जम्मू में हार्ट अटैक से हो गई। सैनिक का शव जब स्वजनों के बीच पहुंचा तो स्वजनों में कोहराम मच गया। वहीं साथ ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई।

बता देंकि शुक्रवार को सुबह असम राइफल के जवान का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव देवरिया लाला पहुंचने पर पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। मृतक मनोज के पिता चंद्रदेव उपाध्याय तथा माता गीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं मृतक की पत्नी रानी उपाध्याय बेसुध पड़ी हैं। मृतक के एक बेटा मान तुषार 16 वर्ष एक बेटी नीति उपाध्याय 13 वर्ष है।

खूनी संघर्ष में 4 लोग घायल 13 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जलालपुर, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। थाना कटका थाना क्षेत्र के पिंडोरिया सीता घाट निवासिनी सुशीला ने बताया कि मैं और मेरे पति सुरेश अपने खेत में काम कर रहे थे कि उसी दौरान विपक्षी एक राय होकर खेत की मेड़ काटने लगे। विरोध करने पर उन पर लाठी-डंडों और फावड़े से हमला किया गया। हमले में सुरेश बेहोश होकर गिर पड़े, जबकि शोर सुनकर पहुंचे जितेंद्र व शैलेश पुत्र राजाराम को भी गंभीर चोटें आईं। पहले पक्ष की तहरीर पर देवेंद्र, रोहित, आलोक, विवेक, देवेंद्र, जयराम, नीलम, शीतल निवासी पिंडोरिया सीता घाट लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। विपक्षी पक्ष का कहना है कि विवाद के दौरान पहला पक्ष उनकी ओर आक्रामक हो गया और गाली-गलौज करते हुए लाठी व घूंसों से हमला किया। घटना में देवेन्द्र पुत्र जयराम घायल हुए, जिनके सिर, हाथ व शरीर पर चोटें आईं। दूसरे पक्ष ने सुरेश, जालंधर, सौरभ, शैलेश, जितेंद्र निवासी पिंडोरिया सीता घाट के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर दर्ज कर कुल 13 नामजदों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। इस संबंध में कटका थाना अध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही की जा रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

महिला से छेड़खानी के मामले में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

करनैलगंज, गोंडा : खेत में शौच के लिए गई एक महिला से छेड़खानी के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामला कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पवन कुमार उर्फ बप्पू निवासी घर कुइयां के विरुद्ध छेड़खानी समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। तहरीर के अनुसार 18 नवंबर की शाम करीब सात बजे महिला घर के पास स्थित खेत में गई थी। तभी आरोपी उसके पीछे पहुंच गया और मुंह दबाकर छेड़छाड़ करने लगा। महिला का आरोप है कि पवन कुमार उसकी साड़ी उठाने का प्रयास कर रहा था। शोर मचाने पर उसका पति मौके पर पहुंचा और आरोपी को पकड़ लिया, मगर गालीगलौज करते हुए वह भाग निकला। प्रभारी निरीक्षक करनैलगंज ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट, केस दर्ज

तरबगंज, गोंडा : स्थानीय थाना क्षेत्र के किधौरा गांव के मजरा मधईपुरवा निवासी महिला ने पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है। पीडित महिला मालती यादव ने बताया की बुधवार को दोपहर 2 से 3बजे के बीच विपक्षीगण घिर्राऊ ,संदीप, सीमा, व पूजा पुरानी रंजिश को लेकर मां बहन की गाली देने लगे रोकने पर लाठी डन्डे से मारने लगे बचाने दौडा बेटा धर्मेंद्र व रिस्तेदार की बेटी खुसबू को भी मारने लगे जब बचने के लिए घर में भागे तो विपक्षीगण घर मे घुसकर मारपीट करने लगे जिससे तीनो लोग घायल हो गए है। कोतवाल कमलाकांत त्रिपाठी ने बताया की मारपीट की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

अखिलेश यादव और उनका परिवार खा रहा आरक्षण की मलाई : अनिल

पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में समाजवादी पार्टी पर बरसे प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री

संवाददाता गोंडा

पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में कैबिनेट मंत्री का स्वागत करते विधायक अजय सिंह व अन्य।

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के कर्नलगंज विधानसभा क्षेत्र में आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में शुक्रवार को प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर समाजवादी पार्टी पर जमकर बरसे। कैबिनेट मंत्री ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव व अखिलेश यादव ने राजभर, बिंद, कुशवाहा, मौर्या, निषाद व अन्य जातियों के साथ धोखा किया। इन जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने के बजाय पिछड़े वर्ग में शामिल करा दिया और आरक्षण की मलाई अब उनका परिवार खा रहा है।

करनैलगंज के गौरा बाजार के अंबेडकर पार्क में आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए अनिल राजभर ने कहा कि वर्ष 1989 नें जब मंडल आयोग की रिपोर्ट आई तो प्रदेश क़में समाजवादी पार्टी की सरकार थी और मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे। वह चाहते तो राजभर, बिंद, कुशवाहा, मौर्या, निषाद व अन्य जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करा सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उनके जाति के लोग थाने से लेकर तहसील तक नौकरी करते मिल जायेंगे लेकिन राजभर, निषाद या बिंद समाज का कोई भी व्यक्ति आपको नहीं मिलेगा। यही कारण है कि हमारा समाज आज तक गरीब है। केंद्र में मोदी व प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद इन जातियों को भी उनका हक मिलने लगा है। उनके समाज के महापुरुषों का सम्मान हो रहा है। प्रदेश सरकार के विकास कार्यों को अक्टूबर गिनाते हुए उन्होने कहा कि यह हमेशा ध्यान में रखना और समाजवादी पार्टी का कोई भी झंडा लेकर आ जाए तो उसके झांसे में मत आना। उसे घर से बाहर से ही खदेड़ देना है। कैबिनेट मंत्री ने विधायक अजय सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि वह जब से विधायक बने हैं क्षेत्र के विकास के लिए शासन में लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इसका परिणाम भी दिखाई दे रहा है। कार्यक्रम को विधायक अजय सिंह ने भी संबोधित किया और कहा कि भाजपा सरकार ने ही राजभर समाज को सम्मान देने का काम किया है। भाजपा की सरकार ने ही महाराजा सुहेलदेव राजभर व बिरसा मुंडा जैसै महापुरुषों के नाम को जीवंत किया और आज उनके योगदान को याद किया जा रहा है। इसके पूर्व विधायक अजय सिंह ने कैबिनेट मंत्री का माल्यापर्ण कर स्वागत किया। सम्मेलन में महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष बीना राय राजभर, पूर्व महामंत्री विष्णु नरायन सिंह, परसपुर नगर पंचायत चेयरमैन, बासुदेव सिंह आदि मौजूद रहे।

स्वामी प्रसाद मौर्या को बताया सड़क छाप

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शाष्त्री की सनातन एकता पदयात्रा पर सवाल उठाने वाले नेता स्वामी प्रसाद मौर्या को आड़े हाथ लेते हुए अनिल राजभर ने उन्हे सड़क छाप बताया है। राजभर ने कहा कि सड़क छाप बात करने वाले लोगों को जनता ने कहां खड़ा कर दिया है। चुनाव लड़े विधानसभा का और हार गए, तो सनातन को अपमानित करना जिनका उद्देश्य है और मां भारती पर बार बार जिस तरह हमला करने की लोगों की सोच रही है तो ऐसे लोगों को जनता जवाब दे रही है। हम लोगों को जवाब देने की जरूरत नहीं है।

ग्राम चौपाल का आयोजन

रुपईडीह, गोंडा : ग्राम पंचायत इटहिया नवीजोत के पंचायत सचिवालय पर ग्राम प्रधान शारदा प्रसाद की देखरेख में चौपाल आयोजित की गई। पंचायत सचिव अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि इस चौपाल में विभिन्न समस्याओं को लेकर चार शिकायते आई। उन्होंने बताया कि इन शिकायतों में से तीन शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

गन्ना लदा अनियंत्रित ट्रैक्टर पलटा, बड़ा हादसा टला

करनैलगंज, गोंडा : बैकुंठनाथ महाविद्यालय से पहले चूंटीपुर मार्ग पर रजत ईंट भट्ठा के पास बड़ा हादसा टल गया। गन्ना लदा ट्राला अनियंत्रित हो गया जिससे ट्रैक्टर सड़क किनारे खेत में पलट गया जबकि ट्राला सड़क किनारे खाई में लटक गया। हादसे में चालक बच गया। कटरा बाजार क्षेत्र के अशोकपुर निवासी चालक अमित कुमार चैनापुर से गन्ना लादकर मैजापुर चीनी मिल जा रहा था। रात में रास्ता भटक जाने और भोर में छाए घने कोहरे के कारण वाहन चूँटीपुर मार्ग पर पहुंच गया, जहां मोड़ पर ट्राला अनियंत्रित हो गया। हादसे के बाद मार्ग पर जाम लग गया। छोटे वाहन किसी तरह निकलते रहे, पर बड़े वाहनों की लंबी कतार लग गई।

प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक संपन्न

रुपईडीह, गोंडा: ब्लॉक के कंपोजिट, पूर्व माध्यमिक व प्रावि के प्रधानाध्यापकों की बैठक ब्लॉक संसाधन केंद्र पर हुई। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी रियाज अहमद द्वारा उपस्थित सभी लोगों से विद्यालयों में सभी छात्र-छात्राओं की यूडायस व प्रेरणा पोर्टल पर फीडिंग, आधार कार्ड विहीन छात्र छात्राओं के नामांकन, शिक्षण कार्य के दौरान शिक्षक संदर्शिका व सहायक शिक्षक सामग्री का प्रयोग, निःशुल्क पुस्तक वितरण मानव संपदा पर लिए गए अवकाशों के निस्तारण, विद्यालय में टोल फ्री नंबर लिखा होने के बारे में जानकारी लेते हुए विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था तथा बेहतर सफाई व्यवस्था बनाए जाने का निर्देश दिया।

डीएम व एसपी ने किया जिला जेल का निरीक्षण

गोंडा कार्यालय, अमृत विचार : डीएम प्रियंका निरंजन एवं पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने शुकेरवार को जिला कारागार का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वहां पर कैदियों से वार्ता की तथा उन्हें जेल में दी जा रही सुविधाओं एवं उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कारागार अस्पताल में जाकर वहां पर भर्ती कैदियों से मुलाकात किया, साथ ही सभी भर्ती कैदियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी तथा एसपी ने स्वयं विभिन्न बैरकों, अस्पताल, भोजनालय, भंडार कक्ष, पुस्तकालय आदि का निरीक्षण किया तथा संबंधित को निर्देश दिए कि जेल में जेल मैनुअल के अनुसार कैदियों को सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। ऐसे कैदी जिनके पास वकील नहीं है उनके लिए सरकारी वकील का भी प्रबंध कराया जाय।

40 केंद्रों की बोहनी नहीं 79 पर हो रही है खरीद

मंडी में सरकारी केंद्रों पर धान बेचते किसान। अमृत विचार

गोंडा कार्यालय

अमृत विचार: जिले में धान खरीद सीजन जोर पकड़ रहा है। इस वर्ष किसानों से धान खरीदने के लिये 118 क्रय केंद्रों की स्थापना की गई है, लेकिन 79 केंद्रों पर खरीद कार्य सुचारु रूप से हो रहा है। 40 केंद्रों की बोहनी ही नहीं हुई है, 20 केंद्र खरीद में पहले से फिसड्डी हैं, जबकि 20 नए केंद्र बनाए गए हैं तो अभी गतिशील नहीं हो सके हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि शेष केंद्रों पर भी जल्द खरीद करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में अब तक करीब दो हजार मीट्रिक टन से अधिक धान किसानों से खरीदा जा चुका है, जबकि धान बेचने के लिए 3320 किसानों ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। इसके सापेक्ष 23 सौ किसानों का सत्यापन किया गया है। जिले में धान खरीद के साथ ही भुगतान प्रक्रिया भी तेजी से संचालित की जा रही है। विभागीय जानकारी के मुताबिक चार करोड़ 66 लाख रुपये मूल्य का अब तक धान खरीदा गया है, जिसमें से लगभग पौने चार करोड़ रुपये किसानों के खातों में भेजे जा चुके हैं। धान खरीद सीजन में समय पर भुगतान किसानों की बड़ी चिंता रहती है, लेकिन इस बार विभागीय टीम समयबद्ध भुगतान पर विशेष ध्यान दे रही है। भुगतान की रफ्तार से किसानों में संतोष और भरोसा दोनों बढ़ा है। किसानों को खरीद से जोड़ने के लिए पंजीकरण और सत्यापन प्रक्रिया भी जारी है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, जिले में 3300 से अधिक किसानों ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया है, जिनमें से लगभग 2300 किसानों का सत्यापन पूरा कर लिया गया है। अधिकारियों ने शेष किसानों की रिपोर्ट जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। अफसरों का कहना है क्रय केंद्र पर धान लाते समय किसान दस्तावेज साथ रखें और निर्धारित दिवस पर ही फसल लेकर पहुंचें।

> खरीद की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रतिदिन क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। जहां भी धान खरीद में किसी प्रकार की देरी या समस्या सामने आती है, इसका तत्काल समाधान कर केंद्रों को सक्रिय किया जा रहा है। जनपद में 99 क्रय केंद्रों पर खरीद हो रही है। शेष केंद्र प्रभारी को निर्देश दिया गया है।
>
> -एनके पाठक, डिप्टी आरएमओ, गोंडा

कैंपेन से बढ़ेगी परिवार नियोजन की मांग

कलेक्ट्रेट कार्यालय में कैंपेन लांच करते अधिकारी। अमृत विचार

संवाददाता, गोंडा: उम्मीद परियोजना के तहत जिला चिकित्सालय सभागार में डिस्ट्रिक्ट वर्किंग ग्रुप की बैठक हुई। अध्यक्षता सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा ने की। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, आईसीडीएस, पंचायती राज, ग्राम्य विकास, एनआरएलएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा मोबियस फाउंडेशन के सहयोग से संचालित एसबीसीसी कैंपेन 'इतनी भी क्या जल्दी है?' की औपचारिक शुरुआत हुई।

सीएमओ ने बताया अभियान का उद्देश्य सामाजिक व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से परिवार नियोजन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। पोस्टर्स, लघु फिल्मों, जिंगल्स और अन्य माध्यमों से सही उम्र में विवाह, पहला बच्चा देरी से, दो बच्चों के जन्म में अंतर और आपातकालीन गर्भनिरोधक गोली के सही उपयोग जैसे संदेशों का प्रसार किया जाएगा। कटरा बाजार, मनकापुर और करनैलगंज ब्लॉक के 150 गांवों में जागरूकता फैलाने के लिए मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह वैन नवंबर 2025 से फरवरी 2026 तक गांवों में फिल्म प्रदर्शन, जिंगल प्रसारण और हैण्डबिल वितरण के माध्यम से परिवार नियोजन पर जागरूकता फैलाएगी। बैठक में स्वास्थ्य विभाग सहित पंचायती राज, शिक्षा, ग्राम्य विकास, आईसीडीएस, महिला एवं बाल विकास, एनआरएलएम एवं सहभागी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की सक्रिय उपस्थिति रही।

एसआईआर में लापरवाही पर होगी एफआईआर

गोंडा कार्यालय, अमृत विचार: जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्यों को पूर्णतः पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से संपन्न कराने के लिए कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि एसआईआर फॉर्म वितरण एवं उसके शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने शुक्रवार को एसआईआर की समीक्षा की। कुछ तहसीलों एवं संबंधित इकाइयों में एसआईआर फॉर्म का वितरण और डिजिटाइजेशन कार्य निर्धारित समयसीमा के अनुरूप नहीं किया जा रहा है। नाराज़गी व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि हर स्तर पर निर्वाचन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि निर्वाचन कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। इसलिए सभी अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारी एवं तत्परता के साथ करें।

विद्यार्थियों को दी सुरक्षा की जानकारी

करनैलगंज, गोंडा

बालिकाओं को जागरूक करते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

अमृत विचार : महिलाओं व बालिकाओं पर होने वाले अपराधों की रोकथाम और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कोतवाली करनैलगंज की एंटी रोमियो/मिशन शक्ति टीम ने उच्चतर मावि गौरा सिंहनापुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। एसपी विनीत जायसवाल के निर्देशन और प्रभारी निरीक्षक तेज प्रताप सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को मिशन शक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली व महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। टीम ने 112, 1090, 181, 1930 जैसे हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग के बारे में बताया। स्कूल न जाने वाले बच्चों के अभिभावकों से बातचीत कर उन्हें शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया। महिलाओं व बालिकाओं को साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने, अज्ञात कॉल/संदेशों पर जानकारी साझा न करने, बैंक व डिजिटल धोखाधड़ी से सावधान रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की सलाह दी गई। मौके पर टीम के सदस्यों ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान केवल महिला सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाने का भी कार्य कर रहा है, ताकि वे हर परिस्थिति में अपने अधिकारों की रक्षा कर आत्मनिर्भर बन सकें।

अपर आयुक्त को ज्ञापन सौंपते अधिवक्ता। अमृत विचार

अधिवक्ताओं ने अपर आयुक्त को सौंपा मांगपत्र

गोंडा, अमृत विचार : आज इण्डियन एसोसिएशन आफ लायर्स गोण्डा की ओर से अपर आयुक्त को तीन सूत्री मांगपत्र सौंपा गया। ज्ञापन में मण्डल मुख्यालय सभी मंडलीय कार्यालय शुरू करने, चिटफण्ड सोसायटी कार्यालय की स्थापना देवीपाटन मंडल मुख्यालय पर करने की मांग की गई। आई एएल के दीनानाथ त्रिपाठी, बीरेंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में सौंपा गया। वार्ता के समय अपर आयुक्त कमलेश चन्द्र ने बताया कि चिटफण्ड कार्यालय की स्थापना के लिए कमरा आवंटित कर दिया गया है, परंतु सरकार व विभाग से कर्मचारी न मिलने के कारण स्थापित नहीं हो पा रहा है। शेष मांगों पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। ज्ञापन देने वालों में कौशल किशोर पाण्डेय, अरुण त्रिपाठी, मोहित तिवारी, अरुण गौतम, शत्रोहन मिश्रा, शोएब मुस्तफा, अयोध्या प्रसाद पाण्डेय, अरविंद कुमार पाण्डेय आदि शामिल रहे।

गुरु तेग बहादुर की शहादत पर कार्यक्रमों का सिलसिला जारी

करनैलगंज, अमृत विचार : गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहादत शताब्दी को समर्पित विशेष कार्यक्रम 18 नवंबर से गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा करनैलगंज में किया जा रहा है। यह आयोजन 25 नवंबर तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन प्रात:काल और संध्याकाल संगत के लिए कीर्तन दरबार एवं कथा विचार का कार्यक्रम रखा गया है। गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि यह समागम गुरु तेग बहादुर साहिब जी के बलिदान, त्याग और मानवता के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का एक प्रयास है। कार्यक्रम में ज्ञानी कमलजीत सिंह जी (अलवरिया), ज्ञानी पिस्सीवाल सिंह जी (पटियाला) और ज्ञानी सोहन सिंह अपने प्रवचनों और कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल करेंगे। 24 को विशेष कीर्तन समागम आयोजित होगा।

जागरूकता वैन को रवाना करतीं डॉ. इंदुराणा। अमृत विचार

शीघ्र गर्भधारण के प्रति जागरूकता वैन रवाना

कटरा बाजार, गोंडा : उम्मीद प्रोजेक्ट के तहत इतनी भी क्या जल्दी है अभियान का शुभारंभ शुक्रवार को सीएचसी अधीक्षक डॉ. इंदु राणा ने जागरूकता वैन को झंडी दिखाकर किया। अधीक्षक ने कहा कि अभियान का उद्देश्य कम उम्र में विवाह और गर्भधारण से जुड़ी स्वास्थ्य जोखिमों पर ग्रामीणों को जागरूक करना है। अभियान की शुरुआत वीरपुर और रंजीतपुर गांव से की गई, जहां स्वास्थ्य टीम ने महिलाओं, किशोरियों और अभिभावकों को जानकारी देकर जागरूक किया। डॉ.राणा ने कहा कि समय से पहले गर्भधारण मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है, इसलिए ग्रामीण स्तर पर जागरूकता जरूरी है। अभियान को व्यापक बनाने हेतु क्षेत्र के पचास गांवों में वैन चलाकर स्वास्थ्य संदेश पहुंचाए जाएंगे। इस अवसर पर मुख्तार खान, पंकज उपाध्याय, दिनेश मिश्र, बलजीत सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

श्री सत्य साईं बाबा के शताब्दी समारोह में होंगे कई आयोजन

खरगूपुर, गोंडा: भगवान श्री सत्य साईं बाबा की शताब्दी समारोह के अवसर पर रविवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा। आयोजन समिति ने समस्त तैयारी पूरी कर लिया है। स्थानीय श्री सत्य सांई इंटर कॉलेज में भगवान श्री सत्य सांई बाबा की शताब्दी समारोह भव्य रूप से मनाया जाएगा। आयोजक रामदेव तिवारी एवं सच्चिदानंद तिवारी ने बताया की शताब्दी समारोह के मौके पर तीन गरीब बेटियों की संगठन द्वारा शादी कराई जाएगी। वहीं विद्यालय से नगर के विभिन्न मार्गों पर रैली निकाली जाएगी। जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं के अलावा सांई भक्त शामिल होंगे। रैली समापन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा भजन-कीर्तन एवं हवन के उपरांत भव्य भंडारा का आयोजन होगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य अखिलेश तिवारी ने बताया कि उक्त एक दिवसीय कार्यक्रम को संपन्न करने के लिए सुनील मिश्रा, शिवनारायण शुक्ला, मोहम्मद कैफ, अमित तिवारी, शिल्पी प्रजापति, शिवकुमार मिश्रा, अश्वनी मिश्र आदि को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपा गया है।

तहसीलदार से मांगी रिपोर्ट लेखपाल का वेतन रोका

करनैलगंज, गोंडा: बिना अनुमति वेतन भुगतान किए जाने के प्रकरण में एसडीएम नेहा मिश्रा ने तहसीलदार से स्पष्टीकरण तलब किया है। लेखपाल मनोज चौहान को पूर्व में एसडीएम कार्यालय से संबंद्ध किया गया था, लेकिन बताया गया है कि उन्होंने प्रतिस्थानी लेखपाल शालिनी सोनी को खरथरी क्षेत्र का चार्ज तो सौंप दिया, जबकि स्वयं ने अब तक कार्यालय में कार्यभार ग्रहण नहीं किया। इसके बावजूद उन्हें वेतन दिया जाना अनियमितता बताया गया है। एसडीएम ने तहसीलदार से रिपोर्ट मांगी है कि मनोज कुमार चौहान को किस आधार पर वेतन भुगतान किया गया जबकि न तो उन्होंने कार्यालय में उपस्थिति दर्ज कराई, न ही किसी प्रकार का अवकाश लिया। इसे नियम विरुद्ध मानते हुए एसडीएम ने उनका वेतन रोकने का निर्देश दिया है। साथ ही शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही पर विभागीय एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए तत्काल विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है।

सराहनीय

शिक्षकों के समर्पण से खुल रही ज्ञान की राह, 300 बच्चों का भविष्य चमका रहा गौरा सिंहपुर विद्यालय

कम संसाधन, बड़ा संकल्प, ग्रामीण शिक्षा का चेहरा बना गौरा सिंहपुर स्कूल

उमानाथ तिवारी, गोंडा

शिक्षा की रोशनी फैलाता करनैलगंज का गौरा सिंहपुर विद्यालय। अमृत विचार

स्कूल में पढ़ाई करते बच्चे। अमृत विचार

अमृत विचार: सुदूर ग्रामीण परिवेश में स्थित करनैलगंज का गौरा सिंहपुर विद्यालय शिक्षा का वह उजाला बन गया है, जो दूरी और संसाधनों की कमी के बावजूद बच्चों के भविष्य को मजबूत दिशा दे रहा है। गांव से दूर बसे इस विद्यालय में करीब 300 बच्चे नियमित रूप से पढ़ने आते हैं, जो ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता और अभिभावकों के भरोसे का उदाहरण है। जिला मुख्यालय से करीब 50 किमी दूर घाघरा नदी के किनारे बने इस विद्यालय में वर्तमान सत्र में 300 बच्चों का पंजीकरण हैं। आरटीई मानकों के मुताबिक 30 छात्रों पर एक शिक्षक होना चाहिए, जबकि विद्यालय में प्रधानाध्यापक मनोज पाण्डेय समेत सहायक अध्यापक जितेन्द्र पाण्डेय, सरिता सिंह, रश्मि यादव, शिक्षामित्र किरन गुप्ता व भगवान दीन समेत छह लोगों की तैनाती है। बावजूद इसके यहां की शैक्षिक गुणवत्ता प्रभावित नहीं होती। शिक्षक मल्टी-ग्रेड टीचिंग, समूहगत गतिविधियों और सह-शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को बेहतर सीखने का माहौल दे रहे हैं। यही वजह है कि कई बच्चे हिंदी, गणित और अंग्रेजी जैसे विषयों में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। सीमित स्टाफ होने के बावजूद शिक्षक पूरे समर्पण और जिम्मेदारी के साथ बच्चों की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने देते। यही कारण है कि विद्यालय के नतीजे लगातार बेहतर रहे हैं और बच्चों की उपस्थिति भी संतोषजनक है।

विद्यालय के शिक्षक मल्टी-ग्रेड टीचिंग के जरिए सभी कक्षाओं को संभालते हैं। स्मार्ट वैल्यूज, साफ-सुथरा माहौल और समय पर गतिविधियों का आयोजन यहां की विशेषता है। विद्यालय में नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियां, चार्ट, शिक्षण-सामग्री, खेल-आधारित लर्निंग और सुबह की प्रार्थना के बाद दैनिक गतिविधियों का संचालन बच्चों की सीखने की क्षमता को बढ़ा रहा है। शिक्षक बच्चों को न केवल पाठ्यज्ञान दे रहे हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, संवाद कौशल और अनुशासन जैसी योग्यताओं का भी विकास कर रहे हैं।अभिभावक भी विद्यालय की इस प्रगति से अत्यंत संतुष्ट हैं। उनका मानना है कि गांव में मौजूद सीमाओं के बावजूद इस विद्यालय ने बच्चों के भविष्य को नई दिशा दी है। गौरा सिंहपुर विद्यालय यह साबित कर रहा है कि अगर विद्यालय में सकारात्मक वातावरण, समर्पित शिक्षक और सीखने की इच्छा हो, तो परिस्थितियाँ शिक्षण की गति को रोक नहीं सकतीं। यह स्कूल आज ग्रामीण शिक्षा उन्नयन की शानदार मिसाल बनकर उभर रहा है।

बीएसए को मिला वित्त लेखाधिकारी का चार्ज, शिक्षकों को मिलेगा वेतन

संवाददाता गोंडा, अमृत विचार: वित्त लेखाधिकारी के चार्ज को लेकर चल रहा गतिरोध शुक्रवार को समाप्त हो गया। डीएम प्रियंका निरंजन ने कार्यवाहक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ रामचंद्र को वित्त लेखाधिकारी का चार्ज लेने का आदेश दिया है। इससे शिक्षकों को वेतन भुगतान होने की उम्मीद है।

बेसिक शिक्षा विभाग में वित्त लेखाधिकारी न होने के कारण परिषदीय स्कूलों में कार्यरत करीब 10000 शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अक्टूबर से वेतन नहीं मिला है। शिक्षक वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। शिक्षक संघर्ष समिति के नेतृत्व में कई शिक्षक संगठनों ने बीएसए से लेकर डीएम तक को मांग पत्र सौंपा था। शिक्षक समस्याओं के समाधान के लिए डीएम ने पिछले सप्ताह संभागीय खाद्य नियंत्रक कार्यालय में तैनात लेखाधिकारी राजीव राय को बेसिक के वित्त लेखाधिकारी का चार्ज लेने का आदेश निर्गत किया था लेकिन राजीव राय ने चार्ज लेने से इंकार कर दिया था। समस्या का समाधान न होने पर शिक्षक संघर्ष समिति ने 23 नवंबर को लखनऊ में बेसिक शिक्षा मंत्री का आवास घेराव करने का कार्यक्रम तय किया था लेकिन इसके पहले ही शुक्रवार को डीएम ने कार्यवाहक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ रामचंद्र को वित्त लेखा अधिकारी का चार्ज लेने का आदेश दिया है।

न्यूज ब्रीफ

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी की मौत

खरगूपुर, गोंडा : संदिग्ध परिस्थिति में किशोरी की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। शुक्रवार शाम लगभग पांच बजे थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत देवरिया खाम के मजरा ईश्वरदीन पुरवा निवासी राम अनोखी विश्वकर्मा की बेटी सुनीता(15) अपनी भाभी के साथ घर पर थी। पिता राम अनोखी भंगहा चौराहे के पास अपने दुकान पर था। वहीं उसकी मां खेत में काम कर रही थी। मृतका की मां नीलम ने बताया कि उसे जानकारी मिली कि उसकी बेटी घर पर अचेत अवस्था में पड़ी है। घर पहुंच कर स्वजनों ने उसे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां अधीक्षक डॉक्टर अजय यादव ने सुनीता को मृत घोषित कर पुलिस को सूचना दी। मृतका सुनीता चार भाइयों में इकलौती व दूसरे नंबर पर थी।थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया है।

युवाओं को सड़क सुरक्षा के सिखाए गुर

नवाबगंज, गोंडा : थाना क्षेत्र के कोल्हमपुर बाजार में शुक्रवार को आयोजित साइबर सुरक्षा एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस टीम ने युवाओं और स्थानीय लोगों को डिजिटल सतर्कता तथा सुरक्षित ड्राइविंग के मूल मंत्र बताए। महिला-पुरुष पुलिसकर्मियों ने वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि थोड़ी-सी लापरवाही कैसे ठगी, धोखाधड़ी और सड़क हादसों का कारण बन जाती है। कार्यक्रम का संचालन एंटी रोमियो/मिशन शक्ति टीम ने किया। टीम ने बताया कि डिजिटल युग में साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, इसलिए युवाओं को फिशिंग लिंक, फर्जी ऐप्स, बैंकिंग फ्रॉड और ओटीपी शेयरिंग जैसी गलतियों से बचना बेहद जरूरी है। सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा न करने की भी सलाह दी गई।

बजाज हिंदुस्थान शुगर मिल में पेराई सत्र शुरू

सदर विधायक पलटू राम ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया उद्घाटन

संवाददाता उतरौला, बलरामपुर

बजाज हिंदुस्थान शुगर मिल में पेराई सत्र का शुभारंभ करते अतिथिगण। अमृत विचार

अमृत विचार: बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड इकाई-इटई मैदा में पेराई सत्र 2025-26 का शुभारंभ शुक्रवार को विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। सदर विधायक पलटू राम, गन्ना समिति अध्यक्ष उतरौला तोताराम वर्मा, गन्ना समिति अध्यक्ष बलरामपुर रणवीर सिंह और नगर पालिका अध्यक्ष अनूप गुप्ता पाण्डेय ने संयुक्त रूप से पूजन-अर्चन कर पेराई का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में बजाज एनर्जी के इकाई प्रमुख समीर सांवत, प्रतापपुर देवरिया इकाई प्रमुख सुखवंत सिंह, शाहिद चीनी मिल के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। शुभारंभ से पूर्व 19 नवंबर को चीनी मिल परिसर में अखंड श्रीराम चरित मानस पाठ शुरू हुआ था, जिसका समापन 20 नवंबर को हुआ। इसके उपरांत विधायक पलटू राम, इकाई प्रमुख श्याम सिंह और डा.आरपी शाही (महाप्रबंधक गन्ना) ने कांटों पर ट्रैक्टर-ट्रॉली चढ़वाकर किसानों को सम्मानित करते हुए औपचारिक तौल प्रारंभ कराई। समारोह में यूनिट हेड श्याम सिंह ने कहा कि बजाज चीनी मिल किसान हितों के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पिछले पेराई सत्र का समस्त बकाया जल्द भुगतान कराया जाएगा तथा पेराई के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। पूजन की अध्यक्षता आचार्य मयंकेश पति त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम में एससीआई गोंडा डॉ. अरविंद सिंह, इंजीनियरिंग हेड देवेंद्र सिंह यादव, प्रोडक्शन हेड राघवेंद्र श्रीवास्तव, एचआर हेड बृजेश मंडल, केपी सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और किसान मौजूद रहे।

विशेष पुनरीक्षण अभियान में वोटरों की सुविधा पर जोर

संवाददाता बलरामपुर

अमृत विचार: डीएम एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विपिन कुमार जैन ने बताया कि मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत जिले में काम किया जा रहा है। बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को प्री-प्रिंटेड एन्यूमेरेशन फॉर्म (गणना पत्रक) वितरित कर दिए गए हैं। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि फॉर्म भरकर समय से संबंधित बीएलओ को उपलब्ध करा दें, ताकि मतदाता सूची का अद्यतन कार्य सही समय पर पूरा किया जा सके। मतदाताओं की सुविधा के लिए जिले की सभी तहसीलों में हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। डीएम ने बताया कि इन हेल्प डेस्क पर तैनात दक्ष और अनुभवी कर्मी फॉर्म भरने, संशोधन, नए नाम जोड़ने और अन्य चुनाव-सम्बंधित प्रक्रियाओं की जानकारी देने में लगातार सहायता करेंगे। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि मतदाता विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1950 पर कॉल कर आसानी से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

11 से मांगा स्पष्टीकरण, 8 बीएलओ का रोका वेतन

बलरामपुर, अमृत विचार: तुलसीपुर विधानसभा क्षेत्र-291 में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए 11 अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा है, जबकि आठ बीएलओ का वेतन रोक दिया गया है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि एसआईआर कार्यों की जांच में लापरवाही मिलने पर सुपरवाइजर हेमंत द्विवेदी, संतोष पांडेय, कुलदीप यादव, सुरेश तिवारी, राकेश पांडेय, गरिमा श्रीवास्तव और अभिनव यादव सहित संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पल्लवी सचान (बीडीओ हरैया), सियाराम वर्मा (खंड शिक्षा अधिकारी हरैया-सतघरवा) और स्वामीनाथ (खंड शिक्षा अधिकारी तुलसीपुर) से भी स्पष्टीकरण तलब किया गया है। लापरवाही के कारण जिन आठ बीएलओ का वेतन रोका गया है, उनमें उर्मिला शुक्ला, अनीता, अनुपम मिश्रा, राधित राम वर्मा, शहाबुद्दीन, मनीष कुमार सिंह, सरिता देवी और प्रतिभा सिंह शामिल हैं।

प्रतियोगिता का उद्घाटन करते विधायक बावन सिंह व अन्य। अमृत विचार

खेल स्पर्धा में गणेश और शशि शेखर अव्वल

रुपईडीह, गोंडा : युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वावधान मे एक दिवसीय विधायक खेल स्पर्धा आर्यावर्त महाविद्यालय आर्यनगर मे आयोजित की गई। शुभारंभ कटरा बाजार के विधायक बावन सिंह ने किया। स्पर्धा में 200 मीटर की दौड़ मे जूनियर बालक वर्ग मे गणेश प्रथम, शशी शेखर द्वितीय व मंजीत तृतीय स्थान पर रहे। 100 मी की दौड़ मे शशी शेखर प्रथम, मंजीत द्वितीय व ऋषभ तृतीय स्थान पर रहे। 400 मी की दौड़ मे सूर्य प्रकाश प्रथम, सत्यम द्वितीय व शंशाक तृतीय स्थान पर रहे। सीनियर वर्ग की 100 मी दौड़ में अजय प्रथम, कृष्ण कुमार द्वितीय व शैलेन्द्र तृतीय स्थान पर रहे। बालिका जूनियर वर्ग की 100 मी दौड़ मे बाहल देवी प्रथम, दीपामाला द्वितीय व क्रांति तृतीय स्थान पर रही। सीनियर वर्ग मे ज्योति प्रथम, राधा तृतीय व रागिनी तृतीय स्थान पर रही। 800 मी की दौड़ मे भी ज्योति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कबड्डी में राजकुमारी इंटर कॉलेज को वाकओवर मिल गया। निर्णायक मंडल मे परिषदीय विद्यालय के शिक्षक पवन यादव, देवेश रंजन, सत्यव्रत, चन्द्रभान, अतुल, विवेक, रामप्रकाश, हरिप्रसाद, हीरालाल व जनकराम शामिल रहे। इस मौके पर पंकज तिवारी, सोमनाथ तिवारी व दिनेश तिवारी, श्रवण शुक्ल, देवानंद शुक्ल, जगदेव शुक्ल, रमाकांत शुक्ल, मालिक राम भवानी, वीरेंद्र शास्त्री, सत्यदेव शुक्ल, वैभव सोनी, सतीश शुक्ल आदि उपस्थित रहे।

आशु भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के साथ निर्णायक मंडल के सदस्य। अमृत विचार

आशु भाषण प्रतियोगिता में सुमायला कयूम रहीं प्रथम

बलरामपुर, अमृत विचार : एमएलके पीजी कॉलेज सभागार में शुक्रवार को पाठ्य सहगामी गतिविधियों के अंतर्गत आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने विविध समसामयिक विषयों पर अपने विचार प्रभावी रूप से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में बीए पंचम सेमेस्टर की सुमायला कयूम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी उत्कृष्ट वक्तृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. जेपी पांडेय के निर्देशन तथा प्रो. एस.पी. मिश्र के संयोजकत्व में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने समय प्रबंधन, रोजगार बनाम स्वरोजगार, कौशल का महत्व, सकारात्मक सोच की शक्ति, एआई की भविष्य में भूमिका जैसे विषयों पर सारगर्भित भाषण दिए। मुख्य नियंता प्रो. वीणा सिंह और सांस्कृतिक निदेशक प्रो. रेखा विश्वकर्मा ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। निर्णायक मंडल डॉ. स्वदेश भट्ट, डॉ. ए.के. दीक्षित व डॉ. संदीप कुमार ने मूल्यांकन के आधार पर परिणाम घोषित किए, जिसमें सुधांशु पाठक द्वितीय तथा अंश श्रीवास्तव तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीर प्रताप सिंह ने किया। मौके पर डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. सेंकी रुहेला व लेफ्टिनेंट डॉ. देवेंद्र कुमार चौहान उपस्थित रहे।

आरएसएस का घर-घर संपर्क अभियान शुरू

बलरामपुर, अमृत विचार: आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में गुरुवार को तुलसीपुर स्थित मां पाटेश्वरी मंदिर में दर्शन के बाद व्यापक गृह संपर्क अभियान की शुरुआत हुई। जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार ने बताया कि शताब्दी वर्ष के तृतीय चरण के तहत संघ ने बलरामपुर में लाखों परिवारों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया है। स्वयंसेवक टोलीवार गांवों, मोहल्लों और कस्बों में जाकर लोगों से प्रत्यक्ष संवाद कर रहे हैं। जिला कार्यवाह किरीट मणि ने कहा कि यह अभियान केवल साहित्य वितरण नहीं, बल्कि समाज के साथ आत्मीय संबंध मजबूत करने का प्रयास है। स्वयंसेवक घर-घर जाकर भारत माता का चित्र, संघ की विचारधारा, इतिहास और सेवा गतिविधियों से संबंधित साहित्य भेंट कर रहे हैं। संघ के अनुसार अभियान का उद्देश्य समाज में सद्भाव, सुरक्षा और संगठन की भावना को प्रबल करना है। अभियान एक माह तक चलेगा और 21 दिसंबर को संपन्न होगा।

खो-खो स्पर्धा में छात्राओं का उम्दा प्रदर्शन

संवाददाता उतरौला, बलरामपुर

अमृत विचार: एचआरए इंटर कॉलेज में शुक्रवार, 21 नवंबर 2025 को खो-खो प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा शिक्षक शेषराम साहू के निर्देशन में कक्षा 5-ए और 5-बी की छात्राओं के बीच दो रोमांचक मुकाबले हुए, जिनमें बच्चियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल और जोश का प्रदर्शन किया।

साहू ने बताया कि प्रतियोगिता एक माह तक चलेगी, जिसमें नर्सरी से कक्षा 11 तक के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे तथा उन्हें ब्लॉक, जिला, मंडल, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिलेगा। विद्यालय के प्रबंधक अंसार अहमद खान ने विजेता टीम और कप्तान सोनाक्षी भारती को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उनमें छिपी प्रतिभा को निखारते हैं। प्रधानाचार्य बी.पी. श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यालय पढ़ाई के साथ खेल-कूद को भी समान महत्व देता है। कार्यक्रम में पल्लवी कौशल, तरन्नुम फातिमा, नीलू गुप्ता, इकरा नाज़ और रेनू यादव सहित कई शिक्षक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहीं। इस मौके पर सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी।

खो-खो प्रतियोगिता की टीम के साथ स्कूल का स्टाफ। अमृत विचार

लापता महिला व उसके दो बच्चों का नहीं लगा सुराग

उतरौला, बलरामपुर: थाना क्षेत्र की एक महिला अपने दो बच्चों संग पिछले दो माह से लापता है। लगातार गुहार के बावजूद अब तक कोई सुराग न मिलने से परिजन बेहद चिंतित और परेशान हैं। ग्राम पिपरा एकडंगा निवासी 30 वर्षीय राजिया नौ अक्टूबर की सुबह अचानक घर से गायब हो गई थी। उसके साथ 11 वर्षीय पुत्री अंजुम और 8 वर्षीय पुत्र गोलू भी लापता हो गए। परिवार ने संभावित सभी स्थानों पर खोजबीन की, लेकिन कहीं कोई जानकारी नहीं मिली। घटना के तीन दिन बाद 12 अक्टूबर को उतरौला पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की, मगर डेढ़ माह से अधिक बीत जाने के बाद भी राजिया और दोनों बच्चों का कोई पता नहीं लग सका है। परिजन पुलिस प्रशासन से लगातार गुहार लगाते हुए शीघ्र बरामदगी की मांग कर रहे हैं। उतरौला प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह ने बताया कि पुलिस की कई टीमें सुराग जुटाने में लगी हैं और लापता महिला व बच्चों की तलाश लगातार जारी है।

साप्ताहिक परेड में अनुशासन पर जोर

संवाददाता बलरामपुर

साप्ताहिक परेड में फिटनेस के लिए दौड़ लगाते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

अमृत विचार: एसपी विशाल पांडेय ने रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों की शारीरिक दक्षता, मानसिक फिटनेस और अनुशासनिक एकरूपता पर फोकस रहा। एसपी ने टोलीवार ड्रिल कराते हुए जवानों को फिट रहने के लिए दौड़ भी लगवाई। पुलिसकर्मियों को नए आपराधिक कानूनों से जुड़ी सफल केस स्टडीज की जानकारी दी और उन्हें अपनी ड्यूटी में लागू करने का आह्वान किया। यूपी-112 वाहनों में दंगा नियंत्रण उपकरण, फर्स्ट एड बॉक्स समेत सभी आवश्यक उपकरणों की जांच की। कर्मियों को रिस्पांस टाइम और बेहतर सेवा के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान एसपी ने पुलिस लाइन परिसर, क्वार्टर गार्ड, जीडी कार्यालय, स्टोर रूम, कैंटीन, आवासीय परिसर और आदर्श आरक्षी बैरक का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई की समीक्षा की। उन्होंने परिसर में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। एसपी विशाल पांडेय ने आवासीय परिसर में रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण और आरटीसी सेंटर का भी जायजा लिया। आदेश कक्ष में गार्ड रजिस्टर चेक कर गार्ड कमांडर को सुरक्षा संबंधी आवश्यक निर्देश दिए। कर्मचारियों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान हेतु संबंधित को निर्देशित किया।

छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक। अमृत विचार

विद्यार्थियों को दी यातायात नियमों की जानकारी

गोंडा, अमृत विचार : यातायात माह के अंतर्गत जनपद में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को क्षेत्राधिकारी नगर आनंद कुमार राय, प्रभारी यातायात जगदंबा गुप्ता, टीएसआई राकेश कुमार, आरक्षी योगेश कुमार, आरक्षी संदीप यादव, होमगार्ड काशीराम, होमगार्ड दिनेश चंद पाण्डेय ने गीता इंटरनेशनल इंटर कॉलेज में 300 छात्र-छात्राओं को जागरुक किया। जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, सड़क पार करने की सावधानियाँ, ओवरस्पीडिंग के दुष्परिणाम, नशे में वाहन न चलाने, मोबाइल फोन का वाहन चलाते समय प्रयोग न करने सहित विभिन्न यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही छात्रों को यातायात नियमों से संबंधित पम्पलेट वितरित किए गए तथा उन्हें सुरक्षित एवं जिम्मेदार यातायात व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

डीएम ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार: शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के लिए राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, सटीक एवं व्यापक बनाना था, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम निर्वाचन सूची में सम्मिलित किया जा सके तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए।

जिलाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रमुख बिंदुओं की जानकारी देते हुए बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार बूथ स्तर पर नाम जोड़ने, हटाने तथा संशोधन से संबंधित कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती का आधार है, इसलिए सभी राजनीतिक दल इस प्रक्रिया में सहयोग करें और अपने स्तर से भी नागरिकों को से अवगत कराएं तथा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें।

कलेक्ट्रेट में बैठक करतीं डीएम प्रियंका निरंजन। अमृत विचार

बैठक में उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ निर्वाचक नामावली से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि यदि किसी क्षेत्र में नाम जोड़ने या सुधार से संबंधित समस्याएं आ रही हैं, तो उन्हें तत्काल जिला निर्वाचन कार्यालय को अवगत कराएं, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि बीएलओ द्वारा घर-घर सत्यापन कार्य के दौरान राजनीतिक दलों की ओर से सहयोग प्राप्त हो तो यह प्रक्रिया और अधिक प्रभावी एवं सुगम हो जाएगी। बैठक में जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से यह भी अवगत कराया गया कि विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान पात्र युवाओं, महिलाओं तथा दिव्यांग मतदाताओं को प्राथमिकता के आधार पर सूची में सम्मिलित किया जाएगा। उपस्थित पदाधिकारियों ने भी निर्वाचन कार्यों में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

सम्मेलन में योग करते लोग। अमृत विचार

वृहद यज्ञ व ऋषि सम्मेलन का आयोजन

नवाबगंज, गोंडा : आर्य समाज नवाबगंज के 99वें वार्षिकोत्सव का शुक्रवार को भव्य आयोजन हुआ। सुबह कस्बे के डीएवी इंटर कॉलेज परिसर में वृहद यज्ञ की पूर्णाहुति संपन्न हुई, जिसमें नगर के अनेक प्रमुख नागरिकों और श्रद्धालुओं ने आहुति देकर समाज कल्याण एवं राष्ट्र उत्थान की कामना की। इसके पश्चात मध्यान्ह में डीएवी इंटर कॉलेज में आयोजित ऋषि दयानन्द सम्मेलन में देश भर से आए विद्वानों और आचार्यों ने विचार व्यक्त किए। बदायूं से पधारे आचार्य सजीव रूप आर्य ने कहा कि मनुष्य जन्म परमात्मा का सर्वोत्तम उपहार है, जिसे सद्कार्य और सत्य मार्ग में लगाकर ही सार्थक किया जा सकता है। पीलीभीत की शशीकला आर्य ने अपने संबोधन में बताया कि ऋषिवर दयानन्द के सिद्धांतों में ही वास्तविक मानव निर्माण का मार्ग छिपा है, जिसे हर युवा को अपनाना चाहिए। वेद विशेषज्ञ डॉ. श्रुतिकीर्ति वेदरत्न ने कहा कि वेद मानव जीवन के समग्र विकास का आधार हैं। शिक्षक यदि वेदसम्मत शिक्षा का संस्कार दें, तो राष्ट्र निर्माण का मार्ग स्वत: प्रशस्त होता है।

लोकगीतों ने वातावरण को बनाया मधुर

बलरामपुर, अमृत विचार: एमपीपी इंटर कॉलेज में आयोजित सरस मेले का शुक्रवार को पारंपरिक उत्साह और सांस्कृतिक गरिमा के साथ समापन हुआ। मुख्य अतिथि डीडीओ कमलेश सोनी ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पाद ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक मजबूती का आधार बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये स्टॉल स्थानीय हस्तशिल्प और हुनर की सशक्त पहचान को सामने लाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीसी मनरेगा/एनआरएलएम सुशील अग्रहरि ने की। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं में अद्भुत रचनात्मकता है और वे तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। कॉलेज के प्रधानाचार्य राकेश प्रताप सिंह और प्रगति श्रीवास्तव ने मेले को छात्रों तथा स्थानीय समुदाय के लिए प्रेरणादायक मंच बताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा प्रस्तुत लोकगीतों ने वातावरण को मधुर बना दिया। कवि बृज बलरामपुरी की कविता और एमडीके बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नृत्य, नाटक और सरस्वती वंदना विशेष आकर्षण रहे। मेले के स्टॉलों पर आचार, मुरब्बा, पापड़, मिलेट उत्पाद, ऊनी वस्त्र और हस्तशिल्प की खूब बिक्री हुई। इम्ब्रॉयडरी और डलिया के अनोखे डिजाइन दर्शकों का केंद्र बने रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, छात्र-छात्राएं और शिक्षक उपस्थित रहे।

सरस मेले में लगे स्टॉल पर खरीदारी करतीं महिलाएं। अमृत विचार

10 वर्ष सेवा पूर्ण करने वाले शिक्षकों को चयन वेतनमान देने की मांग

जरवा/गैंसड़ी, बलरामपुर: उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई गैंसड़ी के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को चयन वेतनमान लागू किए जाने की मांग को लेकर खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। संघ के ब्लॉक अध्यक्ष बिपिन कुमार पांडे, मंत्री नीरज कुमार सिंह व संयुक्त मंत्री लाल बहादुर के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन में 10 वर्ष सेवा पूर्ण कर चुके शिक्षकों को चयन वेतनमान शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। अध्यक्ष बिपिन पांडे ने बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी विभागीय कार्यों में व्यस्त होने के चलते अनुपस्थित थे, जिसके कारण उनके नियुक्त प्रतिनिधि कम्प्यूटर ऑपरेटर अज़ीम अहमद को ज्ञापन सौंपा गया। इसके साथ ही फोन पर खंड शिक्षा अधिकारी से वार्ता कर मांगों से अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों के 72825 भर्ती के शिक्षक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के गणित व विज्ञान शिक्षक, जिनकी सेवा अवधि 10 वर्ष पूरी हो चुकी है, उन्हें चयन वेतनमान देने में अनावश्यक विलंब हो रहा है। ज्ञापन के दौरान दीपक सिंह, ओमेन्द्र प्रताप सिंह, विनय तिवारी, जितेंद्र कुमार, जगदीश प्रसाद, बृजेन्द्र सिंह, शिव कुमार वर्मा, प्रदीप कटियार, राज प्रताप सिंह, मोहम्मद आफताब, रवि गुप्ता, विनोद राय, रोहित कुमार, अखिलेश मणि आदि मौजूद रहे।

मतदाता सूची है लोकतंत्र की रीढ़

पचपेड़वा, बलरामपुर: मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत शुक्रवार को गणेशपुर मंडल के शक्ति केंद्र धवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा मतदाता सूची के शुद्धिकरण पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य अतिथि अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी राहुल रस्तोगी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है, इसलिए इसका समय पर सत्यापन और सुधार बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह अपने-अपने बूथ क्षेत्र में जाकर मतदाताओं का प्रत्यक्ष सत्यापन करें, नए मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित कराएं और किसी प्रकार की त्रुटि मिलने पर तत्काल सुधार कराएं। यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि व्यापक जनसंपर्क व जनभागीदारी को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती का वास्तविक आधार बूथ होता है। बूथ अध्यक्ष और शक्ति केंद्र संयोजक यदि अपने दायित्व ईमानदारी से निभाएं, तो पार्टी का विस्तार स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। उन्होंने 4 दिसंबर तक अधिकतम नए मतदाताओं को जोड़ने का लक्ष्य पूरा करने का आह्वान किया। बैठक में मनोज तिवारी, मुरारी प्रसाद यादव और बैद्यनाथ शुक्ला आदि रहे।

मतदाताओं को एसआईआर की जानकारी देते जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी।

न्यूज ब्रीफ

गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर 25 को अवकाश

बहराइच, अमृत विचार : एडीएम (वि./रा.) अमित कुमार ने बताया कि प्रमुख सचिव के निर्देश के क्रम में गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस 24 नवम्बर को कार्यकारी आदेशों के अन्तर्गत अवकाशों की सूची में रखा गया है। 24 नवम्बर को कार्यकारी आदेश के अन्तर्गत घोषित अवकाश के स्थान पर 25 नवम्बर को किये जाने का निर्णय लिया गया है।

किसान के खाते से निकाली निधि की रकम

श्रावस्ती, अमृत विचार : काशीपुरवा निवासी एक किसान ने फर्जीवाड़ा कर खाते से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की रकम निकालने का आरोप लगाया है। उसने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। हरदत्त नगर गिरन्ट क्षेत्र के काशीपुरवा निवासी विजय पाल थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसका सम्मान निधि का रुपये नहीं आ रहा था। बलिदान पुरवा निवासी सर्वजीत यादव ने बैंक खाते में समस्या बताकर फिनो बैंक में नया खाता खुलवाया और कहा कि जल्द ही योजना के रुपये आने लगेंगे। आरोप है कि खाते में किस्त की धनराशि आई। लेकिन जब उसने रुपये निकालने चाहे तो वह पहले ही निकाल लिए गए थे। आरोप है कि सर्वजीत ने उसके किसान सम्मान निधि के रुपये निकाल लिये हैं।

मनचला गिरफ्तार

श्रावस्ती, अमृत विचार : सार्वजनिक स्थल पर अश्लील गाना गाने व महिलाओं तथा लड़कियों पर फब्तियां कसने वाले एक शोहदे को शुक्रवार पुलिस ने कटरा बाईपास से गिरफ्तार किया। युवक की पहचान नवीन मार्डन थाना क्षेत्र के ग्राम कटरा निवासी दयाशंकर के रूप में हुई है। उसके विरुद्ध पुलिस ने केस दर्ज कर संबंधित न्यायालय भेजा है।

मुलायम सिंह की जयंती पर समारोह आज

बहराइच, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष रामहर्ष यादव ने बताया कि 22 नवंबर को पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की 86वीं जयंती समारोह मनाया जायेगा। जिलाध्यक्ष ने बताया कि यह समारोह पार्टी कार्यालय पर आयोजित किया जाएगा।

5 अवैध ई-रिक्शा व ऑटो किये गये सीज

रुपईडीहा, बहराइच, अमृत विचार : यातायात माह अंतर्गत पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत ने बताया कि अभियान के क्रम में शुक्रवार को व्यापक कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले तथा अवैध रूप से संचालित 5 ई-रिक्शा/ऑटो वाहनों को पुलिस टीम द्वारा सीज किया गया।

लंबित आवेदनों का शीघ्र करें निस्तारण : डीएम

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में उद्योग बन्धु समिति एवं सीएम युवा उद्यमी की बैठक हुई।

डीएम त्रिपाठी ने सम्बन्धित विभागों को निर्देश दिया कि लम्बित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराएं साथ ही निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से अधिक से अधिक आवेदन कराएं। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया कि एम.ओ.यू. के माध्यम से निवेश को बढ़ायें तथा सम्बन्धित विभागों के साथ समन्वय कर अवशेष को ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए तैयार करें और जो एमओयू रेडी हैं उनका क्रियान्वयन शीघ्र कराया जाय। उद्यमियों एवं व्यापारियों द्वारा डीएम श्री त्रिपाठी से बिस्वरियां में दूर संचार नेटवर्क क्षीण रहने के कारण नवीन टावर स्थापना की मांग कराये जाने का भी अनुरोध किया गया। संचालन उपायुक्त उद्योग केशव राम वर्मा ने किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार, पीडी डीआरडीए आशीष कुमार, डीएफओ बहराइच राम सिंह यादव, अमर नाथ अग्रवाल अन्य सम्बन्धित अधिकारी, उद्यमी अमित मित्तल, आशीष कंसल, आशीष केडिया, विजय केडिया, अशोक मातनहेलिया, कूलभूषण अरोड़ा, मनीष मल्होत्रा आदि थे।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी और मौजूद उद्यमी। ● अमृत विचार

डीएम ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

बहराइच, अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु मतपत्रों को सुरक्षित रखने हेतु बनाये गये स्ट्रांग रूम का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने कृषि उत्पादन मण्डी समिति सलारपुर का निरीक्षण किया। स्ट्रांग रूम के लिए चिह्नित कक्षों का निरीक्षण करते हुए डीएम ने सचिव मण्डी को रंग-रोगन व मरम्मत कराये जाने के निर्देश दिये।

श्रीराम मंदिर पर ध्वजारोहण को लेकर कल से रूट डायवर्जन

बहराइच, अमृत विचार : अयोध्या में श्रीराम मंदिर पर ध्वजारोहण समारोह को लेकर रूप डायवर्जन किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि विशिष्ट, अतिविशिष्ट तथा आमजनमानस की भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए दोनक्का तिराहा पर डायवर्जन व्यवस्था लागू करते हुए बहराइच-गोण्डा मार्ग का प्रयोग कर गोण्डा से अयोध्या की तरफ जाने वाले भारी वाहनों को बलरामपुर मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा । यह व्यवस्था 23 से 26 नवंबर तक लागू रहेगी।

पयागपुर चौराहा से गोण्डा, अयोध्या की तरफ जाने वाले भारी वाहनों को मोहनीपुर होते हुए बलरामपुर मार्ग पर डायवर्ट किया जायेगा। जरवल तिराहा से कर्नलगंज की तरफ जाने वाले भारी वाहनों को बहराइच शहर की तरफ भेजकर बलरामपुर मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा। हुजूरपुर, कर्नलगंज होकर अयोध्या की तरफ जाने वाले भारी वाहनों को पयागपुर चौराहा से मोहनीपुर मार्ग पर डायवर्ट कर दिया जाएगा। टिकोरा मोड़ से बाराबंकी व लखनऊ की तरफ जाने वाले भारी वाहनों को सीतापुर मार्ग पर डायवर्ट किया जायेगा तथा घाघराघाट से कर्नलगंज गोण्डा की तरफ जाने वाले भारी वाहनों को बहराइच शहर की तरफ भेजकर बलरामपुर मार्ग पर डायवर्ट किया जायेगा। पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह ने बताया कि 25 नवंबर का राम मंदिर आम श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेगा।

हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बहराइच, अमृत विचार : बीती 23 अक्टूबर को नीलगाय से टकराकर गंभीर रूप से घायल बाइक सवार युवक ने उपचार के दौरान बीते दिनों मौत हो गयी। उसका इलाज परिजन लखनऊ में करवा रहे थे।

मृत युवक निशान्त कुमार पाण्डेय उर्फ शिवा थाना दरगाह के मोहल्ला गुलाम अलीपुरा निकट रामघाट मन्दिर का रहने वाला था। युवक की पत्नी अमृता ने बताया कि उनके पति बाइक से साथी राजेन्द्र के साथ घर लौट रहे थे। उत्तम नगर चौराहे के पास नीलगाय से टकरा गए। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गये और राजेंद्र को भी चोटें आईं। डाक्टरों ने उनके पति को ट्रामा सेन्टर रेफर कर दिया था।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि समय प्रसाद मिश्र। ● अमृत विचार

समय माता मंदिर में श्रीराम विवाह कार्यक्रम आयोजित

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : समय माता मंदिर गोबारी अरकापुर में आयोजित श्री राम विवाह कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य एवं ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि समय प्रसाद मिश्रा ने किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शिव पूजन चौहान सहित बड़ी संख्यामें ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में श्री राम विवाह की महिमा पर प्रकाश डाला गया। श्री मिश्रा ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राम विवाह का आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समाज में आपसी भाईचारे और एकता को भी बढ़ावा देता है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शिव पूजन चौहान ने कहा कि कि ऐसे आयोजन धार्मिक परंपराओं को संरक्षित रखते हैं। उन्होंने इस आयोजन के लिए आयोजनकर्ताओं की सराहना की और आने वाले समय में इस तरह के धार्मिक आयोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया।

लापरवाही पर दो बीएलओ निलंबित

बहराइच, अमृत विचार : एसआईआर में लापरवाही पर दो बीएलओ को निलंबित कर दिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर बीएसए आशीष कुमार सिंह ने विधानसभा क्षेत्र मटेरा अन्तर्गत मतदेय स्थल 322- प्रावि मोहम्मद नगर (बढ़ईपुरवा) के कक्ष न.-1 के लिए तैनात बीएलओ प्रधानाध्यापिका प्रावि बढ़इनबाग शमा नफीस तथा विधानसभा क्षेत्र बलहा अन्तर्गत मतदेय स्थल संख्या 307 सं.वि. नौसर गुमटिहा पर तैनात बीएलओ सहायक अध्यापक अनुराग को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है।

निष्क्रिय आशाओं को हटाये जाने के डीएम ने दिये निर्देश

बहराइच, अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के दौरान टीकाकरण कार्य की समीक्षा के दौरान नवाबगंज ब्लॉक में आशा व आंगनवाड़ी की कम उपस्थिति पर डीएम ने नाराजगी जताई और 16 निष्क्रिय आशाओं को हटाने के निर्देश दिए।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एसके सिंह ने बताया कि टीकाकरण के लिए 716 उच्च जोखिम वाले स्थल चिह्नित किए गए हैं, जिनमें ईंट भट्टे और घुमंतू परिवार शामिल हैं। गोल्डन कार्य की समीक्षा के दौरान डीएचईआईओ बृजेश सिंह ने बताया कि गरीब परिवारों के लगभग 94 प्रतिशत गोल्डन कार्ड बनाये गये हैं। डीएम ने इस स्थिति पर पर संतोष जताते हुए शेष परिवारो के कार्ड भी शीघ्र बनवाये जाने के निर्देश दिये।

क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एमएल वर्मा ने बताया कि 8 लाख जोखिम वाली आबादी में टीबी जांच का लक्ष्य निर्धारित है, जिनमें से 5 लाख लोगों की स्क्रीनिंग पूरी हो चुकी है। सभी सीएचसी पर एक्स-रे सुविधा उपलब्ध है। डीएम ने शेष लक्ष्य तेजी से पूरा करने के लिए चिकित्सकों व सीएचओ को ओपीडी में जांच बढ़ाने और एक्स-रे कैंप लगाने के निर्देश दिए।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

बहराइच, अमृत विचार : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/अपर जनपद न्यायाधीश विराट शिरोमणि की अध्यक्षता में तारा महिला इण्टर कालेज में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन कार्यालय की रचना मिश्रा, देहात इण्डिया फाउण्डेशन के मो. इमरान, कालेज की शिक्षिकाएं तथा छात्राएं मौजूद रहीं। शिविर में सचिव शिरोमणि ने नालसा हेल्पलाइन नं. 15100 तथा विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त करने के सम्बन्ध में जानकारी दी। रचना मिश्रा ने मिशन शक्ति के अन्तर्गत संचालित योजनाओं के बारे में बताया।

48 जोड़ों ने थामा एक-दूसरे का हाथ

संवाददाता, श्रावस्ती

अमृत विचार : मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शुक्रवार को 48 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम की शुरुआत श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडेय, डीएम अश्विनी कुमार पांडेय व सीडीओ शाहिद अहमद सहित एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर व कलश की पूजा कर की।

इस दौरान विधायक व डीएम ने नव दंपत्ति को प्रमाण पत्र व उपहार भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार ने गरीबों की बेटियों के विववाह का बीड़ा उठाया है। इससे निश्चित ही गरीबों को अपने बेटी की शादी के लिए अब चिन्तित नही होना पड़ेगा। इसकी जिम्मेदारी समाज कल्याण विभाग को सौंपी गई है। इसके माध्यम से पात्रों का चयन कर लाभार्थियों को लाभ दिलाया जा रहा है। डीएम ने कहा कि ऐसे लोग जो बेटियों का विवाह करने में कठिनाई उठाते थे। इन्ही सब कठिनाइयों को देखते हुए सरकार गरीब बेटियों का विवाह अपने खर्चे पर कर रही है। योजना के तहत लाभार्थी जोड़ों को एक लाख की धनराशि प्रदान की जाती है। इसमें 60 हजार उनके खाते में हस्तानान्तरित किये जाते हैं। वहीं 25 हजार रुपये के उपहार एवं 15 हजार रुपये खाना, टेंट आदि में खर्च होता है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत विकास खण्ड इकौना के 16 जोड़े, गिलौला के 11 जोड़े, हरिहरपुररानी के 06 जोड़े, जमुनहा के 05, सिरसिया के 10 जोड़ों का विवाह कराया गया। इनमें अल्पसंख्यक वर्ग के 16, अन्य पिछड़ा वर्ग के 16, अनुसूचित जाति के 10, अनुसूचित जनजाति के दो तथा सामान्य वर्ग के चार जोड़े शामिल रहे।

नवदंपति को उपहार देते डीएम व विधायक। ● अमृत विचार

पंचायत चुनाव की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6 फरवरी को

श्रावस्ती, अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह फरवरी को होगा। यह जानकारी डीएम अश्विनी कुमार पांडेय ने दी है। डीएम ने बताया कि एक जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वालों के नाम मतदाता सूची में शामिल होना है। इसके लिए पुनरीक्षण का कार्य जारी है। ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार करने की कार्यवाही 10 दिसंबर तक की जाएगी। इनके कम्प्यूटरीकरण के बाद मतदान केन्द्र व स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैंपिग, मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराने आदि 11 से 22 दिसम्बर तक होगी। अन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन 23 दिसम्बर, आलेख्य के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण 24 से 30 दिसम्बर तक, दावे एवं आपत्तियां 24 से 30 दिसंबर, दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 31 दिसंबर से 06 जनवरी तक, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा करने की अवधि 07 से 12 जनवरी तक है।

छात्राओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

जरवल रोड, बहराइच, अमृत विचार : मिशन शक्ति फेज-5 के तहत आरपीएस इंटर कॉलेज, में छात्राओं को महिला सुरक्षा एवं सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह तथा महिला चौकी प्रभारी ज्योत्सना के नेतृत्व में छात्राओं को विभिन्न टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों, महिला सुरक्षा उपायों और समस्या समाधान से संबंधित जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने छात्राओं के बीच जागरूकता पैंफलेट वितरित किए और आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का तुरंत उपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें सुरक्षा संसाधनों से परिचित कराना और महिला सुरक्षा को मजबूत बनाना रहा। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को निडर होकर आगे बढ़ने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल सूचना देने की सलाह दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रवीण श्रीवास्तव सरिता पोरवाल भाजपा नेता संजय राव कांस्टेबल रामसागर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एसपी ने ली परेड की सलामी

श्रावस्ती, अमृत विचार : रिजर्व पुलिस लाइन में शुक्रवार को आयोजित साप्ताहिक परेड की एसपी राहुल भाटी ने सलामी ली। इस दौरान उन्होंने पीआरवी वाहनों व पुलिस लाइन का निरीक्षण भी किया। साथ ही कमियों को दुरुस्त करने का निर्देश भी दिया।

पुलिस लाइन पहुंचे एसपी ने साप्ताहिक परेड की सलामी ली। यहां रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण को भी देखा। बाद में पुलिस लाइन परिसर, विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। रिक्रूट आरक्षियों व पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत रहने के लिए सामूहिक दौड़ भी लगवायी।

बैंकर्स अभियान का करें व्यापक प्रचार : सीडीओ

बहराइच, अमृत विचार : वित्त मंत्रालय द्वारा संचालित आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान अन्तर्गत जिला उद्योग केन्द्र परिसर में अग्रणी जिला बैंक, इंडियन बैंक द्वारा आयोजित जागरूकता शिविर का शुभारंभ सीडीओ मुकेश चन्द्र ने किया। सीडीओ ने भूली हुई पूंजी को वापस पाने के लिए इस अभियान को सार्थक बताया। उन्होंने बैंकर्स का आह्वान किया कि इस अभियान का प्रचार-प्रसार करें।

इंडियन बैंक के अंचल प्रमुख केसी साहू ने आहवान किया कि अपने सम्बन्धियों एवं ईष्टमित्रों को भूले बिसरे खातों में जमा राशि निकलवाने हेतु जागरूक करें। भारतीय रिज़र्व बैंक की एलडीओ पल्लवी सोम ने उद्गम पोर्टल के उपयोग पर प्रकाश डाला।

अग्रणी जिला प्रबंधक जितेन्द्र कुमार मसंद ने अनक्लेम्ड राशि रिन्यूअल के सम्बन्ध में अपनायी जाने वाली प्रक्रिया की जानकारी दी। मसन्द ने बताया कि भूली हुई पूंजी को प्राप्त करने के लिए खाता धारक अपनी बैंक शाखा से अथवा विशेष शिविरों में पहुंचकर ज़रूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। लीड बैंक प्रबन्धक ने डेफ खाता के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि डेफ खाते का मतलब डिपॉजिट एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड से है।

सिटी डायरी

अटल इको पार्क का भ्रमण करते छात्र।

अटल इको पार्क का केंद्रीय विद्यालय के छात्रों ने किया भ्रमण

श्रावस्ती, अमृत विचार : पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भिनगा के प्राथमिक वर्ग के छात्रों ने शुक्रवार को शैक्षणिक भ्रमण के तहत आफीसर कालोनी स्थित अटल इको पार्क का भ्रमण किया। केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस भ्रमण की व्यवस्था की गई थी। विद्यालय के प्राचार्य डॉ आरके श्रीवास्तव ने बताया कि इस शैक्षिक वर्ष में बाल दिवस पर रेडक्रॉस के माध्यम से बच्चों की कैरियर काउंसलिंग कराई गई थी। इसके बाद अब बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण कराया जा रहा है। आगामी दिनों विद्यालय के छात्र औद्योगिक भ्रमण पर जाएंगे। रेडक्रॉस सचिव अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भिनगा के उन अग्रणी संस्थानों में से है, जहां शहर के प्रतिभाशाली छात्र पढ़ रहे हैं।

पुलिस कार्यालय स्थित अपने कक्ष में फरियाद सुनते एसपी।

जनता दर्शन में आई शिकायतों को पारदर्शी ढंग से कराएं निस्तारित

श्रावस्ती, अमृत विचार : जनता दर्शन कार्यक्रम में शुक्रवार डीएम अश्विनी कुमार पांडेय ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में फरियादियों की समस्या सुना। यहां डीएम को 09 शिकायतें मिली इन शिकायतों को एक सप्ताह में निराकरण कर रिपोर्ट प्रेषित करने के लिए डीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही पीड़ितों की समस्या का समय सीमा के अन्दर निस्तारण करें। वहीं पुलिस कार्यालय में एसपी राहुल भाटी ने जनता दर्शन में आम लोगों की शिकायत सुना। मामलों से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। एसपी ने सभी प्रकरण को निष्पक्ष निस्तारण के लिए थाना व चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए।

विक्ट्री का निशान दिखाते विजेता खिलाड़ी।

बॉल क्रीड़ा स्पर्धा में जरवल अव्वल

बहराइच, अमृत विचार : दो दिवसीय जनपद स्तरीय बॉल क्रीड़ा प्रतियोगिता में जरवल के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। जरवल के परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया और कई पदक जीते। 400 मीटर (जूनियर बालक) में श्याम कुमार, प्रा.वि. लालपुर जगदीशपुर प्रथम, 100 मीटर (प्राथमिक बालिका) में दिव्यांशी सिंह प्रथम, 400 मीटर (जूनियर बालिका) में सिधी सिंह द्वितीय, 50 मीटर (प्राथमिक बालिका) में दिव्यांशी सिंह द्वितीय, 200 मीटर (जू. बालक) में रहमान तृतीय, लम्बी कूद (जू. बालक) में श्याम तृतीय और लम्बी कूद (जूनियर बालिका) में जोया तृतीय स्थान पर रहीं।

न्यायालय परिसर में निकाली गई जागरूकता रैली। अमृत विचार

जागरूकता रैली निकाली गई

श्रावस्ती, अमृत विचार : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके प्रचार-प्रसार के लिए शुक्रवार को दीवानी न्यायालय परिसर से जागरूकता रैली निकाली गई। इसमें अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व जिला जज राकेश धर दुबे, एडीजे अवनीश गौतम, एडीजे निर्दोष कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रहा उत्साह

उच्च प्राथमिक विद्यालय मीरामऊ में आयोजित हुई प्रतियोगिता

ब्लाक स्तरीय खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दम

संवाददाता, श्रावस्ती

अमृत विचार : गिलौला क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय मीरामऊ में शुक्रवार को ब्लाक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित हुई। मुख्य अतिथि श्रावस्ती विधायक राम फेरन पांडेय के प्रतिनिधि अवधेश कुमार पांडेय मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व चित्र के समक्ष दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

बीईओ फूल चंद मौर्य के नेतृत्व में आयोजित प्रतियोगिता में योग का मुकाबला उच्च प्राथमिक विद्यालय एकघरवा व परेवपुर के मध्य हुआ। इसमें एकघरवा प्रथम व परेवपुर द्वितीय स्थान पर रहा। कबड्डी में उच्च प्राथमिक विद्यालय मीरामऊ की टीम विजेता रही। प्रतियोगिता में शिक्षामित्र संघ के जिलाध्याय निर्मल शुक्ल, अनुदेशक संघ के अजय शंकर, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के रण विजय मिश्र, कृष्ण कुमार, प्राथमिक शिक्षक संघ के सत्य प्रकाश वर्मा, हरीश कुमार, प्रियंका मिश्रा, ऋचा सिंह, परवीन बानो, रामनिवास, आनंद तिवारी, मदन मोहन मिश्र, राज कुमार उपाध्याय, राकेश, आनंद आदि थे।

कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

स्पोर्ट्स स्टेडियम भिनगा में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं खिलाड़ी।

दो दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ समापन

श्रावस्ती, अमृत विचार : मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम के स्पोर्ट्स स्टेडियम भिनगा में दो दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेताओं को श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडेय ने सम्मानित किया। इस दौरान सुनील कुमार तिवारी, जिला क्रीड़ा अधिकारी शिव कुमार यादव, लव कुमार वर्मा, श्रवण कुमार शर्मा आदि थे।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

बरेली में अब अंतर्राष्ट्रीय मानक वाला ट्रैक

बरेली के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तैयारी के लिए स्पोर्टस स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण पूरा हो चुका है। ट्रैक का निर्माण अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिस पर 9.34 करोड़ रुपये की लागत आई है। 400 मीटर लंबे इस ट्रैक का निर्माण मार्च 2024 में शुरू हुआ था। ट्रैक एक विशेष प्रकार का कृत्रिम रूप से निर्मित रनिंग ट्रैक होता है, जिसे एथलीट्स के प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जाता है। यह ट्रैक आमतौर पर रबर ग्रेन्यूल्स और पॉलीयुरेथेन की कई परतों से बना होता है, जो इसे लचीला, टिकाऊ और झटकों को अवशोषित करने योग्य बनाता है। यह सतह एथलीट्स को बेहतर ग्रिप, स्थिरता और गति प्रदान करती है, जिससे परफॉर्मेंस में सुधार होता है और चोट का खतरा कम होता है। किसी भी मौसम में उपयोग किया जा सकता है। मिट्टी या घास के ट्रैक की तुलना में अधिक टिकाऊ व सुविधाजनक होता है।

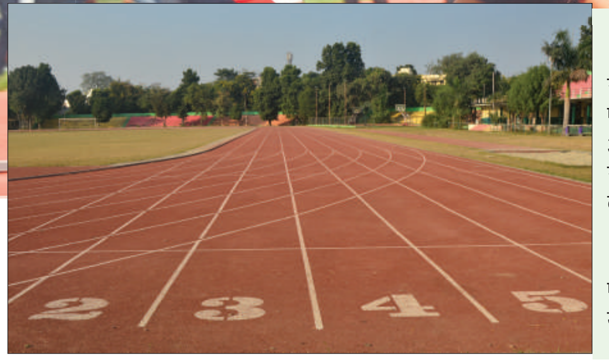

खिलाड़ियों को मिलेंगे ये लाभ

स्पोर्टस स्टेडियम में करीब 400 खिलाड़ी रोजाना प्रैक्टिस करते हैं। इसमें एथलेटिक्स, लॉग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो, ट्रिपल जंप, शॉर्टपुट, जैबलिन और हर्डल रेस आदि की प्रैक्टिस करने वाले खिलाड़ियों को सिंथेटिक ट्रैक बनने से काफी फायदा मिलेगा। वह अपनी प्रैक्टिस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के हिसाब से करेंगे। साथ ही इनके खेल स्तर में भी सुधार होगा।

सिंथेटिक ट्रैक पर होने वाले गेम्स

एथलेटिक्स, लॉग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो, ट्रिपल जंप, शॉर्टपुट, जैबलिन, हर्डल रेस।

"आठ लेन वाला यह सिंथेटिक ट्रैक जनपद ही नहीं अपितु मंडल में सबसे शानदार होगा। अप्रैल 2025 में ही प्लेयर्स इस पर दौड़ना शुरू कर देंगे। राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी करेंगे। खिलाड़ियों के लिए यह ट्रैक सौगात होगी।
– **जितेंद्र यादव**, आरएसओ स्पोर्टस स्टेडियम बरेली

डोरी लाल अग्रवाल स्पोर्ट्स स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय खेलों में कर चुका है मेजबानी

डोरी लाल अग्रवाल स्पोर्ट्स स्टेडियम या क्षेत्रीय खेल स्टेडियम उत्तर प्रदेश के बरेली में स्थित एक बहुउद्देश्यीय स्टेडियम है। इस मैदान का उपयोग मुख्यत फुटबॉल, क्रिकेट, नेटबॉल, हैंडबॉल, बास्केटबॉल और अन्य खेलों के मैचों के आयोजन के लिए किया जाता है। इस स्टेडियम की स्थापना 1960 में हुई थी और इसने भारतीय महिला क्रिकेट टीम और श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के बीच अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भी की है। 2015 में उत्तर प्रदेश सरकार ने पुरुष और महिला खिलाड़ियों दोनों के लिए 400 बिस्तरों वाले एक छात्रावास के निर्माण के साथ-साथ सीढ़ियों के निर्माण के माध्यम से स्टेडियम के कोर को अपग्रेड करने का निर्णय लिया था। अगस्त 2015 में स्टेडियम ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक स्थानीय टी 20 टूर्नामेंट में भारतीय ग्रामीण क्रिकेट लीग की मेजबानी की। स्टेडियम स्थानीय क्रिकेट टूर्नामेंट की भी मेजबानी की कर चुका है।

हॉकी के जादूगर की याद दिलाता है मेजर ध्यानचंद स्टेडियम

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम भी बरेली की शान है, जो हॉकी के जादूगर की याद दिलाता है। कैंट में स्थित यह स्टेडियम भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) का प्रशिक्षण केंद्र है। यह स्टेडियम विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसमें हॉकी और एथलेटिक्स शामिल हैं। हाल के वर्षों में, इसमें सुधार किए गए हैं, जैसे कि सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण शामिल है।

स्टेडियम के सेंट्रल इंचार्ज व एथलेटिक्स कोच संदीप मोहन चौधरी ने बताया कि जनवरी 2007 में 30 साल की लीस पर स्टेडियम लिया गया है। यह कैंटोमेंट बोर्ड से लिया था। इसमें हॉटी, एथलेटिक्स व सेपक टाकरा खेल शामिल है। खिलाड़ियों के लिए छात्रावास की सुविधा भी है। हर साल यहां खिलाड़ियों का चयन होता है। 10-18 साल के खिलाड़ियों के बीच- ट्रायल लिया जाता है। ट्रायल जनवरी व फरवरी में होते है। एसिस्टेंट अभिषेक कुश्वाह ने बताया कि यह स्टेडियम रीजनल सेंटर लखनऊ अंडर में आता है। सेपक टाकरा में खिलाड़ी बॉबी कुमार इंटरनेशन खिलाड़ी है। उनकी बिहार के पटना में पुलिस में दो माह पहले ही नौकरी लगी है। वहीं बिहार के जयवीर सिंह भी इंटरनेशन खिलाड़ी है। सेपक टॉकरा की कोच मीना ने बताया कि आवासीय योजना स्कीम के अंतर सेपक टाकरा के 18 खिलाड़ी, हॉकी के 20 और एथलेटिक्स के 17 खिलाड़ी है।

डरबन वर्ल्ड चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण और दो विश्व रिकॉर्ड

किसी भी ख्वाब को पूरा करने के लिए उम्र मायने नहीं रखती, बल्कि जज्बा और जुनून सबसे बड़ा हथियार होता है। इस कहावत को सच कर दिखाया है बरेली शहर के 75 वर्षीय भगवान बंसल ने, जो उम्र के उस पड़ाव पर खड़े हैं जहां अधिकतर लोग आराम और दवाइयों पर निर्भर हो जाते हैं, लेकिन भगवान बंसल इसके बिल्कुल उलट हैं। वह रोजाना वेट लिफ्टिंग और पावरलिफ्टिंग का अभ्यास करते हैं। अब तक दुनिया के मंच पर भारत का नाम बार-बार रोशन कर चुके हैं। भगवान बंसल ने साउथ अफ्रीका के डरबन में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्होंने पांच स्वर्ण पदक जीतकर और दो विश्व रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया। 5 से 9 नवंबर तक साउथ अफ्रीका के डरबन में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भगवान बंसल ने एक बार फिर अद्वितीय प्रदर्शन किया।

कामयाबी की मिसाल हैं रिदम अब फोकस ओलंपिक पर

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है। पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है. ये कहावत तो आपने खूब सुनी होगी, लेकिन बरेली की पैरा एथलीट रिदम शर्मा ने इसे सच कर दिखाया। 18 साल की रिदम बचपन से न बोल सकती है और न सुन सकती है, फिर भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीत चुकी है। रिदम की कहानी सिर्फ पदकों की नहीं, बल्कि जज्बे, संघर्ष और प्रेरणा की कहानी है। उन्होंने साबित किया है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी असमर्थता सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकती। रिदम ने उन लोगों के लिए मिसाल कायम की है जो दिव्यांग हैं। अब रिदम का एक ही सपना है ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर अंतराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाना। 2023 में इंदौर में हुई 35वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 200 मीटर, 100 और 400 मीटर दौड़ में पदक जीते। 2024 में अंतर्राष्ट्रीय गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर नाम रोशन किया। कुआला लंपुर मलेशिया में एशियाई डीफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर मिक्स रिले और 4&400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक, जबकि 400 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक अपने नाम कर इतिहास रच डाला। रिदम ने दो बार राज्य स्तर पर गोल्ड, दो बार राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड और एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीता।

- रिदम बरेली के बड़ा बाजार इलाके की रहने वाली हैं। उनके पिता अनुकाम शर्मा प्राइवेट नौकरी करते हैं और मां पूनम शर्मा हाउस वाइफ हैं। दोनों ने मिलकर अपनी बेटी के सपने को उड़ान दी। रिदम लिप रीडिंग तकनीक से संवाद करती हैं और 12 साल की उम्र में उन्होंने तय कर लिया था कि वह एथलीट बनेंगी। रिदम के परिवार में एक बड़ी बहन अपूर्वा और छोटा भाई विनायक है।
- जब रिदम पांच साल की थी तो पेरेंट्स यही सोचते थे कि थोड़ा समय और लगेगा फिर बेटी बोलने और सुनने लगेगी। मगर छह साल बीतने के बाद भी कोई रिस्पांस नहीं मिलता तो डाक्टर को दिखाया गया और पता चला कि वह सुन-बोल नहीं सकती। इलाज के लिए बरेली से लेकर दिल्ली तक गए, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते इलाज नहीं करा पाए।
- मां पूनम शर्मा ने बताया कि रिदम को बचपन से ही टीवी पर खेल देखने का शौक था। चार से पाच साल की उम्र में रिदम ज्यादा कुछ समझ नहीं पाती थीं, लेकिन टीवी चैनल परिवार में कोई चेंज कर देता तो खुद अपने पसंद का स्पोर्ट चैनल लगा लेती थीं, इसके बाद पेरेंट्स को रिदम की रुचि के बारे में पता चला और सपोर्ट करने लगे।
- 11वीं की छात्रा रिदम कड़ी मेहनत कर रही हैं। सुबह चार बजे रेलवे ग्राउंड में तैयारी के लिए जाती हैं। मदद कोच अजय कश्यप करते हैं। कालेज की तरफ से भी उन्हें एक घंटे की छूट दी गई है। खुद को फिट रखने के लिए रोजाना करीब 24 किलोमीटर साइकिल द्वारा अपने घर से रेलवे ग्राउंट तक आना-जाना करती हैं।

सेपक टाकरा लाए थे डॉ. सीरिया

यह खेल बरेली जिले में 1985 में आया। जिसका पूरा श्रेय स्वर्गीय डॉ. एसएम सीरिया को जाता है। यही प्रदेश में इस खेल के जनक हैं। उस समय मेरी उम्र 17 वर्ष थी। आज 57 साल के अंतराल में मैंने इस खेल में बहुत उतार चढ़ाव देखे। प्रदेश में सेपक टकरा लगभग 35 से 40 जिलों में खेला जाने लगा है। खेल के माध्यम से कई सरकारी नौकरियां मिलना, प्रदेश स्तरीय मान्यता और सभी सरकारी स्कूलों में इस खेल को खेला जाना ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। कई खिलाड़ी पोस्ट ऑफिस, इनकम टैक्स, पैरामिलिट्री फोर्स में इसी खेल के माध्यम से नौकरी कर रहे हैं।

खेल की स्थापना एसोसिएशन का गठन

उत्तर प्रदेश में सेपक टकरा खेल को संगठित रूप देने और इसे बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सेपक टकरा संघ की स्थापना 1986 में हुई थी।

संस्थापक : इस संघ की बुनियाद डॉ. एस. एम. सीरिया (Dr. S.M. Siriah) के मार्गदर्शन में रखी गई थी। उद्देश्य : इस संघ का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में इस खेल को जमीनी स्तर पर विकसित करना, विभिन्न जिलों में प्रचार-प्रसार करना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। उत्तर प्रदेश से कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं और कुछ ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, जैसे साउथ एशियन गेम्स और एशियन गेम्स में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

हाल ही में हुई चैंपियनशिप

हाल ही में पुरुष व महिला इक्कीसवीं सीनियर सेपक टकरा चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। इससे पहले प्रथम प्रदेश स्तरीय चैंपियनशिप 1989 में बरेली कालेज के मैदान में खेली गई। इसमें भाग लेने वाले जिलों में लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, अमरोहा, पीलीभीत, बागपत, सीतापुर, बदायूं के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करके अपने जिले का नाम रोशन कर रहे हैं।

सेपक टकरा खेल की बुनियाद

सेपक टकरा एक प्राचीन और रोमांचक खेल है जिसे किक वॉलीबॉल भी कहा जाता है। यह खेल फुटबॉल और वॉलीबॉल का मिश्रण है, जिसमें खिलाड़ी बिना हाथ का उपयोग किए अपने पैर, सिर और शरीर का इस्तेमाल कर नेट के ऊपर से गेंद को विरोधी के पाले में गिराने की कोशिश करते हैं।

2000 में भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना

उत्तर प्रदेश में ही दो 2000 भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना साई सेन्टर बरेली में किया गया। इससे पहले सांई सेंटर बरेली बरेली कॉलेज में इस खेल का प्रशिक्षण चला रहा था। मगर यह खेल जो इस समय पूरे उत्तर प्रदेश में लोकप्रियता और ऊँचाइयों को छू रहा है इसका पूरा श्रेय बरेली बरेली कॉलेज के पूर्व क्रीड़ा अधिकारी स्वर्गीय डॉ. एसएम सीरिया को जाता है जो हमारे उत्तर प्रदेश सेपकटाकरा के जनक और भीष पितामाह है।

बरेली में नेशनल से इंटरनेशनल स्तर के तैयार हो रहे खिलाड़ी

सिविल लाइंस स्थित पुरानी जेल के पास स्मार्ट सिटी के तहत 11.23 करोड़ की लागत से रायफल क्लब खिलाड़ियों के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर बनाया गया है। यहां यूपी ही नहीं बल्कि कई राज्यों से खिलाड़ी शूटिंग सीखने आते है। कोच का कहना है कि न्यूज रायफल क्लब शुरु हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है, लेकिन खिलाड़ी जिस तरह प्रतिभाग कर रहे है देखकर लगता है कि बरेली को नए कई नेशनल और इंटरनेशल खिलाड़ी मिलने वाले है। रायफल क्लब में खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधा देने के लिए नई बिल्डिंग का निर्माण शुरू किया गया। प्रस्ताव बनाकर भेजा गया, जो 2019 में पास हुआ। इसमें कमिश्नर, डीएम और नगर आयुक्त की महत्वपूर्ण भूमिका रही। न्यू राइफल क्लब को स्मार्ट सिटी ने बनाकर पैसिफिक इंटरप्राइजेज फर्म के सुपुर्द किया। क्लब में इलेक्ट्रॉनिक टारगेट सिस्टम, साउंडप्रूफ रेंज की सुविधा दी गई है। क्लब का उद्देश्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। क्लब के अधिकारियों ने बताया कि यह क्लब शहर के युवाओं में खेलों के प्रति रुचि जगाने के साथ-साथ उन्हें आत्मरक्षा, अनुशासन और फिटनेस की दिशा में प्रेरित करेगा। पैसिफिक इंटरप्राइजेज फर्म के मालिक आनंद विक्रम और नवल ने बताया कि क्लब में मेरठ, बनारस, राजस्थान समेत कई राज्यों और जनपदों से खिलाड़ी आते है।

इन खिलाड़ियों ने किया गोल्ड -सिल्वर पर कब्जा

यूपी स्टेट शार्ट गन प्रतियोगिता (12 बोर) जयपुर में 30 अगस्त से 7 सितंबर को हुई। इसमें मंतिशा फातमा ने गोल्ड, विराट नाथ चौबे ने दो सिल्वर, फुरखान अली ने सिल्वर, दानिश अहमद ने गोल्ड, सारा ने गोल्ड, मो हसन खां ने ब्रांच मेडल पर कब्जा किया था। वहीं नार्थ जोन की प्रतियोगिता दिल्ली में 25 अक्टूबर से लेकर 31 अक्टूबर को हुई। इसमें मंतिशा फातमा ने गोल्ड और दानिश ने सिल्वर पर क्बा किया।

आडियो-वीडियो से लेकर लॉकर तक की सुविधा

न्यू रायफल क्लब में खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाओं का इंतजाम किया है। यहां मेडिकल रूप, आडियो-वीडियो, सीसीटीवी, बेसिक किट रखने के लिए लॉकर, जिम की सुविधा, दिव्यांगों के लिए लिफ्ट, कैफेटेरिया आदि सुविधाएं है। जिस कारण खिलाड़ियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

चाइना वार को देखते हुए खोले गए थे राइफल क्लब

राइफल क्लब के वरिष्ठ अधिकारी बताते है कि जब चाइना से युद्ध की संभावनाएं बन रही थी तब सेना को और मजबूत करने के लिए हर जिले में राइफल क्लब खोले गए थे। ताकि वक्त आने पर खिलाड़ी भारतीय सेना के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल सके। बरेली में राइफल क्लब की स्थापना 9 फरवरी 1962 में हुई थी।

50, 25 और 10 मीटर रेंज

खिलाड़ी सुविधाओं में अच्छा प्रदर्शन कर पाए इसके लिए स्मार्ट सिटी क्लब में खास इंतजाम किए है। फर्म के मालिक ने बताया कि यहां 10, 25 और 50 मीटर एयर पिस्टल की सुविधा है। यूपी में यह अकेली ऐसी रेंज है यहां सभी सुविधाएं है। खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा के नए कार्यालय का लोकार्पण करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

ब्रजेश पाठक ने किया नए कार्यालय का लोकार्पण

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा के नए कार्यालय की स्थापना से प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा से जुड़े कार्यों में गति आएगी। चिकित्सा शिक्षा के विस्तार, मेडिकल कॉलेजों में सीटों में बढ़ोत्तरी, अधोसंरचना विकास तथा संस्थानों के प्रभावी संचालन के लिए यह कार्यालय प्रभावी सिद्ध होगा। उप मुख्यमंत्री शुक्रवार को गोमतीनगर में विभूतिखंड स्थित किसान बाजार के द्वितीय तल पर महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण के नवीन कार्यालय का लोकार्पण करने के बाद बोल रहे थे। विभूति खंड स्थित किसान बाजार के द्वितीय तल पर खुले कार्यालय में बतौर विशिष्ट अतिथि राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष, महानिदेशक एवं सचिव अपर्णा यू, विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न चिकित्सा शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधियों सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मोबाइल कोर्ट में सुनी गईं दिव्यांगों की समस्याएं

अमृत विचार, लखनऊ : दिव्यांगजन के अधिकारों की सुरक्षा एवं उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के दिव्य कला मेला क्षेत्र में मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। कोर्ट का आयोजन आयुक्त, दिव्यांगजन, भारत सरकार एवं राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मोबाइल कोर्ट में मौजूद 259 दिव्यांगजनों की समस्याओं पर मौके पर ही सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया।

खंड स्नातक निर्वाचन संबधित कार्यक्रम जारी

अमृत विचार, लखनऊ : भारत निर्वाचन आयोग की ओर से उप्र. विधान परिषद के खण्ड स्नातक के 5 व खण्ड शिक्षक के 6 निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों को नये सिरे (डी-नोवो) से तैयार किए जाने को लेकर शेष कार्यक्रम का संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 2 दिसम्बर को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पात्र नागरिक इस दौरान दावे और आपत्तियां निर्धारित अवधि में प्रस्तुत कर सकेंगे। अन्तिम निर्वाचक नामावलियां 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित होंगी।

राजभवन में शुरू हुई पंचतंत्र वाटिका-2

अमृत विचार, लखनऊ : राजभवन प्रांगण में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को "पंचतंत्र वाटिका भाग 2" की शुरुआत की गई। ज्ञान, नैतिक मूल्यों और प्राचीन भारतीय साहित्य की अमर विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से वाटिका तैयार की गयी है। मालूम हो कि राज्यपाल ने 31 जुलाई 2021 को पंचतंत्र वाटिका के प्रथम चरण का उद्घाटन किया था। जिसमें पंचतंत्र की आठ प्रख्यात कथाओं को आकर्षक शिल्प, मनोहारी चित्रांकन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया था।

आधी आबादी सशक्त तो समाज मजबूत

मुख्यमंत्री योगी ने फिक्की फ्लो के राष्ट्रीय अधिवेशन में महिलाओं को दिया आत्मनिर्भरता का मंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आधी आबादी सशक्त होगी तो समाज, प्रदेश और देश तीनों मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि जितनी मजबूत भूमिका पुरुष निभाते हैं, उससे भी बड़ी जिम्मेदारी महिलाएं निभा सकती हैं। समाज की प्रगति महिलाओं की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भरता के साथ निवेश और रोजगार का मंत्र भी दिया। कहा कि फिक्की जैसे संगठन नेतृत्व करते हैं और सरकार उन्हें पीछे से सपोर्ट करती है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित फिक्की फ्लो के राष्ट्रीय अधिवेशन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि 20 चैप्टर में 16 हजार से अधिक प्रोफेशनल्स आपके साथ जुड़े हैं, लेकिन 140 करोड़ के भारत में यह संख्या कम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 वर्ष पहले का उत्तर प्रदेश आज पूरी तरह बदल चुका है। असुरक्षा, दंगों और अव्यवस्था से निकलकर राज्य आज कानून-व्यवस्था के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं, जिनमें से 15 लाख करोड़ का ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुका है। बहुत जल्द 5 लाख करोड़ के नए निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरेंगे।

फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (फिक्की-फ्लो) के राष्ट्रीय अधिवेशन में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

आतंकी का वीडियो सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाला : जैदी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- यूपी शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

अमृत विचार : दिल्ली में हुए कायराना आतंकी धमाके के बाद जांच एजेंसियों को आरोपी उमर के मोबाइल फोन से मिला वीडियो बेहद गंभीर, उत्तेजक और घोर आपत्तिजनक है। यूपी शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी ने कड़ी प्रतिक्रया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस वीडियो में जिस प्रकार हिंसा और नफरत को बढ़ावा देने की कोशिश की गई है, वह न केवल समाज के लिए खतरा है, बल्कि देश की शांति, सुरक्षा और साम्प्रदायिक सौहार्द पर सीधा हमला है। हम इस जघन्य कृत्य और इसे सही साबित करने के किसी भी प्रयास की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।

आतंकी कार्रवाई करना और फिर डिजिटल माध्यम से इसे जायज दिखाने की कोशिश, आतंकवादी मानसिकता की गहरी विकृति को दर्शाती है। सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की विस्तृत जांच कर रही हैं और हमें विश्वास है कि इस घटना से जुड़े सभी दोषियों को कानून के अनुसार कठोरतम सजा मिलेगी। उन्होंने अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाह या भड़काऊ सामग्री से दूर रहें और शांति बनाए रखें।

कई जिलों में एक्यूआई 300 पार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हवा में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में, सांस लेना मुश्किल
- गाजियाबाद, नोएडा, मेरठ और लखनऊ सबसे अधिक प्रभावित
- प्रदूषण की परत के कारण सूरज की रोशनी भी पड़ी हल्की

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में प्रदूषण का स्तर निरंतर गहरा रहा है। कई जिलों का प्रदूषण स्तर 300 के पार हो चुका है। इसमें सबसे आगे गाजियाबाद है, इसके बाद नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ और लखनऊ शामिल हैं।

सेंट्रल कंट्रोल पॉल्यूशन बोर्ड (सीपीसीबी) रिपोर्ट के अनुसार, हाल के दिनों में लखनऊ का रात्रि का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 356 दर्ज किया गया, वहीं दोपहर को 290 दर्ज किया गया। इसके अलावा इंडस्ट्रियल एरिया का हाल भी काफी खराब है।

गोमती नगर, कुकरैल, लालबाग और अलीगंज का प्रदूषण स्तर लगभग 300 के करीब पहुंच रहा है। रिपोर्ट में तालकटोरा इंडस्ट्रियल एरिया का एक्यूआई 299, केन्द्रीय विद्यालय लखनऊ का एक्यूआई 178, लालबाग का एक्यूआई 231, गोमती नगर का एक्यूआई 180, अंबेडकरनगर विवि का एक्यूआई 182 और कुकरैल पिकनिक स्पॉट का एक्यूआई 127 है। जिलों में एक्यूआई की स्थिति देखें तो गोरखपुर में 264, गाजियाबाद में 330 कानपुर में 263, मेरठ में 234 नोएडा में 308, प्रतापगढ़ में 216, प्रयागराज में 247 है।

15 जिलों में छापेमारी, 34 फर्मों पर एफआईआर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कोडीन युक्त कफ सीरप और नारकोटिक्स औषधियों के अवैध करोबारियों पर बड़ी कार्रवाई

अमृत विचार : कोडीन युक्त कफ सीरप व नारकोटिक्स श्रेणी की दवाओं के अवैध भंडारण, बिक्री और अन्य राज्यों में संभावित अवैध सप्लाई को रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान में उप्र. खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एसएफ) ने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को विभाग ने 15 जिलों में छापेमारी की। इस दौरान अवैध व्यापार में संलिप्त पाए गए कुल 34 फर्मों-व्यक्तियों के विरुद्ध नारकोटिक्स एक्ट के तहत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त रोशन जैकब ने बताया कि जांच अभियान के दौरान एबॉट हेल्थ केयर के सुपर स्टॉकिस्ट शैली ट्रेडर्स, रांची (झारखंड) और लखनऊ ट्रांसपोर्ट नगर के फार्मास्युटिकल इंडिया लिमिटेड एवं बायोहब से प्राप्त विक्रय रिकार्ड के सत्यापन में कई फर्मों व व्यक्तियों की अवैध संलिप्तता का खुलासा हुआ, जिसके बाद इन सभी के विरुद्ध भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि कई जिलों में जांच के दौरान संचालित व असंचालित फर्मों से लिए गए प्रपत्र रिकार्डों की जांच जारी है।

इन फर्मों पर की गई कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने बताया कि जांच के दौरान जौनपुर में सबसे ज्यादा 12 फर्मे पकड़ी गई, जिनमें बद्रीनाथ फार्मेसी एंड सर्जिकल एजेंसी, श्री केदार मेडिकल एजेंसी, हर्ष मेडिकल एजेंसी और मिलन ड्रग सेंटर, मिलन मेडिकल एजेंसी बलुआ घाट, निगम मेडिकल एजेंसी , पूर्वांचल एसोसिएट, शौकश्य फार्मा सरफराजपुर, शिवन मेडिकल, श्री मेडिकल एजेंसी, स्टार इंटरप्राइजेज और गुप्ता ट्रेडिंग शामिल हैं। इसके अलावा अम्बेडकरनगर में नाग ड्रग हाउस और नाग मेडिकल स्टोर, बहराइच की तीन फर्मो में बाबा महादेव फार्मेसी, नारायण फार्मा और रॉयल फार्मा, बलरामपुर में अमन मेडिकल एजेंसी और अशोक मेडिकल स्टोर, बस्ती की गोयल फार्मा, भदोही में महेन्द्र मेडिकल एजेंसी, लखीमपुर खीरी में पियूष मेडिकल एजेंसी, रायबरेली में अजय फार्मा और पाल मेडिकल एजेंसी, संत कबीर नगर में संकल्प मेडिकल स्टोर और लाइफ मेडिकल स्टोर, सिद्धार्थनगर में कसौधन मेडिकल स्टोर, सुल्तानपुर में हिन्दुस्तान मेडिकल एजेंसी गोलाघाट, चंदौली की तीन फर्मो में चॉइस डिस्ट्रीब्यूटर्स, समृद्धि इंटरप्राइजेज और एस.पी. फार्मा, प्रयागराज में ओम सॉई फर्मास्युटिकल और मुगलसराय (चंदौली) में सिंह मेडिकोज शामिल हैं।

आत्मनिर्भर अभियान को गति देगा खादी महोत्सव

मंत्री राकेश सचान ने 10 दिवसीय खादी महोत्सव का किया उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि खादी महोत्सव आत्मनिर्भर भारत अभियान को और गति देगा। आज प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्वच्छता, स्वदेशी, स्वरोजगार व आत्मनिर्भर भारत के अभियान के अंतर्गत खादी पुनः राष्ट्रीय पहचान की शान बन रही है।

वे शुक्रवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गोमतीनगर में 10 दिवसीय 'खादी महोत्सव-2025' का फीता काटकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। मंत्री राकेश सचान ने कहा कि खादी महात्मा गांधी के स्वावलंबन के विचार से जुड़ी हुई है। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनियों का आयोजन कर ग्रामीण उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। सचान ने बताया कि खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वर्तमान में 3,90,000 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने कहा कि खादी अब आधुनिक डिजाइनों और तकनीकों के माध्यम से युवाओं की पहली पसंद बन रही है।

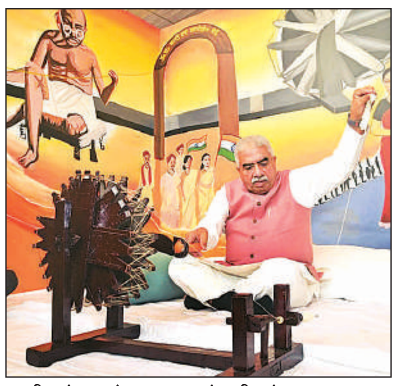

खादी महोत्सव में चरखा चलाते मंत्री राकेश सचान।

उद्यमियों को बड़ा मंच, स्वदेशी उत्पादों की शान : महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 160 से अधिक उद्यमियों और इकाइयों ने स्टॉल लगाए हैं। इनमें सहारनपुर का नक्काशीदार फर्नीचर, भदोही की कालीन, अमरोहा के गमछे-सदरी, सीतापुर की दरी-तौलिये, वाराणसी की सिल्क साड़ियां, प्रतापगढ़ के आंवला उत्पाद, लखनऊ की रॉयल हनी-मिट्टी कला, बीकानेरी पापड़, लेदर उत्पाद और तमाम स्वदेशी वस्तुएं प्रमुख आकर्षण हैं।

लखनऊ से दुधवा पूरे नवंबर चलेगी बस

अमृत विचार, लखनऊ : दुधवा नेशनल पार्क में बढ़ते पर्यटन और यात्रियों की मांग को देखते हुए 4 नवंबर से लखनऊ के कैसरबाग बस स्टेशन से चल रही विशेष बस सेवा को अब पूरे नवंबर माह तक बढ़ा दिया गया है। इस बस से मात्र 487 प्रति यात्री किराये में पर्यटक भ्रमण कर रहे हैं। यात्रियों में यह बस सेवा किफायती विकल्प साबित हो रही है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मात्र 15 दिनों के लिए शुरू होने वाली इस सेवा को पूरे माह संचालित करने का निर्णय लिया गया है। यह बस प्रतिदिन सुबह 8 बजे कैसरबाग से रवाना होकर दोपहर 1:30 बजे दुधवा पहुंचती है।

आधार कार्ड के अनुसार खतौनी में नाम दर्ज करवा सकेंगे किसान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- किसान सम्मान निधि में आड़े आ रही बाधा दूर होने का रास्ता साफ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश के किसान अब आधार कार्ड के अनुसार अपनी खतौनी में दर्ज नाम को संशोधित करवा सकेंगे। दरअसल, राजस्व परिषद ने राज्य के लगभग तीन करोड़ से अधिक किसानों को सीधा लाभ देने की तैयारी की है। इसके पीछे मंशा किसान सम्मान निधि में आड़े आ रही बड़ी बाधा को दूर करने की है।

लंबे वक्त से खतौनी और आधार कार्ड में नाम अलग-अलग होने के कारण से लाखों किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिल पा रहा था। इस स्थिति में प्रभावित किसान संबधित कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर थे।

राजस्व परिषद अब खतौनी को आधार से लिंक करने की प्रक्रिया को तेज करने जा रहा है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, सबसे बड़ी समस्या यह सामने आई कि बड़ी संख्या में किसानों के दस्तावेजों में नाम अलग-अलग तरीके से लिखा है। नई सुविधा के तहत किसान आधार के अनुसार खतौनी में अपना नाम दर्ज करा सकेंगे, हालांकि इसके लिए संबंधित राजस्व अधिकारी की मंजूरी आवश्यक होगी।

धर्म के नाम पर ठगने वाला गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सदस्यों के खातों में मंगाता था साइबर ठगी की रकम
- एसटीएफ की आगरा यूनिट की टीम ने किया गिरोह का पर्दाफाश

अमृत विचार : धार्मिक आयोजन के नाम पर महिलाओं और अन्य लोगों को संगठन से जोड़कर साइबर ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को एसटीएफ की आगरा यूनिट ने गिरफ्तार किया है। गिरोह के मास्टरमाइंड की तलाश जारी है। आरोपी के पास से दो कारें, महिला स्वास्थ्य मिशन ट्रस्ट के नाम की रसीदें, कई क्रेडिट और डेबिट कार्ड तथा 10 हजार रुपये नकद बरामद हुए हैं।

एसटीएफ के एएसपी राकेश के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी रवि प्रकाश मूल रूप से देवरिया के खुखुंदू थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव का रहने वाला है। उसे आगरा के जगदीशपुरा थाना क्षेत्र में आवास विकास कालोनी, सेक्टर-6 स्थित महाजन कॉम्प्लेक्स से पकड़ा गया। गिरोह का सरगना अजय उर्फ बिल्लू मैनपुरी थाना कोतवाली क्षेत्र की गिहार कालोनी, नवीन मंडी का निवासी है, जिस पर पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं।

एसटीएफ इंस्पेक्टर यतींद्र शर्मा के अनुसार, रवि ने महिला स्वास्थ्य मिशन ट्रस्ट बना रखा था। उसकी आड़ में वह धार्मिक आयोजन कराता और गरीब महिलाओं व लोगों को सदस्य बनाता था। सदस्यता और आईडी कार्ड के नाम पर 50 से 100 रुपये लेता था। इसके बाद लालच देता कि ट्रस्ट के पास बड़ी धनराशि आती है, जो सदस्यों के खातों में जाएगी। इसी बहाने वह बैंक खाते, चेकबुक और हस्ताक्षर ले लेता था। साथ ही सदस्यों के नाम से सिम लेकर एटीएम कार्ड भी जारी करा लेता था। गिरोह इन्हीं खातों में साइबर फ्रॉड की रकम मंगवाकर निकालता था।

गिरोह ने आवास विकास कालोनी के ललित गर्ग और सतीश चंद्र सिंघल को भी इसी तरीके से जाल में फंसाया। ललित गर्ग के खाते में संदिग्ध रूप से बड़ी रकम आने पर खाता सीज हुआ, जिसके बाद उसने एसटीएफ से शिकायत की। जांच में गिरोह का खुलासा हुआ।

26 पीसीएस अधिकारी होंगे रिटायर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने वर्ष 2026 में अधिवर्षता आयु पूर्ण करने वाले 26 पीसीएस अधिकारियों की सेवानिवृत्ति सूची जारी कर दी है। सूची में अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, अपर आयुक्त, नगर मजिस्ट्रेट समेत विभिन्न पदों पर तैनात प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं।

नियुक्ति विभाग अनुभाग-2 द्वारा शुक्रवार को वरिष्ठ व कनिष्ठ वेतनमान के अधिकारियों की जारी सूची के अनुसार, जनवरी 2026 से दिसंबर 2026 के मध्य अपनी 60 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले पीसीएस अधिकारी निर्धारित तिथि पर सेवानिवृत्त हो जाएंगे। सेवानिवृत्त होने वाले मुख्य अधिकारियों में उप जिलाधिकारी सुरेश राय (सोनभद्र), राजेश कुमार (रामपुर), राम दयाल (बहराइच), अभय राज पाण्डेय (आजमगढ़), राम आसरे वर्मा (सहारनपुर) दिग्विजय कुमार सिंह (कानपुर देहात) व चन्द्रमान सिंह (सिद्धार्थनगर), एडीएम भैरपाल (गौतमबुद्धनगर), आशुतोष द्विवेदी (कानपुर नगर), विजय शंकर तिवारी (हमीरपुर), अनिल कुमार (लखीमपुर खीरी), बच्चू सिंह (गौतमबुद्ध नगर), प्रेम कुमार राय (कुशीनगर), राशिद अली खान-13, अजय कुमार सिंह (मिर्जापुर), अनिल चतुर्वेदी-15 (अमेठी), अपर आयुक्त बृज किशोर (कानपुर), भगवान शरण (चित्रकूट) और शमशाद हुसैन-09 (आजमगढ़), नगर मजिस्ट्रेट रवि शंकर सिंह (वाराणसी) और संजय कुमार (फर्रुखाबाद), मिथिलेश कुमार (राजस्व परिषद), सचिव विकास प्राधिकरण हेम सिंह (अयोध्या), विशेष कार्याधिकारी राजस्व परिषद मिथिलेश कुमार (लखनऊ), रजिस्टार सत्य प्रकाश (प्रयागराज) और मुख्य राजस्व अधिकारी बाबू राज (सुल्तानपुर) शामिल हैं। सरकार ने सभी अधिकारियों की सेवानिवृत्ति तिथियां निर्धारित करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

दालमंडी व्यापारियों को दाल की तरह न दले सरकार

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि कई साल से भाजपा सरकार वाराणसी दाल मंडी के व्यापारियों की दुकानों को ध्वस्त कर रही है। यह ध्वस्तीकरण राजनीतिक है। भाजपा उस बाजार से चुनाव हारी है, इसीलिए व्यापारियों को परेशान कर रही है। हमारी मांग है कि बीजेपी वाराणसी के दालमंडी वालों को दाल की तरह ना दले। दाल मंडी वाले व्यापारियों और कारोबारियों को संरक्षण और सम्मान दे। सपा प्रमुख शुक्रवार को पार्टी कार्यालय मे वाराणसी से आए व्यापारियों के साथ प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे।

सुविधा

खत्म होगी कार्यालयों की दौड़, अधिवक्ताओं का बनेगा डिजिटल प्रोफाइल

राजस्व न्यायालयों में ऑनलाइन दायर होंगे वाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केस फाइलिंग सिस्टम तैयार व्हाट्सएप पर भी मिलेगी सूचना

अमृत विचार : प्रदेश के राजस्व न्यायालयों में वाद दाखिल करने की प्रक्रिया अब अधिक सरल और आधुनिक होने जा रही है। राजस्व परिषद ने न्यायालयों में भीड़ कम करने और वाद दाखिल प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन केस फाइलिंग सिस्टम तैयार कर लिया है। अगले माह से इसे सबसे पहले राजस्व परिषद के न्यायालयों में लागू किया जाएगा, जिसके बाद यह व्यवस्था चरणबद्ध तरीके से सभी जिलों में लागू की जाएगी।

नए सिस्टम में अधिवक्ताओं को अपना डिजिटल प्रोफाइल बनाकर राजस्व परिषद की वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। प्रोफाइल सत्यापित होते ही उन्हें ऑनलाइन वाद दाखिल करने की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। अधिवक्ता की सदस्यता, वरिष्ठता और लंबित मामलों का पूरा विवरण भी इसी प्रोफाइल में उपलब्ध रहेगा। राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली के तहत राजस्व परिषद पहले से ही विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध करा रहा है। अब ऑनलाइन वाद दायर करने की सुविधा जुड़ जाने से न केवल कार्यप्रणाली में तेजी आएगी, बल्कि अधिवक्ताओं व नागरिकों को कार्यालया के चक्कर लगाने से भी राहत मिलेगी। नई व्यवस्था से राजस्व न्यायालयों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, तेजी और तकनीकी दक्षता बढ़ेगी और लोगों को न्याय के प्रति एक बेहतर अनुभव प्राप्त होगा।

केस डायरी बनाने की जरूरत नहीं

नई व्यवस्था से अधिवक्ताओं को केस डायरी बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उनके प्रोफाइल पर ही सभी मामलों की सुनवाई की तारीखें स्वत: अपडेट होती रहेंगी। वाद से संबंधित सूचनाएं अब केवल एसएमएस ही नहीं, बल्कि व्हाट्सएप पर भी भेजी जाएंगी, जिससे उनका समय बचेगा और सूचनाएं तुरंत मिल सकेंगी। राजस्व परिषद अधिकारियों का कहना है कि यह सिस्टम लागू होने के बाद पेशकारों का बोझ भी काफी कम हो जाएगा और न्यायालयों में वाद दाखिल से जुड़े कार्य अधिक व्यवस्थित और सहज हो जाएंगे।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

राम शंकर सोनी बनाम सरकार ग्राम-डोमईपुर परगना बभनीपायर तहसील मनकापुर जनपद गोण्डा धारा-80 उवप्रराजस्व संहिता 2006 गाटा संख्या-220/0.7170 हे0 में से रकबा 0.00920हे0 की धारा-80 उ0प्र0राजस्व संहिता 2006 की घोषित करने हेतु आवेदन किया गया है यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 24.11.2025 तक उपजिलाधिकारी मनकापुर के न्यायालय पर आकर आपत्ति कर सकता है।
उपजिलाधिकारी मनकापुर-गोण्डा।

सूचना

मैने अपना नाम MOHD ANEES से बदलकर MOHAMMAD ANEES रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-NOOR MOHAMMAD ADD-435/190, NEW RAJJAB GANJ, NEAR ICECREAM FACTORY, THAKURGANJ DIST-LUCKNOW-226003 (U.P)

सूचना

सूचित करना है कि विवाहोंपरान्त मैंने अपना पूर्व नाम अनीता जनार्दन भाई दूबे से बदल कर अनीता तिवारी W/O श्री अवनीश नारायण तिवारी रख लिया है अब से मेरे सभी अभिलेखों में इसी नाम को लिखा पढ़ा व समझा जाये। निवासी- 322 ,मानस गार्डेन, फैजाबाद रोड उत्तरधौना तिवारी गंज , लखनऊ-226028

सूचना

सूचित हो कि मैं **खुर्शीदा पत्नी मुश्ताक निवासी कादर खां नगर कस्बा समधन तहसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज**, मैने अपने पुत्र मुर्सलीम पुत्र मुश्ताक से उसके गलत चाल चलन के कारण अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं और अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से अपने पुत्र मुर्सलीम को बेदखल कर दिया है। अब मेरा उससे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा अपने कृत्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

सूचित करना है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2023 अनुक्रमांक 1232681096 माध्यमिक शिक्षा उत्तर प्रदेश, जन शिक्षा संस्थान से आते समय कहीं रास्ते में खो गया है। काफी प्रयास के बाद भी नहीं मिला। **लाईबा राईनी पत्री शहबान, दर्जी टोला, परसपुर जिला गोंडा 7860641991**

बेदखली सूचना

मैं **अनिल कुमार पुत्र प्रताप नरायन अग्निहोत्री निवासी ग्राम सेना निवादा पो0 छतरपुर थाना शिवराजपुर तहसील बिल्हौर कानपुर नगर** । मेरा पुत्र निखलेश कुमार पुत्र अनिल कुमार का चालो चलन व कार्य व्यवहार ठीक नहीं है उसे मैं अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ । उसके कार्य व्यवहार से आजिज आकर उससे अपने व अपने परिवार के सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है उनका मुझसे व मेरे परिवार से कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। यदि मेरे पुत्र द्वारा कहीं भी कोई लेन देन व उचित अनुचित कृत्य व्यवहार करता है तो उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

बेदखली सूचना

मैं **श्यामलाल मौर्य सुत स्व0 राममिलन मौर्य निवासी ग्राम परावासूपुर पोस्ट-अखण्डनगर थाना अखण्डनगर तहसील कादीपुर जिला सुलतानपुर** मैने अपने पुत्र बैजनाथ मौर्य जो कही बाहर रहता है मुझसे सन् 2019 से कोई सम्पर्क नही हुआ है और बीच में एक बार गांव में आया था किन्तु घर पर नही आया। पुत्र का स्वभाव व चाल चलन गलत है मेरे कहने सुनने में नही रहता है। उसके कृत्यों से क्षुब्ध होकर उसे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ उक्त बैजनाथ के कृत्य से मेरी कोई जिम्मेदारी नही होगी। बैजनाथ स्वंय जिम्मेदार होगा।

अमृत विचार

शनिवार, 22 नवंबर 2025

लोगों को हर तरह से सुंदर होना चाहिए- चेहरे में, पहनावे में, विचारों में और स्व अंतरतम में।
-एंटोन चैखव, रूसी लेखक

फिर नीतीश नेतृत्व

बिहार में बंपर बहुमत वाली ऐसी सरकार बनी है, जिसके मुख्यमंत्री के साथ दोनों उप मुख्यमंत्री और कतिपय मंत्री भी पुरानी ही सरकार से हैं। सत्ता का यह समीकरण परोक्षतः राजनीतिक स्थिरता का संदेश देता है, परंतु इसके पीछे जटिल सामरिक मजबूरियां छिपी हैं। युवा, ऊर्जावान चेहरे को आगे न लाने के पीछे यह तर्क दिया जा सकता है कि गठबंधन की राजनीति और जातीय-सामाजिक संतुलन की अनिवार्यता इसकी वजह बनी, लेकिन सही तो यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को रिपीट किए जाने का मतलब है कि भाजपा और जदयू- दोनों ही साझेदार अभी किसी नए चेहरे के प्रयोग का जोखिम उठाने को तैयार नहीं हैं।

सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा का अपना मुख्यमंत्री न देने का निर्णय रणनीतिक है। तत्काल नेतृत्व परिवर्तन से सामाजिक-राजनीतिक असंतुलन उत्पन्न होने का खतरा था, हालांकि नीतीश कुमार के 'अल्पकालिक मुख्यमंत्री' होने की चर्चा आम है। उनके स्वास्थ्य ने आशंका बढ़ाई है कि वे लंबी पारी नहीं खेलेंगे। राजनीतिक मजबूरियों के तहत उन्हें जिम्मेदारी तो मिली है, पर यह भी सच है कि भाजपा भविष्य में बिहार का नेतृत्व अपने हाथ में लेना चाहेगी। फिलहाल नीतीश उसके लिए एक 'ट्रांजिशनल फिगर' की तरह अधिक उपयोगी हैं। बिहार में पिछले डेढ़ दशक में सड़क, बिजली, कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में सुधार हुआ है, परंतु बेरोजगारी, पलायन, उद्योग, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति धीमी रही। राज्य आज भी निवेश आकर्षित करने में पिछड़ा है। 50 लाख करोड़ बाहरी निवेश का वादा राजनीतिक जुमला है। सुरक्षा, कौशल, आधारभूत ढांचे और प्रशासनिक दक्षता सुधारे बिना यह लक्ष्य आशावादी से अधिक अव्यावहारिक प्रतीत होता है। नीतीश कुमार के लंबे शासनकाल की उपलब्धियां मिश्रित रही हैं। उन्होंने बुनियादी शासन-व्यवस्था को स्थिर बनाया, परंतु उद्यम, उद्योग, उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों में बिहार अब भी देश के निचले पायदानों पर है। आने वाले दिनों में नई सरकार से उम्मीद रहेगी कि वह रोजगार, स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार, निवेश और उद्योग-संबंधी सुधारों पर गंभीरता से कार्य करे। कमजोर विपक्ष नयी सरकार के लिए फायदेमंद है। कम सवाल, कम निगरानी और बिना बाधा विधेयकों के पारित होने की सहूलियत, परंतु यह उतना ही खतरनाक भी है, क्योंकि जवाबदेही का दबाव घटने से शासन में ढिलाई की आशंका रहती है।

भाजपा और जदयू ने इस चुनाव में कई बड़े बड़े वादे किए हैं। बुनियादी ढांचा, रोजगार, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, निवेश, कौशल विकास, लेकिन इतिहास बताता है कि पिछली सरकार अपने अधिकाधिक वादों को पूरा नहीं कर पाई। इस कार्यकाल में वादों की पूर्ति की संभावना इसलिए कम है, क्योंकि गठबंधन की आंतरिक खींचतान और भविष्य की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पहले से ही दिखाई दे रही हैं। आने वाले वर्षों में भाजपा अधिक सीटों पर दावा ठोकने की तैयारी करेगी, जिससे सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ेगा। बिहार की जनता की अपेक्षाएं बहुत स्पष्ट हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित जीवन। प्रश्न है कि क्या यह रिपीट सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी?

प्रसंगवश

असमानता: 'बेटा', तुम बहुत अच्छा कर रही हो!

"बेटा, तुम बहुत अच्छा कर रही हो!" यह वाक्य हमारे समाज और शिक्षा व्यवस्था में लगभग हर दिन सुनाई देता है। बच्ची जब कोई अच्छा काम करती है, तो शिक्षक, अभिभावक या रिश्तेदार उसे प्रोत्साहित करते हुए अक्सर "बेटा" कहकर सराहते हैं। यह सुनने में सामान्य लगता है, क्योंकि हमारे सामाजिक परिवेश में 'बेटा' शब्द सफलता और उत्कृष्टता का मानक बन चुका है, लेकिन क्या कभी किसी लड़के से कहा गया है, "बेटी, तुम बहुत अच्छा कर रहे हो"? शायद कभी नहीं और यदि कहा भी गया हो, तो लोग इसे मजाक में टाल देते हैं। यही हमारी भाषा में गहरे छिपा हुआ लैंगिक असमानता है, जो सुनाई तो देता है, पर चुभता नहीं।

सत्य प्रकाश नायक
एक्टिविस्ट

भाषा और समाज का रिश्ता बहुत गहरा है। हमारी सोच, दृष्टि और संस्कारों को गढ़ने में भाषा की भूमिका निर्णायक होती है। हम जो बोलते हैं, वही हमारी मानसिकता और दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है और वही बच्चों की सोच का हिस्सा बन जाता है। जब भाषा में असमानता छिपी होती है, तो वह बच्चों की आत्म-छवि और आत्मविश्वास को भी असमान बना देती है। बचपन में बच्चे अपने बारे में वही मानने लगते हैं, जो वे बार-बार सुनते हैं। यदि किसी बच्ची को सराहने के लिए भी 'बेटा' कहना जरूरी समझा जाता है, तो इसका संदेश यही है कि उत्कृष्टता, साहस या नेतृत्व लड़का होने के गुण हैं। इससे अनजाने में बच्ची को यह महसूस होने लगता है कि 'बेटी' होना पर्याप्त नहीं है। उसे मूल्यवान बनने के लिए 'बेटा' कहलाना होगा। दूसरी ओर लड़के को 'बेटी' कहकर सराहना लगभग असंभव है। यही भेद-भाव बच्चों की पहचान और आत्मविश्वास पर गहरा असर छोड़ता है। शब्द केवल वाक्य नहीं होते, वे धारणाएं गढ़ते हैं।

कक्षा में बैठी लड़कियां अनजाने ही इन वाक्यों से बाहर रह जाती हैं। यदि शिक्षक कहते 'कौन करेगा या करेगी?' तो भाषा में ही बराबरी की खिड़की खुल जाती। कुछ विद्यालयों में तो समूहों के नाम तक इस असमानता से प्रभावित होते हैं। कई स्कूलों में केवल पुरुष महापुरुषों गांधी, नेहरू, विवेकानंद, भगत सिंह के नाम पर समूह बनाए जाते हैं। प्रेरणादायक महिलाओं जैसे रानी लक्ष्मीबाई, रानी कमलापति, अवंतिबाई, कल्पना चावला, टेस्सी थॉमस, सुधा मूर्ति या अन्य महिला वैज्ञानिकों, खिलाड़ियों, लेखिकाओं के नाम शायद ही किसी को सूझते हों। जब बच्चों के सामने आदर्शों के रूप में केवल पुरुष चेहरे आते हैं, तो संदेश यह जाता है कि नेतृत्व और पराक्रम का चेहरा भी मात्र पुरुष ही है।

भाषा की जड़ें बहुत गहरी हैं। यह संवाद का माध्यम होते हुए भी अनजाने ही जेंडर असमानता को ढोती रहती है। 'करेगा', 'लाएगा', 'नेता बना', 'मर्द बनो' जैसे वाक्य हमारे अवचेतन में पुरुष-प्रधान सोच को पुख्ता करते हैं। भाषा ऐसे विचारों को वैधता देती है, जिन्हें हम शायद सचेत रूप से नहीं मानते। पाठ्यपुस्तकों में भी इसी असमानता की झलक है। ज्यादातर उदाहरणों में 'रवि', 'सुमित', 'राजेश' विज्ञान प्रयोग करते, खेल जीतते या पुरस्कार पाते दिखते हैं, जबकि लड़कियों के हिस्से में 'रीना मां की मदद करती है' या 'सीमा गुड़िया से खेलती है', जैसे दृश्य आते हैं। इससे बच्चों के मन में यह धारणा मजबूत होती है कि सक्रियता और खोज लड़कों का क्षेत्र है, जबकि देखभाल और सहयोग लड़कियों का। रोजमर्रा की भाषा भी इस सोच को बढ़ाती है, 'लड़की होकर ऐसे बोलती है?', 'बेटी, घर का ध्यान रखो', 'बेटे, बाहर का काम तुम संभालो।' यहां शब्दों के जरिए भूमिकाएं बांट दी जाती हैं एक भीतर की, एक बाहर की।

एसआईआर पर विपक्ष खुद भी तो कुछ करे!

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

एसआईआर क्यों? इस सवाल का कोई मतलब नहीं। इस सवाल का भी कोई मतलब नहीं कि बिहार के बाद सिर्फ 12 राज्यों में ही एसआईआर क्यों? म्यांमार, जहां से सर्वाधिक रोहिंग्या घुसपैठ कर सीमावर्ती भारतीय प्रदेशों में विराजमान हैं, जैसा कि कहा जाता है, लेकिन म्यांमार के सीमावर्ती भारतीय प्रदेशों में एसआईआर की जरूरत चुनाव आयोग ने बिल्कुल नहीं महसूस की। यह तय है कि विपक्ष कितना भी चिल्ल-पों कर ले, यूपी में 2027 का विधानसभा चुनाव और 2029 में लोकसभा चुनाव एसआईआर के जरिए परिवर्तित वोटर लिस्ट से ही होना है।

एसआईआर की विसंगतियां कई हैं। जैसे- बीएलओ, जिन्हें एसआईआर फार्म घर घर पहुंचाने की जिम्मेदारी है, वह लगभग नहीं हो रहा है। जागरूक लोगों को बीएलओ को ढूंढकर एसआईआर फार्म लेना पड़ रहा है। राजस्थान से लेकर यूपी में ऐसे हजारों उदाहरण मौजूद हैं। यूपी के एक भाजपा विधायक के वायरल वीडियो पर यकीन करें, तो वह अपने लोगों से बहुत साफ शब्दों में कह रहे हैं कि विपक्षी वोटरों के नाम उड़ा दिए जाएं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के खिलाफ बड़ा आंदोलन चलाया, लेकिन क्या हुआ? किसने सुनी उनकी बात? उलटे 272 पूर्व जज और नौकरशाहों ने राहुल के खिलाफ चिट्ठी लिखकर विरोध जताया कि वे चुनाव आयोग जैसी 'पवित्र' संस्था को बदनाम कर रहे हैं। इन नौकरशाहों को ब्राजील की माडल का भारतीय वोटर लिस्ट में शामिल होकर कई जगहों पर मतदान करना गलत नहीं लगा और बिहार में बीच चुनाव सरकारी खजाने से लाखों महिलाओं को दस-दस हजार की इमदाद भी अचंभित नहीं किया।

जब दो पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त, मौजूदा चुनाव आयोग को दिशाहीन बता रहे हैं, तब लोकसभा में बहुमत के आंकड़े के बराबर 272 पूर्व नौकरशाहों का राहुल के खिलाफ खुलकर आना हैरान करने वाला है। तो क्या पूर्व नौकरशाहों के खुला विरोध को राहुल के खिलाफ 'महाभियोग' माना जाए?

इधर चुनाव आयोग एसआईआ करा रहा है और उधर विपक्ष बैठकें करने में व्यस्त है। बड़ा सवाल यह है कि जब एसआईआर चल रहा है, तब विपक्ष के लोग कहां हैं? बात केवल यूपी की करें, तो यहां आरोप लग रहे हैं कि एसआईआर एक पक्षीय चल रहा है। यह सब आसानी से होने क्यों दिया जा रहा है? सरकारी अमला तो सरकार के लोग होते हैं, वे वही करेंगे जो सरकार चाहेगी और यह आज की बात नहीं है। पहले भी सरकारें ऐसे ही करती रही हैं, लेकिन सत्ता में विराजमान राजनीतिक दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं के समतुल्य विपक्षी दलों के लोग ऐसा क्यों नहीं कर पाते?

यूपी में प्रमुख विपक्षी दल सपा है। आगामी विधानसभा चुनाव में इसे सत्ता के लिए जंग करनी है, लेकिन ये पार्टी भी पूरे यूपी में कुछ जगहों को छोड़कर एसआईआर को लेकर शायद ही कहीं और दिख रही हो। हां, वाट्सऐप पर इनके ज्ञान की भरमार है। वे जानते हैं कि उनके कोर वोटर कौन हैं और इन्हीं वोटरों को सहेजने में वे विफल हो रहे हैं।

दूसरी पार्टी कांग्रेस है। यूपी के लिए फिलहाल इसकी बात ही क्या करना। इसी मुद्दे को लेकर हाल ही में उसकी दिल्ली में हाई लेवल की बैठक हुई। इस बैठक में जो भी निर्णय लिए गए हों, उसका धरातल पर उतरना आसान नहीं है। यूपी में कांग्रेस के अभी छः सांसद हैं। सपा के साथ मिलकर 17 सीटों पर लड़ी थी। हारी हुई सीटों पर भी कांग्रेस की स्थिति सम्मानजनक थी। विधानसभा में कांग्रेस के सिर्फ दो विधायक हैं। एसआईआर को लेकर ये दो विधायक कितना कुछ कर पाएंगे, बताने की जरूरत नहीं। यहां संगठन भी हवा-हवाई है।

जिला कमेटी को छोड़ दीजिए बाकी ब्लाक स्तर की कमेटियां कहने भर को हैं। प्रदेश भर में एसआईआर को लेकर इक्का-दुक्का जिला अध्यक्ष ही सक्रिय हैं। बाकी सब के सब सुषुप्तावस्था में हैं। न्याय पंचायत और बूथ स्तर पर इनका कुछ नहीं है। चुनाव आयोग ने व्यवस्था दी है कि सरकारी बीएलओ के अलावा राजनीतिक पार्टियां अपना बीएलओ भी नियुक्त कर सकती हैं, ताकि चुनाव आयोग पर वोट काटने और जोड़ने की तोहमत न लगे। कांग्रेस इसमें भी सुस्त है। एसआईआर को लेकर विपक्ष के लापरवाह व सुस्ती का फायदा सत्ता पक्ष के कार्यकर्ता खूब उठा रहे हैं। विपक्ष को सक्रिय होने से किसने रोका है? विपक्ष यह समझने की भूल कर रहा है कि यह सामान्य एसआईआर नहीं है। इस एसआईआर का 'मूल सिद्धांत' ही कुछ और है।

बिहार चुनाव में बुरी तरह पराजित कांग्रेस इस खुशफहमी में हो सकती है कि वहां सर्वाधिक 65 लाख वोटर आउट किए जाने के बाद भी उसे औसतन करीब 71 हजार वोट प्रति विधानसभा सीट हासिल हुए। वह भी तब जब ओवैसी से लेकर बसपा, जन सुराज, आम आदमी पार्टी सहित अन्य छोटी पार्टियां महागठबंधन को ही नुकसान पहुंचाने के लिए चुनाव मैदान में थीं। आखिर ये पार्टियां तो यूपी विधानसभा चुनाव में भी होंगी और लोकसभा चुनाव में भी। आखिर इनसे सियासी तौर पर निपटने का प्लान कांग्रेस के पास क्या है?

दिल्ली में हुई कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने अपनी ही पार्टी से सवाल किया कि बिना संगठन के हम क्या करें? धरातल पर कोई संगठन ही नहीं है। बैठक में निस्संदेह और लोगों ने भी ऐसा ही महसूस किया होगा। कांग्रेस वर्किंग कमिटी के सदस्यों पर गौर करें, तो वह पूरा का पूरा दक्षिण भारतीयों के कब्जे में है। कांग्रेस वर्किंग कमिटी में करीब दो सौ सदस्य दक्षिण भारत से ही हैं। इसके अलावा ढेर सारे ऐसे लोग हैं, जो या तो भाजपा नेताओं से गलबहियां करते घूम रहे हैं या फिर बिना धरातल पर झांके कांग्रेस को दिल्ली की सत्ता में वापसी का ख्वाब दिखा रहे।

चुनाव आयोग पर आरोप है कि वह सत्ता पक्ष के लिए यूपी विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव की बिसात बिछा रहा है। बड़ा सवाल यह है कि जब एसआईआर चल रहा है, तब विपक्ष के लोग कहां हैं?

आमने सामने

अमीर घर में पैदा हुए राहुल गांधी को धरातल की जानकारी नहीं है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी देखी है, प्रधानमंत्री मोदी गरीब जनता का दुख-दर्द समझते हैं।
-पंडित मोहन लाल बड़ौली
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष
हरियाणा

अपने प्राइम मिनिस्टर को खुश करने की बात है। न राहुल गांधी का वह मुकाबला कर सकते हैं। जिस तरह से राहुल जी आम लोगों के साथ मिलते-जुलते हैं। लोगों के बीच में जाते हैं। माननीय प्रधानमंत्री तो कभी ऐसे नजर ही नहीं आए।
-कुमारी शैलजा
कांग्रेस सांसद

भारत: यूएन में स्थायी सदस्य का बढ़ा समर्थन

अमित नारायण
कानपुर

1.40 अरब की आबादी वाले भारत को वीटो पॉवर के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थायी सदस्य बनाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। रूस और ब्रिटेन के बाद अब फ्रांस ने भी खुलकर भारत को वीटो पॉवर की शक्ति के साथ स्थायी सदस्य बनाने की मांग संयुक्त राष्ट्र संघ रिफॉर्म डिबेट में उठा दी है। इस बैठक में चीन ने भारत का विरोध न करके यह संकेत दे दिया है कि वह अब भारत के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसने खुलकर समर्थन नहीं किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति का ही असर है कि पहली बार चीन ने भारत का विरोध नहीं किया है। इससे यह उम्मीद की जा सकती है कि अब भारत की राह में कोई रोड़ा नहीं रह गया है, हालांकि चीन ने जापान के नाम का खुलकर विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी और 10 अस्थायी सदस्य होते हैं। अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन को स्थायी सदस्यता हासिल है। इन देशों के पास वीटो का अधिकार है, जबकि अस्थायी सदस्य दो-दो साल के लिए चुने जाते हैं। उनका चुनाव क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखकर किया जाता है।

परिषद की स्थापना को 80 साल हो चुके हैं। भारत समेत दुनिया के कई देश चाहते हैं कि इसके स्ट्रक्चर में बदलाव किया जाए और भारत समेत कुछ और देशों को वीटो की शक्ति के साथ स्थायी सदस्य बनाया जाए, लेकिन स्थायी सदस्य नहीं चाहते कि उनके बराबर कोई और देश खड़ा हो, इसलिए वे भारत को स्थायी सदस्य बनाना तो चाहते हैं, पर वीटो की शक्ति नहीं देना चाहते। चीन तो अब तक भारत के विरोध में ही रहा है। जब भी भारत का नाम आया, उसने पाकिस्तान को भी स्थायी सदस्य बनाने की मांग रखकर अड़ंगा लगाया, लेकिन ब्रिटेन और रूस के बाद अब फ्रांस का भारत को स्थायी सदस्य बनाने के साथ ही वीटो की शक्ति देने की मांग उठाना भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है।

भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके, इसके लिए जरूरी है कि उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाए। स्थायी सदस्य बनने का मतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में भारत का योगदान और बढ़ जाएगा। सुरक्षा परिषद में स्ट्रक्चर में बदलाव को लेकर चर्चा हो रही है। अगर इसमें सहमति बनती है, तो भारत स्थायी सदस्य बन जाएगा, वह भी वीटो पॉवर के साथ। फ्रांस ने कहा है कि वीटो पॉवर के साथ भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। भारत जनसंख्या के मामले में दुनिया का पहला सबसे बड़ा देश है। भारत का रुख साफ है। वह दो अफ्रीकी देशों को स्थायी सदस्यता दिलाना चाहते हैं। भारत के अलावा ब्राजील, जर्मनी और जापान को भी एक-एक सीट मिलनी चाहिए, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इन देशों की जिम्मेदारियां हैं।

चीन के स्थायी दूत ने बैठक में भारत का विरोध नहीं किया है, जो उसके भारत के प्रति बदलते नजरिए को दिखाता है। चीन ने सिर्फ जापान का विरोध किया और कहा कि जापान जिस तरीके से ताइवान के मुद्दे पर मुखर है, उससे यह साबित होता है कि जापान यूएन की स्थायी सदस्यता मांगने का कोई अधिकार नहीं रखता है। यदि जापान को स्थायी सदस्यता देने की कोशिश की गई, तो हम इसका खुलकर विरोध करेंगे। चीन के रुख से अब उम्मीद है कि भारत आसानी से स्थायी सदस्य बन जाएगा। हां, अमेरिका को भी इसके लिए तैयार करना होगा कि वह भी भारत को वीटो की शक्ति देने के लिए तैयार हो। उसे मनाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम तो करेगी ही, फ्रांस और ब्रिटेन भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन के लिए तैयार कर लेंगे, हालांकि अमेरिका भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने का प्रबल समर्थक रहा है, लेकिन उसने भी कभी नहीं चाहा कि भारत को वीटो मिले, लेकिन उम्मीद है कि उसका रुख भी अब सकारात्मक रहेगा।

चीन की टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिका से छिड़ी रार के बाद वह भारत के समर्थन में कई मुद्दों पर खुलकर आगे आया है। पाकिस्तान की अमेरिका से बढ़ती नजदीकी से चीन नाराज है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने पाकिस्तान का पर्दे के पीछे से साथ दिया था, लेकिन अचानक अमेरिका के पाले में पाकिस्तान के जाने से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी सकते में हैं। पाकिस्तान की धरती पर अमेरिका कई बड़े मिनरल्स का खनन करने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि वह पाकिस्तान में अपना सैन्य बेस भी बना सकता है। यदि ऐसा होता है तो चीन के लिए यह शुभ संकेत नहीं होगा। यही वजह है कि अब चीनी नेतृत्व धीरे-धीरे भारत के करीब आ रहा है और पाकिस्तान की नीतियों का समर्थन करने से बच रहा है।

सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने के लिए उसके चार्टर में संसोधन करना होगा। भारत को सभी स्थायी सदस्यों का समर्थन लेने के साथ ही जनरल असेंबली में दो तिहाई सदस्यों का समर्थन प्राप्त करना होगा। फिलहाल परिषद में 193 देश सदस्य के रूप में हैं। इनमें से 145 देशों का समर्थन हर हाल में भारत को चाहिए। वैसे तुर्किए, पाकिस्तान, अजरबैजान को छोड़ दें, तो शायद ही कोई देश भारत के विरुद्ध खड़ा हो। हालांकि अजरबैजान के रुख में भी परिवर्तन आया है। वह भारत से धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिका भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थक तो रहा है, लेकिन उसने कभी नहीं चाहा कि भारत को वीटो मिले। उम्मीद है कि उसका रुख भी अब सकारात्मक ही रहेगा।

सोशल फोरम

एक कामयाब इनसान की नाकाम दास्तान

यह व्यक्ति 1809 में जन्मा था। 1816 में, 7 साल की उम्र में, उसे काम करने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि उसका परिवार बेदखल किया जा रहा था। 1818 में, उसने अपनी मां को खो दिया। 1828 में, उसने अपनी बहन को खो दिया। 1831 में, उसने अपना पहला व्यवसाय शुरू किया और दिवालिया हो गया। 1832 में, उसने विधानसभा के चुनाव में हिस्सा लिया और हार गया।

1833 में, उसने एक और व्यवसाय शुरू करने के लिए पैसे उधार लिए और फिर से दिवालिया हो गया। 1835 में, उसे एक अद्भुत महिला से प्रेम हुआ। वे दोनों सगाई करते हैं और वह महिला मर जाती है। 1836 में, वह अपने जीवन के अत्यंत अंधेरे दौर से गुजरा और गहरे अवसाद में चला गया। वह लगातार 6 महीने बिस्तर से उठा ही नहीं, लेकिन फिर वह उठा।

संजीव कुमार
शिक्षक

वह उठा और उसी साल 1836 में उसने फिर से विधानसभा के चुनाव लड़े और फिर हार गया। 1840 में, उसने चुनाव लड़ा और हार गया। 1842 में, वह उस महिला से मिला, जिसके साथ वह बूढ़ा होगा- उसकी पत्नी। वे प्रेम में पड़े, सगाई की, शादी की और उसने उसे चार बच्चे दिए, जिनमें से तीन को वे खो बैठे। 1843 में, उसने कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा और हार गया। 1845 में, उसने फिर से कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा और फिर हार गया।

1850 में, बेटा मर गया। 1854 में, उसने सीनेट का चुनाव लड़ा और हार गया। 1856 में, उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ा और सौ वोट भी हासिल नहीं कर सका। 1858 में, उसने फिर सीनेट के लिए चुनाव लड़ा और फिर हार गया और 1860 में, अब्राहम लिंकन संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए और उन्होंने दो अद्वितीय कार्यकाल पूरे किए, जिन्होंने उन्हें अमेरिकी इतिहास के सबसे सम्मानित राष्ट्रपतियों में से एक बना दिया।

हम केवल नायक को देखते हैं, लेकिन सफलता के पर्दे के पीछे की कठिनाइयां नहीं देखते। -फेसबुक वाल से

सामयिकी

हर दसवां भारतीय मधुमेह का शिकार

हाल ही में जारी अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह महासंघ (आईडीएफ) की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में 589 मिलियन वयस्क मधुमेह से पीड़ित हैं, जबकि 252 मिलियन लोग इस बात से बिल्कुल अनभिज्ञ हैं कि वे इस बीमारी की गिरफ्त में हैं। वहीं भारत में भी हर दसवां वयस्क डायबिटीज का रोगी है। ऐसे में मधुमेह यानी डायबिटीज अब केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि एक मौन महामारी बन चुकी है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि स्थिति पर तुरंत नियंत्रण नहीं पाया गया, तो 2050 तक भारत में मधुमेह रोगियों की संख्या 15.7 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती होगी।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

आईडीएफ की रिपोर्ट के अनुसार, वयस्कों में मधुमेह की दर 11.1 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। मधुमेह केवल शुगर की समस्या नहीं, बल्कि यह शरीर के अन्य अंगों हृदय, किडनी, आंखों और मस्तिष्क पर गहरा असर डालती है। दुनिया के साथ भारत में भी स्थिति चिंताजनक है। देश में फिलहाल लगभग 89 मिलियन लोग डायबिटीज से जूझ रहे हैं, जबकि 50 फीसदी लोग ऐसे हैं, जिन्हें ये तक नहीं पता कि वे डायबिटीज से ग्रसित हैं।

यह आंकड़ा तब और भयावह लगता है, जब यह जानने को मिलता है कि यह रोग अब बड़ों के साथ बच्चों और किशोरों में भी तेजी से फैल रहा है। वर्ष 2024 में मधुमेह संबंधी स्वास्थ्य व्यय पहली बार एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से पार गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह जीवन भर साथ रहने वाली बीमारी है। एक बार इसकी चपेट में आने के बाद इसे नियंत्रित करना ही एकमात्र उपाय रह जाता है।

देश के कई राज्यों में हालात बेहतर नहीं हैं। गोवा में डायबिटीज की दर 26.4 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक है। पुडुचेरी 26.3 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। केरल 25.5 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। राजस्थान में इस वर्ष के अंत तक मधुमेह रोगियों की संख्या दस लाख तक पहुंचने का अनुमान है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य में मधुमेह का प्रसार लगभग 10 प्रतिशत है, जबकि सिर्फ पिछले दस महीनों में छह लाख नए मामले सामने आए हैं। यह इस बात का संकेत है कि बीमारी कितनी तेजी से पैर पसार रही है।

उत्तर प्रदेश में यह दर 4.8 प्रतिशत है, लेकिन यह तेजी से बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में अब इस बीमारी की दर में कोई खास अंतर नहीं बचा है। यह धारणा पूरी तरह टूट चुकी है कि मधुमेह केवल शहरी जीवनशैली की देन है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, देश के केवल सात प्रतिशत मरीज अपनी बीमारी को लेकर गंभीर हैं और इसे नियंत्रण में रखने के लिए सभी चिकित्सकीय सलाहों का पालन करते हैं। बाकी 93 प्रतिशत मरीज या तो अपनी बीमारी को हल्के में लेते हैं या उसकी गंभीरता से अनजान रहते हैं। यही लापरवाही आगे चलकर गंभीर जटिलताओं को जन्म देती है।

मधुमेह के साथ हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक और किडनी फेल्योर जैसी समस्याएं जुड़ी रहती हैं। इस बीमारी से पीड़ित लोगों में साइलेंट हार्ट अटैक का खतरा कई गुना अधिक होता है। अनुसंधान बताते हैं कि जो व्यक्ति मधुमेह से मुक्त हैं, उनमें दिल का पहला दौरा पड़ने पर मरने की संभावना 20 प्रतिशत होती है, जबकि मधुमेह रोगियों में यह संभावना 80 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। अब मधुमेह केवल बुजुर्गों या मध्यम आयु वर्ग तक सीमित नहीं रहा। यह युवाओं और किशोरों तक पहुंच चुका है। 12 से 13 वर्ष के बच्चों में टाइप-2 डायबिटीज के मामले सामने आना बेहद चिंताजनक है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना* 05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

जीवन में संस्कारों से होती है व्यक्ति की पहचान

जीवन में अच्छे संस्कारों से अच्छे इंसान की पहचान की जाती है। दूसरी ओर हम यह कह सकते हैं कि अच्छे संस्कार बेहतर जीवन की नींव होते हैं। मानव जीवन में सबसे पहले दृश्य होने वाले भाव उसके संस्कार ही होते हैं। सरल शब्दों में कहें, तो संस्कार बिन मनुष्य पशु समान है। अच्छे बुरे का भेद हमें संस्कारों से ही पता चलता है। बच्चे जो कुछ भी सीखते हैं वे सब संस्कारों की श्रेणी में फलता फूलता है। अच्छे संस्कार बेहतर कल का निर्माण करने में सहायक होते हैं। वास्तविकता पर प्रकाश डाला जाए, तो हमें ज्ञात होगा कि हमारे हर एक कार्य पर संस्कारों की छवि झलकती है। फिर चाहे वह कार्य छोटा हो या बड़ा, हमारा हर आचरण हमारे संस्कारों को ही दर्शाता है। भला ऐसे कौन से माता-पिता होंगे, जो अपने बच्चों को अच्छे संस्कारों से हीन देखना चाहते होंगे?

शिवालिक अवस्थी
लेखक

बचपन से ही दें अच्छी परवरिश

हम बात तो यहां अच्छे संस्कारों की कर रहे हैं, लेकिन बचपन से ही अच्छे संस्कारों का समावेश कैसे किया जाए यह बात ध्यान देने योग्य है। आईए इस पर थोड़ा प्रकाश डालते हैं। बच्चों में अच्छे संस्कारों का सृजन माता-पिता द्वारा जीवन के शुरुआती दौर में ही कर देना चाहिए। बढ़ती उम्र के साथ बच्चों को हर एक संस्कार से रूबरू करवाना माता-पिता का कर्तव्य समझा जाता है। हर कार्य को सही ढंग से पूर्ण करना चाहिए, जिसके लिए बच्चों को अच्छे-बुरे की पहचान होना अनिवार्य हो जाता है। कौन सा कार्य अच्छा है और कौन सा कार्य बुरा है यह संस्कारों के अधीन ही समझा जाता है। सुबह उठते ही बच्चों द्वारा अपना बिस्तर समेटना, उनके संस्कार को दर्शाता है। दिनचर्या के कार्यो को सही ढंग से पूर्ण करना, संस्कारों की श्रेणी में आता है। भोजन कैसे ग्रहण किया जाता है यह भी संस्कारों में शामिल किया गया है।

अच्छे संस्कारों के कारण बच्चे अपने रोजमर्रा के कार्यों को सफलतापूर्वक करने में सक्षम बन जाते हैं। सही ढंग से भोजन ग्रहण करना सीख जाते हैं। बेहतर संस्कारों के कारण ही बच्चे, बड़ों का आदर सम्मान करना सीख जाते हैं। बच्चों को अच्छाई-बुराई का बोध भी अच्छे संस्कारों के कारण ही होता है। कौन सा कार्य करना उचित है और कौन सा अनुचित यह बच्चों को संस्कारों के ग्रहण करने से ज्ञात हो जाता है। आज के इस युग में कई जगह देखा जाता है कि बच्चों के जीवन से संस्कार लुप्त होते जा रहे हैं, जिस कारण बच्चों द्वारा कार्य करने के तरीके भी बदल चुके हैं। अब बच्चे बिना मोबाइल के भोजन तक ग्रहण नहीं करते हैं, जो सरासर गलत है। नतीजन भोजन पाचन क्रिया में कठिनता नजर आने लगी है। कई बच्चे तो एक ओर टीवी अथवा मोबाइल को देखने के लिए लेटे होते हैं, तो दूसरी ओर वह भोजन भी ग्रहण कर रहे होते हैं। अब इस क्रिया में बच्चों का पेट कैसे भरेगा और भोजन कैसे पचेगा यह समझ से परे है। नतीजन मोटापे या कुपोषण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

दूसरी ओर बच्चों में यदि संस्कार अच्छे होंगे, तो बच्चे भी बड़े-बुजुर्गों के साथ बैठकर आराम से भोजन ग्रहण करेंगे, जो जीवन में अति आवश्यक भी है। आजकल ज्यादातर बच्चों ने अपने से बड़ों के पांव छूकर आशीर्वाद लेने का महत्व भी खो दिया है। बच्चों को चाहिए कि वे रोज सुबह उठकर अपने माता-पिता के पांव छूकर स्कूल जाएं। स्कूल में अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लिया जाए। अथवा घर में कोई मेहमान आए, तो उसके भी पांव छूकर आशीर्वाद लिया जाए। यह क्रियाएं नैतिक संस्कारों की श्रेणी में आती हैं, जिनका प्रभाव जीवन भर रहता है। जीवन में स्वछता को अपनाना भी संस्कार माना गया है। इसलिए बच्चों को स्वछता का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। स्वछता के अलावा सुबह जल्दी उठना, रात को जल्दी सोना भी बच्चों के विशेष संस्कारों में सम्मिलित होना चाहिए। स्कूल की बात करें, तो बच्चों को अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करना चाहिए। अपने गुरु के कहे शब्दों को ध्यानपूर्वक ग्रहण करना चाहिए। स्कूल के नियमों का पालन करना चाहिए और नियमों का पालन वही विद्यार्थी कर सकता है, जिसके भीतर संस्कारों का बीज अंकुरित किया जा चुका हो।

मोबाइल से बच्चों को दूर रखें

आज के समय में बच्चों में संस्कार मानो लुप्त होते जा रहे हैं। बच्चे चिड़चिड़ेपन का शिकार होते जा रहे हैं। बच्चे घर में आए मेहमानों से मिलने को कतराते हैं। अकेलेपन को ज्यादा पसंद करने लगे हैं। मोबाइल से ज्यादा लगाव लगाकर बैठे हैं। मानो बच्चों ने अपना बचपन ही बेच दिया हो। दुनिया की इस चकाचौंध में बच्चे अपना बचपन खो बैठे हैं। अब जरूरत है, तो बच्चों के खोए हुए बचपन को लौटाने की, जिसमें संस्कार अपनी विशिष्ट भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों में ऐसे संस्कार निहित होने चाहिए, जिनसे वह जीवन का मूल मकसद समझ सकें। माता-पिता और गुरु यह तीन ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जो बच्चों में संस्कारों का निर्माण करने में सक्षम होते हैं। बच्चों के जीवन की नींव इन्हीं तीन स्तंभों पर टिकी होती है। बाहर हर बच्चा अक्सर वैसा ही व्यवहार करता है जैसा वह घर के वातावरण से सीखता है, इसलिए विशेष रूप से माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों में संस्कारों की ऐसी पैदावार करें, जो जीवनपर्यंत बच्चों के लिए फलदायक साबित हो।

...फिर जिले में कभी तैनाती नहीं ली

आपबीती

बात है वर्ष 1986 की, जिला बुलंदशहर में सीओ अनूप की तैनाती के तीन महीने में कप्तान साहब ने मेरे कार्यक्षेत्र के पांच थानों में फेरबदल करते हुए दो छोटे थाने हटाकर दो बड़े थाने पकड़ा दिए। अब अलीगढ़ सीमा से मुरादाबाद (अब अमरोहा जिला) सीमा तक गंगा किनारे का बड़ा इलाका पुलिसिंग के लिए मिल गया। नए मिले थानों के बारे में ब्रीफ किया गया कि साल के शुरुआती ढाई महीने में ही डकैती के एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं और मेरे इलाके में अपराध कमोबेश कंट्रोल में है। नए लड़के हैं, जाकर इस इलाके में कंट्रोल कीजिए। उसी शाम एक कोतवाली पर पंहुचकर उपनिरीक्षकों से अपराध के बारे में चर्चा की। इंस्पेक्टर को क्राइम कंट्रोल मे विफल रहने के कारण हरिद्वार कुंभ मेला ड्यूटी भेज दिया गया था। बचे थाना पर तीन-चार नए और तीन पुराने दारोगा।

पुरानों दारोगाओं में सीनियर इंचार्ज पी. पी. सिंह शांत स्वभाव के और दिनभर मेहनत करने वाले अफसर थे। दूसरे यादव जी थे, लिखा-पढ़ी में इतने माहिर कि तफ्तीश में कोई भी नतीजा लिख दें, उसमें कमी निकाल पाना आसान नहीं होता था। तीसरे खुर्शीद गौहर-50 से ऊपर की उम्र में सुंदर व शालीन व्यक्तित्व के मालिक, उतनी ही नफासत भरी बातचीत, मानो पश्चिमी उप्र में लखनऊ उतर आया हो। सेवा में नए होने के कारण पूरी गंभीरता से डकैतियों की रोकथाम की कार्ययोजना के बारे में पूछने पर जनाब खुर्शीद गौहर साहब ने लखनवी अंदाज में फरमाया- 'हुजूर! अब आप का हुक्म है, तो नहीं पड़ेंगी।' मेरी जिज्ञासा पर उन्होंने बतलाया- 'साहब! मेहनत से गश्त की जाएगी। मुखबिरान मामूर (सक्रिय) किए जाएंगे। माशाल्लाह! आप भी जवान हैं, रात भर इलाके में घूमते ही रहते हैं। डकैती की क्या मजाल, जो पड़ जाएगी।'

इसके बाद अगले दो-ढाई महीनों तक उन नए थानों में डकैती तो दूर, चोरी-नकबजनी पर भी मानो ब्रेक सा लग गया। मासिक क्राइम मीटिंग में कप्तान साहब जब कहते कि नया लड़का है, कैसे क्राइम कंट्रोल कर रखा है, तो सीना खुद-ब-खुद चौड़ा हो जाता। इस बीच मंडल के डीआईजी साहब भी शाबासी दे गए। कुछ ही दिन बाद उसी थाना क्षेत्र के एक उभरते युवा नेता अपने शस्त्र लाइसेंस के प्रार्थना पत्र पर संस्तुति कराने के सिलसिले में मिलने आए। मैं खाली बैठा था, सो बातचीत का सिलसिला निकल पड़ा। बातों-बातों में नेताजी ने उक्त थाने के कामकाज की तारीफ करते हुए जो कहा, उसने मेरे पैरों तले से जमीन हिला दी। उन्हीं के शब्दों में-'साब, जबसे आपने हमारे थाने को संभाला है, पुलिस इतनी मेहनत कर रही है कि पूछिऐ मत। पहले तो रात में निकलता ही नहीं था कोई। अभी हाल में फलाने गांव मे डाका पड़ा, इतनी मेहनत करी पुलिस ने और पिछले महीने ढिमके गांव में डकैती पड़ी, साब, कितनी मेहनत की पुलिस वालों ने। गजब का सुधार हुआ है, आप के आने से...' अब मुझे काटो तो खून नहीं। उन्हें विदाकर अपने बुजुर्ग पेशकार ओमप्रकाश सिंह तोमर को बुलाकर नेताजी की तारीफ के बारे में बतलाते हुए चिंता व्यक्त की। पेशकार बहुत अनुभवी थे। उन्होंने कहा कि कोई शिकायत तो नहीं आई है सर। ऊपर के अफसर भी कहां चाहते हैं कि क्राइम बढ़े। जब कोई शिकायत आएगी, तब कार्रवाई कर दीजिएगा।

मुझे परेशानी से उबरता न देखकर पेशकार साहब ने विभाग का रहस्य बतलाया कि सरकार से थानेदार तक कोई नहीं चाहता कि अपराध बढ़ता दिखाई दे। सब आंकड़ों का खेल है। अपराध के आंकड़े बढ़ने पर विपक्ष सरकार को घेर लेती है और सरकार अफसरों को। थानेदार लूट-डकैती नहीं लिखता है। अफसरों की नौकरी बचाने के लिए और चोरी-नकबजनी नहीं लिखता है, अपनी थानेदारी बचाने के लिए, लेकिन सच यह है कि डकैती न लिखने पर भी मौके पर सारी कार्रवाई का दिखावा करना पड़ता है, अपराधी भी पकड़े जाते हैं, बस उन्हें डकैती के बजाय डकैती की योजना बनाते हुए पुलिस मुठभेड़ में तमंचा आदि के साथ पकड़कर बंद कर दिया जाता है। फिर उनकी पिटाई कर इतनी दहशत भर दी जाती है कि वह महीनों जमानत नहीं कराते। अभी जो बदमाश मुठभेड़ में मारे गए हैं, वह सभी शातिर लुटेरे हैं। बाकी क्राइम कंट्रोल मिमिमाइजेशन (अपराध को हल्के धाराओं में दर्ज करना) और कंसीलमेंट (अपराध को बिल्कुल न लिखना) पर ही चल रहा है पूरे सूबे में। इसके बाद मेरे ज्ञान चक्षु खुल गए और मैंने कभी जिला पुलिस में तैनाती के लिए कोशिश नहीं की और नौकरी का बड़ा हिस्सा इंटेलिजेंस, विजिलेंस और सुरक्षा में बिताकर आज से साढ़े आठ साल पहले रिटायर हो गया।

-अरुण गुप्ता
पूर्व आईपीएस, उप्र

लव बर्ड्स

वो दोस्त जो जीवनसाथी बन गया

दोस्ती-एक ऐसा रिश्ता जो धीरे-धीरे जीवन की सबसे मजबूत नींव बन जाता है। कुछ ऐसा ही मेरे साथ भी हुआ। मुझे आज भी याद है, 2009 की बात है, जब मैं केमिस्ट्री की कोचिंग कर रही थी। हमारी क्लास में एक लड़का था, हमेशा शांत, विनम्र और पढ़ाई में अव्वल। वहीं मैं स्वभाव से काफी चंचल थी। हमारी कोचिंग के दिनों में हम दोनों के बीच लगभग कोई बातचीत नहीं होती थी। कोचिंग पूरी होने के बाद मैं बीएससी करने चली गई और वह भी अपनी पढ़ाई में व्यस्त हो गया। अचानक एक दिन हमारी मुलाकात हुई और वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। समय के साथ यह दोस्ती गहरी होती गई और हम अपनी छोटी-बड़ी सभी बातें एक-दूसरे से साझा करने लगे।

इसी दौरान मेरी बड़ी बहन, जिन्हें ब्रेन ट्यूमर था, उनका ऑपरेशन दिल्ली के एम्स में होना था। उस समय मेरे साथ केवल दो बहनें थीं-एक जो बीमार थीं और दूसरी जो मेरा सहारा बनी हुई थीं। वहां छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी हमें कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यह बात मैं अक्सर अपने दोस्त से साझा करती थी। शायद उसे महसूस हुआ कि हम वहां अकेले संघर्ष कर रहे हैं, इसलिए उसने अपने घर पर झूठ बोलकर दिल्ली पहुंचने का फैसला कर लिया। दिल्ली पहुंचकर उसने मेरी बड़ी बहन के साथ मिलकर सारा काम संभाल लिया। ऑपरेशन सफल रहा और मेरी बहन पूरी तरह ठीक हो गई। इस घटना के बाद हमारी दोस्ती और मजबूत हो गई। वह मेरे घर आने-जाने लगा और देखते ही देखते हमारे परिवार का एक अभिन्न हिस्सा बन गया। इसी बीच मेरे शादी के रिश्तों की बातचीत भी चल रही थी। घर में पापा की सबसे छोटी और सबकी लाडली होने के कारण सभी मेरे लिए बेहतर से बेहतर रिश्ता ढूंढने में लगे थे। लेकिन मेरे मन में लगातार एक डर था कि कहीं मेरा विवाह ऐसी जगह न हो जाए जहां मैं अपनी तरह से जीवन न जी सकूं। कई रिश्ते आते-जाते रहे, और मैं लगातार उलझन में डूबी रही। एक दिन, इसी उधेड़बुन में, मैंने अपने दोस्त से पूछा-"अगर तुम्हारे जीवन में कोई और नहीं है। तो क्या तुम मुझसे शादी करोगे?"

वह कुछ क्षणों के लिए सक्त रह गया। फिर बोला- "मुझे थोड़ा समय दो मैंने कभी इस बारे में सोचा ही नहीं।" मैंने उसका उत्तर पाने के लिए इंतजार किया। मगर हमारे बीच एक बड़ी बाधा थी-जाति। वह ठाकुर था और मैं कायस्थ। कई उतार-चढ़ाव आए, कई बार स्थितियां मुश्किल हुईं, लेकिन अंततः हमने हिम्मत दिखाई। मैंने अपने परिवार को और उसने अपने परिवार को इस रिश्ते के लिए मनाया। लंबी कोशिशों और अनेक भावनात्मक संघर्षों के बाद, 22 फरवरी 2022 को हमारी शादी धूमधाम से संपन्न हुई। आज भी हम पहले की तरह ही अच्छे दोस्त हैं। हमारी दोस्ती ही हमारा सबसे मजबूत रिश्ता है-वही दोस्ती जो सम्मान, भरोसे और साथ से पति-पत्नी के सुंदर बंधन में बदल गई।

-आशीष एवं नैंसी श्रीवास्तव, अयोध्या।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,231.92	26,068.15
गिरावट	400.76	124
प्रतिशत में	0.47	0.47

सोना 1,26,715.00 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,54,900 प्रति किलो

अमृत विचार
अयोध्या, शनिवार, 22 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

कॉम्बिनेशन मीटर बदलने को 11500 अर्बन क्रूजर हाइडर वापस मंगाईं

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर अपने मध्यम आकार की एसयूवी अर्बन क्रूजर हाइडर की 11,529 इकाइयों को डैशबोर्ड के एक हिस्से की जांच और बदलने के लिए वापस मंगा रही है। इन इकाइयों को वापस मंगाने का मकसद नौ दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच बनी 11,529 वाहनों में यदि 'कॉम्बिनेशन मीटर' में खराबी पाई जाती है, तो उसकी जांच करना और बदलना है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि अपने 'सबसे पहले ग्राहक' दृष्टिकोण और उच्चतम गुणवत्ता मानकों के प्रति प्रतिबद्धता के तहत कंपनी ग्राहकों की चिंताओं को तुरंत दूर करती रहेगी।

इजराइल के साथ एफटीए का रास्ता खुला

नई दिल्ली। भारत और इजराइल के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जल्द ही वार्ता शुरू होगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इजराइल के उद्योग एवं आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के बीच हुई एक बैठक में एफटीए पर बातचीत की दिशा तय करने के लिए दोनों मंत्रियों ने गुरुवार को एक टर्म ऑफ रिफ्रेंस (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए। इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर गए गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि अंतिम मुक्त व्यापार समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत को आसान बनाने की दिशा में टीओआर पहला जरूरी कदम है।

इंटरग्लोब एविएशन में 82 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी इंडिगो

मुंबई। घरेलू विमान कंपनी इंडिगो ने विमान अधिग्रहण के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंटरग्लोब एविएशन फाइनेंशियल सर्विसेज आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड में 82 करोड़ डॉलर (करीब 7,270 करोड़ रुपये) के निवेश को शुक्रवार को मंजूरी दे दी है। यह निवेश शेयर और 0.01 प्रतिशत गैर-संचयी वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय प्रतिदेय तरजीही शेयर (ओसीआरपीएस) के संयोजन के माध्यम से एक या एक से अधिक किस्तों में किया जाएगा।

रियल एस्टेट और इन्फ्रा निवेश ट्रस्टों में खुदरा निवेश बढ़ाने की जरूरत

सेबी प्रमुख ने कहा- बुनियादी ढांचा जरूरतों के लिए पैसे जुटाने का अनोखा अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय वित्त मंत्रालय और राज्य सरकारों के साथ की जा रही चर्चा

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहीन कांत पांडेय ने रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों (रिट्स) और बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्टों (इनविट्स) में खुदरा निवेश बढ़ाने की जरूरत पर बल देते हुए शुक्रवार को कहा कि ये दोनों तंत्र देश की बुनियादी ढांचा जरूरतों के लिए पैसे जुटाने का अनोखा अवसर प्रदान करते हैं।

भारत इनविट्स एसोसिएशन और इंडियन रिट्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए पांडेय ने बताया कि सेबी दोनों इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश बढ़ाने के उपाय कर रहा है। इसके लिए वह केंद्रीय वित्त मंत्रालय और राज्य सरकारों के साथ भी चर्चा कर रहा है। उन्होंने एमएससीआई की तरह दूसरे सूचकांकों में इन्हें अधिक से अधिक शामिल करने की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम में नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने कहा कि सरकार को परिसंपत्ति प्रबंधन की जिम्मेदारी निभाने की बजाय इनविट्स बनाकर उसके मौद्रीकरण को सरल बनाने पर विचार करना चाहिये। उन्होंने कहा कि भारत के पास रिट्स और इनविट्स मिलाकर एक लाख करोड़ डॉलर यानी लगभग 90 लाख करोड़ रुपये के निवेश तक पहुंचने की संभावना है।

वर्तमान में देश में पांच सूचीबद्ध रिट्स और 24 सूचीबद्ध इनविट्स हैं। इनके पास सम्मिलित रूप से 9.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश है। इसमें सात लाख करोड़ रुपये का निवेश इनविट्स के पास है। पांडेय के अनुसार आने वाले समय में देश में सड़क, परिवहन, शहरीकरण, ऊर्जा और विमानन क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। वैश्विक स्तर पर जहां सभी सूचीबद्ध रियल एस्टेट परिसंपत्तियों में 57 प्रतिशत रिट्स और इनविट्स का हिस्सा हैं, वहीं भारत में यह महज 12 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि दोनों तंत्र देश में नये हैं और इन्हें बढ़ावा देने के उपाय किये जाने चाहिये।

सेबी ने पेंशन फंड नियामक और बीमा नियामकों से उनके द्वारा नियमित इकाइयों को इनविट्स और रिट्स में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की। साथ ही कहा कि म्यूचुअल फंडों में अतिरिक्त तरलता पूल तैयार किया जायेगा ताकि इन दोनों तंत्रों में निवेश कर देश में बुनियादी ढांचे के लिए ज्यादा से ज्यादा पूंजी उपलब्ध करायी जा सके। उन्होंने खुदरा निवेशकों को इनविट्स और रिट्स में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि देश में सिर्फ 10 प्रतिशत निवेशक इनके बारे में जागरूक हैं। खुदरा निवेशकों को अन्य विकल्पों की तरह इन्हें एक स्वाभाविक विकल्प के रूप में देखना चाहिये।

भारतीय उपमहाद्वीप के अध्ययन को 100 करोड़ देगा अडानी ग्रुप

अहमदाबाद। अडानी समूह भारतीय उपमहाद्वीप - विशेषकर भारत - के इतिहास, यहां की संस्कृति और विरासत के अध्ययन के लिए काम करने वाले विद्वानों और प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञों को 100 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करेगा। समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने शुक्रवार को अडानी वैश्विक इंडोलॉजी सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत नॉलेज ग्राफ बनाने और इंडोलॉजी मिशन में काम करने वाले विद्वानों और विशेषज्ञों के लिए वित्तीय प्रतिबद्धता की घोषणा की। कहा कि आने वाले समय में बच्चे अपने देश के बारे में जानने के लिए न तो किताबों के पन्ने पलटेंगे और न ही किसी जानकार के पास जायेंगे। वे एआई से और मशीन से पूछेंगे। वर्तमान समय में भारत के बारे में एआई पर जो भी उपलब्ध है वह देश को सही ढंग से परिभाषित नहीं करता और इसलिए भारत नॉलेज ग्राफ तैयार करने और इंडोलॉजी मिशन की जरूरत है।

शेयर बाजार में जारी तेजी थमी सेंसेक्स 400 अंक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

घरेलू शेयर बाजारों में दो दिनों से जारी तेजी पर शुक्रवार को विराम लगा और दोनों मानक सूचकांक, बीएसई सेंसेक्स 400 अंक लुढ़क गया, जबकि एनएसई निफ्टी 124 अंक टूटा। कमजोर वैश्विक रुझानों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में गिरावट आई। तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 400.76 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,231.92 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 444.84 अंक तक फिसल गया था। पचास शेयर वाला एनएसई निफ्टी 124 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,068.15 पर बंद हुआ। पिछले दो सत्र में यह एक प्रतिशत यानी 282 अंक से अधिक चढ़कर 26,000 के पार पहुंच गया था। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और इटर्नल के शेयर में प्रमुख रूप से गिरावट आई। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और आईटीसी शामिल हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका में उम्मीद से बेहतर गैर-कृषि वेतन आंकड़ों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कम कर दिया है। इससे वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा कमजोर हुई। एआई से संबंधित शेयरों में जरूरत से अधिक तेजी को लेकर चिंता ने भी वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। एशिया के अन्य बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई।

चार श्रम संहिता लागू की गईं मौजूदा श्रम कानून होंगे सरल

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसले में चार श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा की। इनके जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया गया है। ये चार श्रम संहिताएं - वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता, 2020 हैं।

श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बताया कि चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है और अब ये देश का कानून हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि श्रम नियमन को आधुनिक बनाकर, श्रमिकों के कल्याण को बढ़ाकर तथा श्रम परिवेश को बदलते कार्य जगत के साथ जोड़कर यह कदम भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और मजबूत उद्योगों की नींव रखता है। बयान में कहा गया कि इससे आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधारों को गति मिलेगी। मंत्रालय ने कहा कि भारत के कई श्रम कानून आजादी से पहले और आजादी के शुरुआती दौर (1930 से 1950 के दशक तक) में बनाए गए थे। उस समय अर्थव्यवस्था और कार्य जगत बहुत अलग थे। बयान में आगे कहा गया कि अधिकांश बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने हाल के दशकों में अपने श्रम नियमन को समय के अनुसार बदला है, लेकिन भारत 29 केंद्रीय श्रम कानूनों में बिखरे हुए खंडित, जटिल और पुराने प्रावधानों के साथ काम रहा था।

एसएफआईओ के नोटिसों पर आसान सत्यापन के लिए होगा क्यूआर कोड

नई दिल्ली, एजेंसी। गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) द्वारा जारी नोटिसों पर अब क्यूआर कोड का प्रावधान किया गया है जिसके माध्यम से आसानी से इनका सत्यापन किया जा सकेगा। कंपनीज एक्ट, 2013 के तहत गठित एसएफआईओ इस कानून की धारा 212 के तहत सौंपे गये गंभीर और बड़े कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की जांच करता है और उन पर केस चलाता है। जांच के दौरान, नियमों के मुताबिक नोटिस भी जारी किया जाता है।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि एसएफआईओ ने समन अथवा नोटिस के गलत इस्तेमाल या नकल को रोकने के लिए प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया के स्तर पर सुरक्षात्मक उपाय किये हैं। एसएफआईओ द्वारा जारी किये गये नोटिस डिजिटली जेनरेट होते हैं और उनमें एक क्यूआर कोड और एक विशिष्ट दस्तावेज पहचान संख्या (डीआईएन) होता है। कुछ बेहद खास परिस्थितियों को छोड़कर एसएफआई के अधिकारियों को सिर्फ़ डिजिटल तरीके से जेनरेट नोटिस जारी करने का अधिकार है।

जंगली जानवरों और बाढ़ से फसल नुकसान भी अब पीएम फसल बीमा योजना के दायरे में

नागपुर, एजेंसी

- नागपुर में हुए एग्रोविजन इवेंट में केंद्रीय कृषि मंत्री ने शिवराज सिंह की घोषणा

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि जलभराव और जंगली जानवरों से फसल के नुकसान का मुआवजा अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत मिलेगा। नागपुर में 'एग्रोविजन इवेंट' में एक सभा को संबोधित करते हुए, चौहान ने कहा कि सरकार ने वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में अनाज का उत्पादन छह प्रतिशत बढ़ाने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने कहा कि पिछले 10-11 सालों में कुल उत्पादन 44 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में, कोई यह अंदाजा नहीं लगा सकता कि कब बारिश होगी या कब सूखा पड़ सकता है।

चौहान ने कहा कि मैं किसानों को अच्छी खबर देना चाहता हूं... पीएमएफबीवाई, जो फसल के नुकसान के लिए जोखिम से सुरक्षा और मुआवजा देती है, के दायरे में अब बाढ़ और जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान को भी शामिल किया जाएगा। चौहान ने कहा कि किसान लंबे समय से ऐसे प्रावधान नहीं होने की शिकायत कर रहे थे, और अब इस योजना के तहत इन नुकसानों की भरपाई की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत खेती के एक नए दौर में जा रहा है।

विचार से नवाचार की ओर, मशीनीकरण से विविधीकरण की ओर, एकीकरण से सिंचाई की ओर और उपग्रह से ड्रोन की ओर बढ़ रहा है। कृषि मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सिंचाई में स्वचालन, मंडियों के आधुनिकीकरण और खेतों के विविधीकरण जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही है।

चौहान ने यह भी कहा कि सरकार ने जीन स्तर पर संसाधित (जीनोम एडिटिंग) तरीकों का इस्तेमाल करके दो तरह के अनाज सफलतापूर्वक उगाए हैं। उन्होंने दोहराया कि किसानों की आय दोगुनी करना सरकार और प्रधानमंत्री की प्राथमिकता है, जिसके लिए उत्पादन और मुनाफा बढ़ाना जरूरी है।

उन्होंने आईसीएआर के वैज्ञानिकों को किसानों की मांग पर आधारित शोध करने, प्रयोगशाला को जमीन से जोड़ने और अच्छी गुणवत्ता के बीज देने का काम सौंपा। इन क्षेत्रों में शोध पहले से ही चल रहा है।

भारत से हर घुसपैठिये को बाहर निकाला जाएगा : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने भुज में बीएसएफ के हीरक जयंती समारोह को किया संबोधित, एसआईआर को लेकर तृणमूल पर किया कटाक्ष

भुज (गुजरात), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार देश से हर घुसपैठिये को बाहर निकाल देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। वह गुजरात के कच्छ जिले के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हीरक जयंती (61वें स्थापना दिवस) समारोह को संबोधित कर रहे थे। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर शाह की टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को कड़े शब्दों में

भुज में बीएसएफ के हीरक जयंती समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे अमित शाह।

पत्र लिखे जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने (बनर्जी ने) इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने का अनुरोध किया था। शाह ने कहा, आज बीएसएफ देश की सभी सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में लगा हुआ है। घुसपैठ रोकना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित होने से बचाने के लिए भी आवश्यक है। एसआईआर को मतदाता सूची का शुद्धिकरण बताते हुए शाह ने कुछ राजनीतिक दलों पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सरकार के

सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से होंगे नक्सलमुक्त

उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों की बदौलत भारत बहुत जल्द नक्सली समस्या से मुक्त हो जाएगा। शाह ने कहा, हम 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल समस्या से हमेशा के लिए मुक्त करने और अपने आदिवासी भाइयों-बहनों के विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं। तिरुपति से पशुपति तक का पूरा कॉरिडोर सुरक्षित रहेगा और शेष भारत की तरह प्रगति करेगा। छत्तीसगढ़ में बीएसएफ ने 127 माओवादियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया है, 73 को गिरफ्तार किया है और 22 को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि न केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बल्कि पूरा देश बीएसएफ जवानों की बहादुरी और अनुकरणीय साहस को सलाम करता है। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि अब तक बीएसएफ के 2,013 बहादुर जवानों ने देश की सीमाओं की सुरक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है।

अभियान को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एसआईआर का विरोध कर रही हैं, क्योंकि वे यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। शाह ने कहा, मैं इस हीरक जयंती समारोह में बहुत स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम इस देश से एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे। यह हमारा प्रण है। एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर निकालना मोदी सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा, देश के किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा या देश का प्रधानमंत्री कौन होगा, यह निर्णय केवल भारत के नागरिक ही कर सकते हैं। घुसपैठियों को हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित करने और हमारे लोकतांत्रिक निर्णयों को प्रभावित करने का कोई अधिकार नहीं है। गृह मंत्री ने कहा कि एसआईआर भारत के लोकतंत्र को सुरक्षित और शुद्ध करने की एक प्रक्रिया है और हर नागरिक को इसका पूरा समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं उन राजनीतिक दलों को भी आगाह करना चाहता हूं जो इन घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। बिहार चुनाव देश की जनता का जनादेश था। और यह जनादेश हमारे देश में घुसपैठियों की मौजूदगी के खिलाफ है।

आत्महत्या: छात्रा ने शिक्षक से पांच बार मांगी थी मदद

नई दिल्ली/जयपुर, एजेंसी

- सीबीएसई की एक जांच रिपोर्ट में सामने आया सच

सीबीएसई की एक जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि जयपुर के एक स्कूल आत्महत्या करने वाली चौथी कक्षा की छात्रा को उसकी कक्षा में 18 महीने से ज्यादा समय तक 'परेशान' किया गया तथा सहपाठी उसके खिलाफ 'बुरे शब्द' इस्तेमाल करते थे जबकि स्कूल अच्छा माहौल बनाए रखने में नाकाम रहा।

सीबीएसई ने जयपुर के नीरजा मोदी स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बोर्ड ने इस महीने की शुरुआत में स्कूल की इमारत से कूदकर जान देने वाली नौ वर्षीय लड़की की मौत की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट मिलने पर यह नोटिस जारी किया। इस बीच, राजस्थान पुलिस ने कहा है कि घटना के 'आपराधिक पक्ष' की जांच जारी है। जांच समिति ने स्कूल की तरफ से कई कमियों की ओर इशारा किया, जिसमें लड़की को लगातार परेशान किये जाने की ओर ध्यान दिलाया गया, और बताया गया कि उसके माता-पिता ने सबसे पहले जुलाई 2024 में शिक्षकों के सामने यह मुद्दा उठाया था।

समिति ने पाया कि कक्षा अध्यापक ने बच्ची की दिक्कतों के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की, तब भी जब लड़की अपनी जिदगी के आखिरी 45 मिनट में पांच बार शिक्षक के पास मदद मांगने गई। कक्षा चार की बच्ची ने एक नवंबर को स्कूल की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी।

बिहार मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा भाजपा के सम्राट को मिला गृह विभाग

पटना, एजेंसी

- राज्य में पहली बार भाजपा के किसी नेता को सौंपा गया गृह विभाग
- इससे पहले नीतीश कुमार अपने पास ही रखते थे यह मंत्रालय

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा किया, जिसके तहत उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को गृह विभाग का कार्यभार सौंपा गया है। बिहार में पहली बार भाजपा के किसी नेता को गृह विभाग दिया गया है।

एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार कुमार ने सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी), कैबिनेट सचिवालय, निगरानी और चुनाव विभाग अपने पास रखे हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बाद बृहस्पतिवार को पटना के गांधी मैदान में कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके अलावा 26 मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की। कुमार के मुख्यमंत्री रहते हुए यह पहला अवसर है जब उनके पास गृह विभाग नहीं होगा। इससे पहले उनके सभी कार्यकाल में यह विभाग उनके पास ही रहा है। भाजपा और कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) समेत विभिन्न दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में गृह विभाग को लेकर खींचतान चल रही थी। अब उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी राज्य की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। कैबिनेट विभाग की अधिसूचना के अनुसार भाजपा से उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को भूमि एवं राजस्व विभाग और खान एवं भू-तत्व विभाग दिए गए हैं। मंगल पांडे को स्वास्थ्य विभाग और विधि, दिलीप जायसवाल को उद्योग विभाग, नितिन नवीन को पथ निर्माण और नगर विकास एवं आवास विभाग सौंपा गया है। इसके अलावा, रामकृपाल यादव को कृषि विभाग, संजय टाइगर को श्रम संसाधन विभाग, अरुण शंकर प्रसाद को पर्यटन विभाग तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

मंत्रियों में 24 में से 21 करोड़पति भाजपा की रमा सबसे रईस

पटना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषित 24 मंत्रियों में से 21 यानी 88 प्रतिशत मंत्री करोड़पति हैं। यानी कैबिनेट में हर 10 में से 9 मंत्री करोड़पति हैं। एडीआर के अनुसार सभी 24 मंत्रियों की औसत घोषित संपत्ति 5.32 करोड़ है। औराई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की विधायक रमा निषाद कैबिनेट की सबसे संपन्न मंत्री हैं।

उन्होंने कुल 31.86 करोड़ की संपत्ति घोषित की है। यह संपत्ति मंत्रियों की सूची में दूसरे स्थान के मंत्री से लगभग तीन गुना अधिक है। दूसरे स्थान पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा का है। लखीसराय विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित भाजपा के श्री सिन्हा ने कुल 11.62 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। वहीं तीसरे पायदान पर भी भाजपा की टिकट पर तारापुर विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित सम्राट चौधरी का कब्जा है।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कुल 11.34 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। दलवार गणना करें तो भाजपा के 13 में से 11 मंत्री करोड़पति हैं। जदयू के आठ विश्लेषित मंत्रियों में से आठों मंत्री करोड़पति हैं। हम और लोजपा (रा) के एक- एक मंत्री करोड़पति हैं।

एनआईए मुख्यालय में वकील से मिलने की याचिका नामंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विस्फोट

- हाईकोर्ट ने कहा- आरोपी के लिए कोई नई प्रक्रिया नहीं बनाई जा सकती

दिल्ली उच्च न्यायालय ने लालकिले के निकट धीमी गति से चलती कार में हुए विस्फोट मामले के सह-आरोपी जसीर बिलाल वानी की उस याचिका पर आदेश पारित करने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया, जिसमें एनआईए मुख्यालय में वकील से मुलाकात करने देने का अनुरोध किया गया था।

न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि आरोपी एनआईए मुख्यालय में अपने वकील से मुलाकात करने देने की अनुरोध याचिका को खारिज करने संबंधी निचली अदालत का कोई भी आदेश दिखाने में विफल रहा है। उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपी कोई विशेष व्यक्ति नहीं है तथा अदालत में एक निश्चित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए और उसके लिए कोई नई प्रक्रिया नहीं बनाई जा सकती। न्यायाधीश ने कहा, आपको लगता है कि मैं अपनी प्रक्रिया स्वयं बनाऊंगा, मैं ऐसा नहीं करूंगा। यह कोई विशेष प्रक्रिया नहीं है।

अदालत ने यह टिप्पणी उस वक्त की, जब वानी के वकील ने दावा किया कि निचली अदालत ने अर्जी को मौखिक रूप से खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, कोई मौखिक अस्वीकृति नहीं हो सकती। यदि आपके पास आदेश नहीं है, तो आप मेरे सामने क्यों हैं।

शव को फिर से दफनाने के लिए कब्र से निकालने की अनुमति नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- मद्रास हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप में सुप्रीम कोर्ट का इन्कार कोविडकाल के दौरान हुई थी मौत

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें 2020 में कोविड महामारी के दौरान मृत एक व्यक्ति के शव को उसके पारिवारिक कब्रिस्तान में फिर से दफनाने के लिए कब्र से निकालने की अनुमति देने वाले आदेश को रद्द कर दिया गया था।

मद्रास उच्च न्यायालय की खंडपीठ के फैसले को चुनौती देने वाली मृत व्यक्ति की पत्नी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की शीर्ष अदालत की पीठ ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और कहा कि महामारी के समय स्थिति अलग थी। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपने पति की मृत्यु के चार साल बाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और कहा कि यदि वह इस तरह के अनुरोध को अनुमति देता है, तो इसी तरह के कई मामले सामने आएंगे। पीठ ने कहा कि हमें उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता।

जुलाई में मद्रास उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें अधिकारियों को मृतक की पत्नी को उसके शव को कब्र से निकालने और प्रोटेस्टेंट ईसाई रीति-रिवाजों के अनुसार उसके अवशेषों को उनके पैतृक स्थान पर पारिवारिक कब्रिस्तान में पुनः दफनाने की अनुमति देने का निर्देश दिया गया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

नाइजीरिया में स्कूल में घुसकर विद्यार्थियों का अपहरण किया

अबुजा। नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने शुक्रवार सुबह पश्चिमी प्रांत में स्थित एक कैथोलिक स्कूल पर धावा बोलकर कई विद्यार्थियों और कर्मचारियों का अपहरण कर लिया। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब कुछ दिन पहले ही पड़ोसी राज्य में बंदूकधारियों ने 25 छात्राओं को अगवा कर लिया था। राज्य सरकार में सचिव अबुबकर उस्मान ने बताया कि यह हमला और अपहरण सेंट मैरी स्कूल में हुआ, जो अगवारा में स्थित है। हालांकि, उन्होंने अगवा किए गए विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की। स्थानीय टीवी चैनल 'अराइज टीवी' की खबर के मुताबिक, 52 विद्यार्थियों का अपहरण किया गया है। इस घटना की किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

ब्रिटेन ने स्विंडन में की नए ड्रोन उत्पादन केंद्र की शुरुआत

लंदन। ब्रिटेन ने दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के स्विंडन में एक नया ड्रोन उत्पादन केंद्र शुरू किया है। ब्रिटिश सरकार ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 40,000 वर्ग फुट में निर्मित इस संयंत्र का उद्घाटन रक्षा मंत्री अल कार्न्स ने किया है। यह जर्मनी के बाहर स्टार्क का पहला उत्पादन केन्द्र है। आने वाले महीनों में यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लैस मानवरहित ड्रोनों का निर्माण शुरू हो जाएगा। बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि ड्रोन यूक्रेन को दिए जाएंगे या नहीं, लेकिन कहा गया है कि यह सुविधा हजारों वर्टस लोइटरिंग गोला-बारूद का उत्पादन करेगी, जिसे यूक्रेन में पहले ही सफलतापूर्वक तैनात किया जा चुका है। स्टार्क यूके के प्रबंध निदेशक माइक आर्मस्ट्रांग ने कहा कि इस संयंत्र में निवेश का उद्देश्य ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय, यूक्रेन और अन्य यूरोपीय साझेदारों की सहायता करना है।

आईएस समर्थित विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो में 89 लोगों की हत्या की

गोमा। इस्लामिक स्टेट समर्थित विद्रोही समूह ने पूर्वी कांगो में कई गांवों पर हमला कर 89 लोगों की हत्या कर दी। देश में स्थित संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन ने बताया, लुबेरो शहर से लगभग 60 किमी पश्चिम में स्थित ब्याम्बे गांव में 'एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेस' ने शनिवार को एक अस्पताल में 17 लोगों की हत्या की। इनमें प्रसूति वार्ड में भर्ती 11 महिलाएं भी शामिल थीं। मिशन के कार्यवाहक प्रमुख ब्रूनो लेमारक्विस ने कहा, नागरिकों के खिलाफ की गई हिंसा, जिसमें चिकित्सा सुविधाओं में होने वाले हमले भी शामिल हैं, युद्ध अपराधों और अंतरराष्ट्रीय कानून के गंभीर उल्लंघनों के दायरे में आ सकती है।

ईरान के पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल भारतीय संस्थाओं पर प्रतिबंध

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका ने आतंकी समूहों तक पैसा पहुंचने का लगाया आरोप

अमेरिका ने भारत की उन संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए हैं जो ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कहा कि इस व्यापार से मिलने वाली धनराशि तेहरान के क्षेत्रीय आतंकवादी समूहों को समर्थन देने और हथियार प्रणालियां खरीदने में उपयोग की जाती है, जो अमेरिका के लिए सीधा खतरा हैं।

अमेरिका के विदेश और वित्त मंत्रालयों ने उन 'शिपिंग नेटवर्क' पर प्रतिबंध लगाए हैं जो ईरानी शासन की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को अवैध तेल बिक्री के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही उन एयरलाइंस और उनसे जुड़ी कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं, जो ईरान समर्थित आतंकी संगठनों को हथियार और आपूर्ति भेजती हैं। इस प्रतिबंध सूची में जिन भारतीय नागरिकों और कंपनियों को शामिल किया गया है उनमें जैर हुसैन इकबाल हुसैन सैय्यद, जुल्फिकार हुसैन रिजवी सैय्यद, महाराष्ट्र स्थित 'आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड' और पुणे स्थित 'टीआर6 पेट्रो इंडिया एलएलपी' शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह भारत, पनामा और सेशेल्स सहित कई देशों में स्थित कुल 17 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाज़ों को नामित कर रहा है जो ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल हैं।

हर साल हजारों बच्चे लापता

बच्चों की गुमशुदगी के मामले में भारत की स्थिति बेहद गंभीर है। विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार भारत दुनिया के उन देशों में से एक है जहां बच्चों के लापता होने के मामले बहुत ज्यादा हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, हर घंटे लगभग 11 बच्चे लापता हो जाते हैं, और उनमें से कम से कम चार कभी नहीं मिलते। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि लापता होने वाले बच्चों में करीब 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं। बाल तस्करी, बंधुआ मजदूरी और यौन शोषण बच्चों के लापता होने के प्रमुख कारण हैं। सरकारी तौर किए जाने वाले प्रयास और पुलिस सिस्टम इसमें कमी लाने में नाकाम रहे हैं। हाल ही में भारत में लापता बच्चों की स्थिति पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी गहरी चिंता जताई है और केंद्र सरकार को इसमें कमी लाने और रोकने के लिए ठोस उपायों की अपेक्षा की है।

बच्चों की बढ़ती गुमशुदगी

लगातार बढ़ रहा है आंकड़ा

- रिकॉर्ड के अनुसार देश में हर 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है, अनुमानित तौर पर हर साल करीब 96 हजार बच्चे लापता हो जाते हैं।
- लापता बच्चों में लड़कियों की संख्या लड़कों से काफी ज्यादा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में 75% लापता बच्चे लड़कियां थीं।
- 2022 में, 76,069 बच्चों के अपहरण की सूचना मिली थी पुलिस की जांच के बाद और 33,650 लापता बच्चों को अपहरण का शिकार माना गया था।
- एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा लापता बच्चे होते हैं, केरल और हरियाणा की स्थिति इस मामले में बेहतर है।

ये हैं प्रमुख कारण

- सबसे बड़ा कारण निसंतान दंपतियों को बच्चों को बेचने के रूप में उभरा है। देश में गोद लेने की प्रक्रिया कठिन होना इसका कारण है।
- बाल तस्करी दूसरी गंभीर समस्या है, जिसके तहत बच्चों को यौन शोषण, जबरन श्रम और भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है।
- फिरौती के लिए अपहरण भी प्रमुख कारण है, कुछ सालों से इसमें हालांकि कमी आई है, लेकिन फिर भी लगातार ऐसी घटनाएं होती हैं।

वैश्विक स्तर पर भारत

- संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल अनुमानित रूप से 4,60,000 बच्चों के लापता होने की सूचना मिलती है।
- जर्मनी के सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार हर साल लगभग 1,00,000 बच्चों के लापता होने की सूचना मिलती है।
- यूनाइटेड किंगडम में यह संख्या काफी ह, यहां हर साल 1,12,853 बच्च लापता होने की सूचना दर्ज होती है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उस रिपोर्ट पर चिंता जताई थी जिसमें कहा गया था कि भारत में हर 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से गोद लेने की प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ लापता बच्चों के मामलों को संभालने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया था। जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है। देश में गोद लेने की प्रक्रिया जटिल है जो बच्चों की गुमशुदगी का प्रमुख कारण है। कोर्ट ने गृह मंत्रालय को लापता बच्चों को ट्रेस करने और ऐसे मामलों की जांच के लिए समर्पित ऑनलाइन पोर्टल बनाने को भी कहा था।

देश में हुई चर्चित घटनाएं

- निठारी कांड सबसे भयावह घटनाओं में से एक था, जिसमें नोएडा के निठारी इलाके में नाले से 17 बच्चों के कंकाल मिले थे।
- पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में 2017 में 291 बच्चों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी, जो 2018 में बढ़कर 474 हो गई थी।
- भोपाल में एक महिला ने ढाई वर्ष और तीन महीने की दो बच्चियों को बेचने के लिए अगवा किया था।

जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए बने न्यायसंगत वैश्विक परिवर्ती तंत्र

भारत ने कॉप 30 में की अमीर और गरीब देशों की क्षमतानुसार भूमिका की पैरवी

- अमीर देशों की ओर से लगाए जा रहे प्रतिबंधों की आलोचना की

बेलेम, एजेंसी

वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन कॉप 30 के समापन से पहले भारत ने समानता और सीबीडीआर-आरसी पर आधारित एक न्यायसंगत परिवर्ती तंत्र पर जोर दिया और साथ ही जलवायु संबंधी कदमों के परिप्रेक्ष्य में अमीर देशों की ओर से लगाए गए एकतरफा व्यापार प्रतिबंधों की कठोर आलोचना की।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, एकतरफा कार्रवाई विशेष रूप से व्यापार-प्रतिबंध जलवायु उपाय, समानता और न्याय के सिद्धांतों को कमजोर करते हैं तथा एक निष्पक्ष और न्यायसंगत परिवर्तन को बाधित करने वाले कदम के रूप में कार्य करते हैं। यादव ने कहा कि भारत इस तंत्र की स्थापना के साथ बेलेम में एक महत्वाकांक्षी परिणाम की आशा करता है ताकि संधि और पेरिस समझौते को क्रियान्वित करने में एक महत्वपूर्ण कमी को दूर किया जा सके।

उन्होंने कहा, हमें अब एक सच्चे न्यायसंगत परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए समता और साझा लेकिन विभेदित उत्तरदायित्वों और संबंधित क्षमताओं (सीबीडीआर-आरसी) को क्रियान्वित करना होगा। पर्यावरण मंत्री बृहस्पतिवार को यूएई न्यायसंगत परिवर्तन कार्य कार्यक्रम (जेटीडब्ल्यूपी) के तहत 'न्यायसंगत परिवर्तन' विषय पर तीसरे वार्षिक उच्चस्तरीय मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भारत और 190 से अधिक देशों के वार्ताकार जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं। साथ ही अमीर और गरीब देशों की अलग-अलग क्षमताओं के आधार पर न्यायोचित परिवर्तन सुनिश्चित करने पर भी विचार कर रहे हैं।

यादव ने जेटीडब्ल्यूपी के ठोस परिणामों के बारे में कहा कि भारत अन्य विकासशील देशों के साथ मिलकर न्यायसंगत परिवर्तन तंत्र के निर्माण का दृढ़ता से समर्थन करता है। मंत्री ने कहा कि मौजूदा अंतराल को पाटने तथा व्यावहारिक समाधान निकालने के लिए ऐसी व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ के लिए, राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप वित्त, प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण तक किफायती और पर्याप्त पहुंच सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पीछे न छूटे।

कॉप 30 सम्मेलन के विशेष सत्र को संबोधित करते पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव।

दुनिया को मिलकर जलवायु संबंधी वित्त को बढ़ाने की जरूरत

बेलेम। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत जलवायु कार्रवाई के हिस्से के तौर पर घरेलू अनुकूलन के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वैश्विक खाई बढ़ने के चलते जलवायु अनुकूलन संबंधी वित्त को बढ़ाने की जरूरत है। यादव ने यह भी कहा कि जलवायु संबंधी वार्षिक शिखर सम्मेलन 'सीओपी 30' को एक साफ राजनीतिक संदेश देना चाहिए कि अनुकूलन कोई वैकल्पिक उपाय नहीं, बल्कि एक जरूरी निवेश है। उन्होंने जारी 'यूएन सीओपी 30' शिखर सम्मेलन में बृहस्पतिवार को अनुकूलन पर 'बाकू उच्चस्तरीय संवाद' में अपने संबोधन के दौरान कहा, वर्ष 2025 की अनुकूलन अंतराल रिपोर्ट का अनुमान है कि विकासशील देशों को 2035 तक सालाना 310-365 अरब अमेरिकी डॉलर की जरूरत होगी, जबकि अभी केवल 26 अरब अमेरिकी डॉलर मिल रहे हैं। यादव ने चिंता जताई कि अगर मौजूदा रुझान जारी रहा तो सार्वजनिक अनुकूलन वित्त को 2019 के स्तर से दोगुना करके 2025 तक लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर करने का 'ग्लासगो जलवायु समझौते' का लक्ष्य शायद पूरा नहीं हो पाएगा।

यूक्रेन में अपार्टमेंट पर गिरा रूसी ग्लाइड बम, पांच की मौत

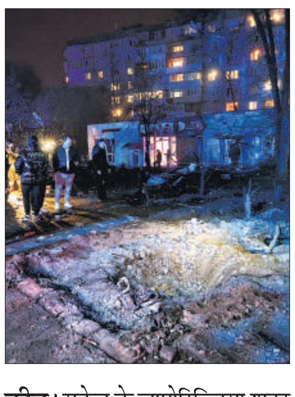

कीव। यूक्रेन के जापोरिज्जिया शहर के एक रिहाइशी इलाके में रूसी ग्लाइड बम हमले में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक किशोरी समेत दस लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमले के बाद चार साल से जारी युद्ध को खत्म करने की अमेरिकी योजना के बारे में जानकारी सामने आने के बाद, बीती रात यह हमला हुआ। यूक्रेन के अधिकारी युद्ध खत्म करने के प्रस्तावों का अध्ययन कर रहे हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वह आगामी दिनों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं। स्थानीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख इवान फेदोरोव के अनुसार जापोरिज्जिया में हुए शक्तिशाली ग्लाइड बम हमले में ऊंची-ऊंची रिहाइशी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके अलावा स्थानीय मार्केट को भी नुकसान पहुंचा है।

ओली समर्थकों और जेन जी की अब काठमांडू में भिड़ंत

काठमांडू, एजेंसी

- घायल युवाओं का ओली के खिलाफ धरना, मौतों का जिम्मेदार बताया

नेपाल के जेन जी युवा और अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल के समर्थकों की शुक्रवार को एक बार फिर राजधानी काठमांडू में भिड़ंत हो गई। कुछ ही दिन पहले ही उनके बीच झड़प के कारण बारा जिले में कर्फ्यू लगाना पड़ा था। हालांकि स्थिति सामान्य होने के बाद बारा में शुक्रवार को कर्फ्यू हटा लिया गया है।

जेन जी समूह के दर्जनों घायल युवकों ने शुक्रवार को काठमांडू के माइतीघर मंडला में पूर्व प्रधानमंत्री ओली के खिलाफ धरना दिया। वे आठ सितंबर को प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए ओली को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जिसमें 76 लोग मारे गए थे। शुक्रवार का प्रदर्शन निकटवर्ती बानेश्वर-बबरमहल क्षेत्र में सीपीएन-यूएमएल की रैली के बाद हुआ, जहां पार्टी प्रमुख ओली ने यूएमएल नेताओं और कार्यकर्ताओं को सुरक्षा देने के लिए 'नेशनल वोलेंटियर्स फोर्स' के गठन की घोषणा की।

यूएमएल कार्यकर्ताओं और जेन जी युवाओं, दोनों के कार्यक्रम लगभग एक ही स्थान पर और एक ही समय आयोजित किए गए थे तथा उनके बीच किसी भी टकराव को टालने के लिए बड़ी संख्या में दंगा रोधी पुलिसकर्मी तैनात किये गए थे। एक दिन पहले, जेन जी के युवाओं और ओली की पार्टी के सदस्यों के बीच झड़प में 10 लोग घायल हो गए, जिसके बाद तनाव फैल गया था। इसके बाद अधिकारियों को भारत की सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ा था। हालांकि, शुक्रवार को कर्फ्यू हटा लेने के बाद बारा ज़िले में जनजीवन पटरी पर लौट आया।

चुनावों से पहले सेना की तैनाती की सिफारिश

काठमांडू। नेपाल की कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और आगामी पांच मार्च, 2026 को होने वाले संसदीय चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने के लिए राष्ट्रीय मंत्रिमंडल में नेपाली सेना के जवानों को तैनात करने की सिफारिश की है। नेपाली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिनिधि सभा के चुनावों से पहले गुरुवार को परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। एक बयान में, परिषद ने कहा कि सुरक्षा बलों की तैनाती की सिफारिश संविधान के अनुच्छेद 266(1) के अंतर्गत की गई है, जो निकाय को नेपाल सेना की लामबंदी एवं नियंत्रण का प्रस्ताव देने और राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा मामलों पर सलाह देने के लिए अधिकृत करता है। बैठक में कई अंतर्निहित संभावित सुरक्षा चुनौतियों की भी समीक्षा की गई।

बांग्लादेश: 5.7 तीव्रता का भूकंप, छह की मौत

ढाका, एजेंसी

- तमाम इमारतें हुईं जमींदोज, कई स्थानों पर लगी आग

बांग्लादेश में शुक्रवार को आए 5.7 तीव्रता के भूकंप के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के झटके राजधानी ढाका और कुछ अन्य हिस्सों में महसूस किए गए तथा इस दौरान कई इमारतों को नुकसान पहुंचा और कुछ जगहों पर आग लग गई, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।

अधिकारियों ने बताया कि ढाका में तीन लोगों, जबकि नारायणगंज में एक व्यक्ति की मौत की सूचना है। वहीं, दो अन्य मौतें नरसिंगडी में हुईं, जहां भूकंप का केंद्र सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। स्थानीय मीडिया ने भूकंप के कारण देशभर में कम से कम 50 लोगों के घायल होने की खबर दी है। बांग्लादेश के मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 10 बजकर 38 मिनट पर आया और इसका केंद्र ढाका के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नरसिंगडी में 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। यह स्थान ढाका के अगरगांव क्षेत्र में भूकंपीय केंद्र से लगभग 13 किलोमीटर पूर्व में है।

अस्पताल में भर्ती कराए गए कई घायल।

ढाका के पुलिस उपायुक्त मलिक अहसान उद्दीन सामी ने अग्निशमन सेवा के हवाले से बताया कि पुराने ढाका के अरमानीटोला इलाके में पांच मंजिला इमारत की रेलिंग, बांस की मचान और मलबा गिरने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाले इलाके में एक राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। सामी ने पुष्टि की कि मृतकों में एक मेडिकल छात्र शामिल है, जो मांस खरीदने के लिए अपनी मां के साथ वहां गया था।

व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिलेंगे ममदानी

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क के निर्वाचित महापौर जोहरान ममदानी वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे।

ममदानी को चार नवंबर को न्यूयॉर्क शहर का महापौर निर्वाचित किया गया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, यह बहुत कुछ बताता है, कल व्हाइट हाउस में एक कम्युनिस्ट नेता आ रहे हैं, क्योंकि डेमोक्रेट पार्टी ने उसे देश के सबसे बड़े शहर के महापौर के रूप में चुना है। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है और यह भी दर्शाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप किसी से भी मिलने और किसी से भी बात करने के लिए तैयार हैं और अमेरिका के हित में काम करने की कोशिश करते हैं।

विवादों में घिरी रहीं मेक्सिको की फातिमा बॉश के सिर सजा मिस यूनिवर्स का ताज

बैंकॉक। मेक्सिको की 25 वर्षीय फातिमा बॉश फर्नांडीज ने शुक्रवार को मिस यूनिवर्स 2025 का ताज अपने नाम किया। यह जीत उनके लिए नाटकीय रही, जो बैंकॉक में आयोजित इस लोकप्रिय सौंदर्य प्रतियोगिता के उतारचढ़ाव वाले 74वें संस्करण के दौरान एक मेजबान द्वारा सार्वजनिक बदसलूकी का उनके डटकर सामना करने के कारण चर्चा में रहीं।

इस प्रतियोगिता की उप विजेता थाईलैंड की 29 वर्षीय प्रवीनर सिंह रहीं जबकि तीसरा स्थान वेनेजुएला की 25 वर्षीय स्टेफनी एड्रिआना अबासाली नासिर ने हासिल किया। इस वर्ष की प्रतियोगिता का माहौल एक विवाद के कारण बिगड़ गया था, जिसकी शुरुआत मेक्सिको की प्रतिभागी बॉश को फटकारने से हुई। इस घटना ने बहिष्कार, नारीवादी एकजुटता और स्थानीय आयोजक की भावुक माफी जैसे नाटकीय मोड़ लिए। चार नवंबर को प्रतियोगिता के एक सत्र के दौरान थाईलैंड के राष्ट्रीय निदेशक नवात इट्सारागि्रसिल ने बॉश पर स्थानीय प्रचार गतिविधियों में भागीदारी के निर्देशों का पालन न करने का आरोप लगाया और उन्हें फटकार लगाई। जब बॉश ने अपना पक्ष रखने की कोशिश की तो उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को बुला लिया।

बॉश कमरे से बाहर चली गईं और उनके समर्थन में कई अन्य प्रतिभागी भी से बाहर निकल गईं, जिनमें मिस यूनिवर्स 2024 डेनमार्क की विक्टोरिया कायर थेलविग भी शामिल थीं। बॉश ने कहा, आपके निदेशक का व्यवहार सम्मानजनक नहीं था, उन्होंने मुझे मूर्ख कहा। अगर कोई चीज आपकी गरिमा छीनती है, तो आपको उससे हट जाना चाहिए। 'मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन' के अध्यक्ष और मेक्सिको के व्यवसायी राउल रोचा कांतू ने एक बयान में नवात के व्यवहार को सार्वजनिक उत्पीड़न और गंभीर दुर्व्यवहार बताया था।

थाईलैंड की प्रवीनर पहली, वेनेजुएला की स्टेफनी दूसरी उप विजेता

मिस यूनिवर्स चुनी गईं फातिमा बॉश।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 15.11 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

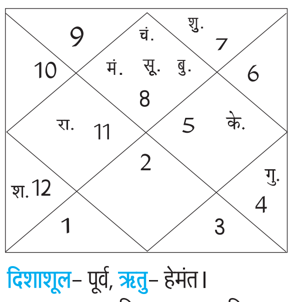

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 16.47 तक तत्पश्चात मूल।

मेष — आज अपने विचारों को दूसरों पर अध्यारोपित न करें। क्रोध के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। आय के साधनों में कमी आ सकती है। आपके मन में अज्ञात भय उत्पन्न होगा। थायराइड से पीड़ित महिलाओं को स्वास्थ्य कष्ट हो सकता है।

वृष — आज पारिवारिक जीवन आनंद और उल्लास से भरपूर रहेगा। बिना मांगे किसी को सलाह न दें। प्राकृतिक स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। व्यापार में गति तीव्र होने के योग बन रहे हैं। प्रेमी जन के माध्यम से आपको उपहार मिल सकता है।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र कर सकते हैं। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों के लिए दिन थोड़ा उबाऊ है। पहले की गई मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। किसी से अधिक अपेक्षा न करें। विपरीत परिस्थितियों के बीच अपनी योग्यता को सिद्ध कर सकेंगे।

कर्क — आज दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। प्रेम संबंधों के बीच आयी गलतफहमियों को दूर करने के लिए दिन अच्छा है। व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा। सभी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करें। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र के माहौल में कुछ तनाव हो सकता है। परिजनों के साथ आप घूमने जा सकते हैं। आपके अच्छे कार्यों की सराहना होने के बजाय लोग उनकी आलोचना कर सकते हैं। जल्दबाजी में किए गए कार्यों से नुकसान हो सकता है। समय का सदुपयोग करें।

कन्या — आज पारिवारिक रिश्तों में संवादहीनता के कारण समस्या हो सकती है। मित्रों के साथ कहीं घूमने-फिरने का प्लान बन सकता है। भाई-बहनों की चिंता रहेगी। रक्तचाप के रोगियों को ठण्ड को लेकर विशेष सावधानी रखनी चाहिए। वरिष्ठ लोगों की अवहेलना न करें।

तुला — आज व्यापार में धन लाभ होगा। लेकिन आपको थोड़ी सावधानी भी बरतनी होगी। प्रबंधन से जुड़े लोगों के ऊपर काम का दबाव रहेगा। प्रेम संबंधों में तनाव हो सकता है। शाम के समय किसी समारोह के लिए निमंत्रण मिल सकता है।

वृश्चिक — आज आप रुके हुए कार्यों को निपटाने में व्यस्त रहेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। जीवनसाथी आपका मानसिक और आर्थिक रूप से काफी सहयोग करेगा। काम के प्रति सकारात्मक रवैया रखें। मित्रों के साथ आपके संबंध और मधुर होंगे।

धनु — आज आपके काम की लोग उपेक्षा कर सकते हैं। व्यर्थ के कार्यों में आपका धन बर्बाद होगा। आज आवश्यक न हो तो यात्रा न करें। आय की अपेक्षा आपके खर्चों में अधिकता रहेगी। सहकर्मियों से अपनी व्यक्तिगत बातें शेयर करना उचित नहीं है।

मकर — आज कार्यक्षेत्र की तनावयुक्त परिस्थितियों को हल करने में सफल होंगे। आपकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। नया काम शुरू करना हर दृष्टिकोण से उत्तम है। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। कला जगत से जुड़े लोगों को बड़े प्रपोजल मिलने के योग बन रहे हैं।

कुंभ — आज अपने कार्य के प्रति निष्ठावान रहें। प्रेमी जन की भावनाओं का अनादर न करें। मन में वैराग्य के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई से उचट सकता है। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा। जिन लोगों का स्वास्थ्य खराब था, उनके स्वास्थ्य में सुधार आयेगा।

मीन — आज आपकी दिनचर्या में सुधार आयेगा। धर्म-कर्म के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपका समय बीतेगा। दांपत्य संबंधों को गहरा और मजबूत करने के लिए रोमान्टिक डेट पर जा सकते हैं। बच्चों का मार्गदर्शन लगातार करते रहें।

सुडोकू -168

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

								4
			1					
		3						
				7				
							3	
	1			9				
						9		
					6			
		5						

सुडोकू - 167 का हल

1	2	3	5	9	7	6	4	8
8	6	7	3	1	4	2	9	5
9	4	5	8	6	2	3	1	7
3	7	4	1	2	5	8	6	9
2	8	9	7	4	6	5	3	1
5	1	6	9	8	3	7	2	4
4	5	8	6	3	9	1	7	2
6	9	1	2	7	8	4	5	3
7	3	2	4	5	1	9	8	6

> भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी मैदान पर और मैदान के बाहर, दोनों जगह भारतीय हॉकी की सबसे प्रेरणा देने वाली हस्तियों में से एक रही हैं। एक शानदार युवा टैलेंट से हमारे खेल के सबसे बेहतरीन लीडर्स में से एक बनने का उनका सफर सच में शानदार है।
>
> -डॉ. दिलीप टिर्की

हाईलाइट

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : सूर्यकुमार मुंबई की टीम में शामिल

मुंबई। भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को मुंबई की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टीम में शामिल किया गया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 26 नवंबर से शुरू हो रही है। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर 17 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे। स्क्वॉड में शिवम दुबे, सरफराज ख़ान, अजिंक्य रहाणे और आयुष म्हात्रे भी शामिल हैं। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली टी-20 सीरीज से पहले सूर्यकुमार की मुंबई टीम में वापसी हुई है। मुंबई इंडियंस के लिए इस आईपीएल में 717 रन बनाने और 167.91 की स्ट्राइक रेट के बावजूद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन नहीं बना पाए हैं।

बावुमा वनडे व मार्करम संभालेंगे टी-20 टीम की कमान

जोहान्सबर्ग। तेम्बा बावुमा को भारत के खिलाफ तीन मैचों की आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका का कप्तान नियुक्त किया गया, लेकिन प्रमुख तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा मौजूदा टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यास सत्र के दौरान पसली में लगी चोट से उबरने में नाकाम रहने के बाद स्वदेश लौटेंगे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज एडेन मार्करम की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी हो रही है। **एकदिवसीय टीम :** तेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी जोर्जी, रुबिन हरमन, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रियान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन। **टी-20 टीम :** एडेन मार्क्रम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी जोर्जी, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

युवराज ने जीता इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स खिताब

डिगबोई (असम)। युवराज संधू ने लगातार दो प्लेऑफ हार के बाद शानदार वापसी की और शुक्रवार को डिगबोई गोल्फ लिंक्स में खेले गए मशहूर इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स, जो 1 करोड़ रुपये का इवेंट है, में सात-स्ट्रोक की जबरदस्त खिताबी जीत हासिल की। युवराज (65-69-66-69), जिन्होंने तीसरे राउंड के बाद छह-स्ट्रोक की शानदार बढ़त हासिल की थी, ने इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स के ऐतिहासिक 25वें एडिशन में चौथे राउंड में तीन-अंडर 69 का शानदार स्कोर बनाया और इस हफ़्ते का कुल स्कोर 19-अंडर 269 कर लिया। नतीजतन, चंडीगढ़ के 28 साल के इस खिलाड़ी ने इस सीजन की अपनी पांचवीं जीत हासिल की और पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में अपनी बढ़त और बढ़ा ली। लगातार चैंपियन रहे युवराज ने 15 लाख रुपये का विनिंग चेक हासिल किया, जिससे उनकी सीजन की कमाई 1,21,67,100 रुपये हो गई।

पांच विकेट लेने के बाद जश्न मनाते इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (बीच में)। एजेंसी

एशेज टेस्ट : स्टार्क के कमाल के बाद स्टोक्स का धमाल

- पहले दिन गिरे 19 विकेट, इंग्लैंड की मजबूत वापसी

पर्थ, एजेंसी

एशेज टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को यहां तेज गेंदबाजों के दबदबे के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में महज 172 रन पर सिमटने के बाद कप्तान बेन स्टोक्स के पांच विकेट से इंग्लैंड ने मजबूत वापसी की। पांच मैचों की श्रृंखला का पहला दिन उम्मीदों पर खरा उतरा, जहां पर्थ स्टेडियम में 51,000 से अधिक दर्शकों के सामने 72 ओवर के खेल में 19 विकेट गिरे।

दिन का खेल खत्म होते समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर नौ विकेट पर 123 रन था और यह टीम पहली पारी में महज एक विकेट शेष रहते 49 रन पीछे है।

दिन का शुरुआती सत्र पूरी तरह से मिचेल स्टार्क के नाम रहा। उन्होंने नियमित कप्तान पैट कमिंस और दिग्गज जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 58 रन देकर सात विकेट लिए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र तक इंग्लैंड को ऑल आउट कर दिया। जोफ्रा आर्चर ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के पहले ही ओवर में विकेट लेकर दिखा दिया कि पांच तेज गेंदबाजों की मौजूदगी वाली इंग्लैंड की टीम भी इस मामले में कमजोर नहीं है। मैच में अभी चार दिन शेष और दोनों टीमों की पहली पारी लगभग खत्म हो चुकी है। इंग्लैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाने के बावजूद आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए 5.23 रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए रक्षात्मक रुख अपनाना भारी पड़ गया क्योंकि टीम उस तेजी से रन नहीं बना सकी लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रही। दोनों टीमों के बल्लेबाजों को तेजी से उठती शॉर्ट-पिच गेंदों का सामना करना पड़ा ऑस्ट्रेलिया की पारी के 24वें ओवर में कैमरून ग्रीन को मार्क वुड की 147 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली बाउंसर ने चोटिल किया जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे स्टंप पर गिरते-गिरते बचे।

इंग्लैंड का आक्रमण उस तरह की खतरनाक गेंदबाजी कर रहा था जैसा ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज आमतौर पर मेहमान टीमों के खिलाफ करते हैं। इंग्लैंड ने पुछल्ले बल्लेबाजों ने पारी के आखिर में तेजी से विकेट गंवाये जिसका खामियाजा ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को भी उठाना पड़ा। ख्वाजा उस समय ड्रेसिंग रूम में मौजूद थे और चूंकि वह आठ मिनट से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहे थे ऐसे में उन्हें ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत करने की अनुमति नहीं दी गई। उनकी जगह लेने के लिए मार्नस लाबुशेन को ऊपरी क्रम में आना पड़ा। ख्वाजा को तीसरे नंबर पर भी बल्लेबाजी के नहीं आ पाये क्योंकि पदार्पण कर रहे जेक वेदरोल्ड को आर्चर ने पारी की दूसरी गेंद पर ही पगबाधा कर दिया।

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	172/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	123/9

स्पिन पहेली को सुलझाकर श्रृंखला में बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच आज से, गिल की अनुपस्थिति में पंत करेंगे कप्तानी

गुवाहाटी, एजेंसी

पहले टेस्ट मैच में स्पिनरों के सामने नतमस्तक होने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में स्पिन पहेली को सुलझाकर श्रृंखला बराबर करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी। शुभमन गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत के लिए नेतृत्व की चुनौती बेहद चुनौतीपूर्ण होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए तो और भी कठिन परीक्षा आने वाली है, जिनके अक्सर उलझाने वाले फैसलों ने ड्रेसिंग रूम और थिंक टैंक को स्पष्टता के लिए जूझने पर मजबूर कर दिया है।

पिछले तीन दशकों से घरेलू मैदान पर खेलते हुए भारतीय टीमों की अजेय रहने की जो चमक रही है, वह वर्तमान टीम के सामने गायब हो गई है। यह पिछले कुछ वर्षों में पहला अवसर होगा जबकि भारतीय टीम घरेलू मैदान पर जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत नहीं करेगी। उसकी टीम कमजोर नजर आ रही है और क्रिकेट विशेषज्ञों के अनुसार यह अच्छी स्थिति नहीं है। अगर न्यूजीलैंड की स्पिन जोड़ी एजाज पटेल और मिशेल सैंटनर ने 2024 में भारत के घरेलू धरती पर अजेय रहने की धारणा को तार-तार कर दिया था तो साइमन हार्मर और उनके अन्य साथी युवा भारतीय टीम को और भी कमज़ोर बना रहे हैं।

स्पिनरों से निपटने की उचित तकनीक का अभाव स्पष्ट तौर पर नजर आ रहा है। इसका भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता पर काफी प्रभाव पड़ा है जिसने स्थिति को और बदतर बना दिया है। इन मुश्किल हालात में गिल की अनुपस्थिति में पंत कप्तानी संभालेंगे। उन्हें अच्छी तरह पता होगा कि लाल मिट्टी वाली बारसापारा की पिच पर उनकी बल्लेबाजी भी उनके फैसलों की तरह ही महत्वपूर्ण होगी। यह शुरू से ही स्पष्ट था कि गर्दन में अकड़न के कारण गिल दूसरे टेस्ट मैच में खेलने की दौड़ में नहीं थे, लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन और बीसीसीआई ने आखिर तक संशय बनाए रखा। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, 26 वर्षीय गिल आराम करने और स्वास्थ्य लाभ के लिए शहर से बाहर चले गए हैं। गिल की जगह लेने के लिए साई सुदर्शन सबसे संभावित उम्मीदवार लग रहे हैं, हालांकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या पिछले मैच की तरह ही वाशिंगटन सुंदर को इस नंबर पर उतारा जाएगा, यह देखना अभी बाकी है।

समय
पूर्वाह्न 9:00 बजे से

गिल को टीम से रिलीज किया गया, जाएंगे मुंबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच से पहले शुक्रवार को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया। गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत दूसरे टेस्ट में टीम की अगुवाई करेंगे। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा शुभमन गिल को चोट की जांच के लिए मुंबई जाना होगा।

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत।

एकमात्र मैच में कप्तानी करना सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं : ऋषभ पंत

गुवाहाटी : आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि एकमात्र टेस्ट में कप्तानी करना सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं है लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच की कड़ी चुनौतियों के के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं। इस मैच से पहले नियमित कप्तान शुभमन गिल को चोटिल होने के कारण टीम से रिलीज कर दिया गया था, जिसके बाद पंत को कप्तानी सौंपी गई। वह भारत के 38वें टेस्ट कप्तान होंगे। पंत ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा एक कप्तान के लिए एकमात्र मैच सबसे अच्छा विकल्प नहीं होता, लेकिन मैं बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का मुझे यह सम्मान देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। जब भी आप अपने देश का नेतृत्व कर रहे होते हैं, तो यह सबसे गर्व का क्षण होता है। पंत से जब उनकी कप्तानी शैली के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह नए और पुराने का मिश्रण होगी।

टीम

भारत : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), केएल राहुल, यशस्वी जयसवाल, बी साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, देवदत्त पडिक्कल, आकाश दीप।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, जुबैर हमजा, साइमन हार्मर, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरान मुथुसामी, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

एशेज श्रृंखला देखकर ईर्ष्या हुई : तेम्बा बावुमा

गुवाहाटी। तेम्बा बावुमा को इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज के शुक्रवार सुबह पर्थ में शुरू हुए मैच को देखकर ईर्ष्या हुई और उन्होंने हैरानी जताई कि पारंपरिक प्रारूप में मौजूदा विश्व चैंपियन होने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका को भारत के खिलाफ सिर्फ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने का मौका क्यों मिला। इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाने वाले बावुमा ने कहा कि दो मैच की वर्तमान श्रृंखला टेस्ट क्रिकेट की दो मजबूत टीमों के साथ सही न्याय नहीं करती। बावुमा ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा हम आज सुबह एशेज देखने के लिए उठे। हमने उसे थोड़ी ईर्ष्या के साथ देखा, क्योंकि हम जानते थे कि वे पांच टेस्ट मैच खेल रहे हैं। वे एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस बात से खुश नहीं हैं कि विश्व चैंपियन होने के बावजूद उन्हें भारत के खिलाफ केवल दो टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलने के लिए मिल रही है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने कहा उम्मीद है कि निकट भविष्य में हमें भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैच की सीरीज खेलने के लिए मिलेगी। भारत की टीम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार या पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलती रही है लेकिन अन्य टीमों के खिलाफ वह अक्सर दो मैच की श्रृंखला ही खेलती है।

अभ्यास सत्र के दौरान जुबैर हमजा (बाएं) और टोनी डी जोरजी।

सगाई की अंगूठी दिखाते हुए डांस करतीं स्मृति मंधाना, साथ में राधा यादव, अरुंधति रेड्डी, जेमिमा रोड्रिग्स और श्रेयंका पाटिल। एजेंसी

मंधाना ने संगीतकार मुच्छल के साथ सगाई की पुष्टि की

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुच्छाल के साथ अपनी सगाई की घोषणा कर दी है जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस आक्रामक बल्लेबाज का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह भारतीय टीम की अपनी साथी खिलाड़ियों राधा यादव, जेमिमा रोड्रिग्स, श्रेयांका पाटिल और अरुंधति रेड्डी के साथ बॉलीवुड की फिल्म लगे रहो मुन्ना भाई के गीत 'समझो हो ही गया' पर नृत्य कर रही हैं। इस दौरान वह मुस्कुराते हुए अपनी सगाई की अंगूठी को भी दिखा रही हैं। जेमिमा ने यह क्लिप इंस्टाग्राम पर साझा की है जिसे अभी तक 19 लाख से ज़्यादा लाइक्स और 12,000 से ज़्यादा कमेंट्स मिल चुके हैं।

मंधाना और मुच्छाल 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगे। प्रधानमंत्री ने दम्पति को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मंधाना की कवर ड्राइव की सुंदरता मुच्छाल की मधुर संगीतमय सिम्फनी के साथ एक अद्भुत साझेदारी बनाएगी। उन्होंने लिखा जीवन के हर मोड़ पर हाथ में हाथ डालकर चलते हुए, इस जोड़े को एक-दूसरे की मौजूदगी में शक्ति मिले और उनके दिल, दिमाग और आत्मा में सामंजस्य हो। उनके सपने आपस में गुंथें और साथ-साथ बढ़ें तथा उन्हें खुशी और गहरी समझ से भरे भविष्य की की तरफ ले जाएं।

मोदी ने कहा मैं कामना करता हूं कि स्मृति और पलाश विश्वास पर आधारित एक साझा जीवन का निर्माण करें, हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहें, प्यार के साथ जिम्मेदारियों को स्वीकार करें तथा एक दूसरे के मजबूत और कमजोर पक्षों के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा जब वे एक साथ एक नया, सुंदर जीवन शुरू करते हैं, तो स्मृति के कवर ड्राइव की सुंदरता पलाश की मधुर संगीतमय सिम्फनी से मिलकर एक अद्भुत साझेदारी बनाती है।

सुपर ओवर में भारत ए की उम्मीदें तोड़कर बंगलादेश ए फाइनल में

राइजिंग स्टार्स 2025

दोहा, एजेंसी

भारत ए को बल्ले और गेंद से निराशाजनक प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ा और राइजिंग स्टार्स एशिया कप के सेमीफाइनल में शुक्रवार को बांग्लादेश ए ने उसे सुपर ओवर में हरा दिया। बांग्लादेश ए का सामना अब पाकिस्तान शाहींस और श्रीलंका ए के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। फाइनल रविवार को खेला जाएगा। बांग्लादेश ए ने 20 ओवर में छह विकेट पर 194 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम का स्कोर भी बराबर रहा जिससे मैच सुपर ओवर तक खिंच गया। भारत ए ने सुपर ओवर में कप्तान जितेश शर्मा, आशुतोष शर्मा और रमनदीप सिंह को उतारने का अजीब फैसला लिया जबकि वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्य फॉर्म में थे। जितेश और आशुतोष को तेज गेंदबाज रिपोन मंडल ने सुपर ओवर में खाता खोलने का मौका दिए बिना आउट कर दिया। बांग्लादेश ने पहली गेंद पर यासिर अली का विकेट गंवाया लेकिन लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने अगली गेंद वाइड डाल दी जिससे बांग्लादेश को जीत मिली। इससे पहले भारत के लिये सूर्यवंशी ने 15 गेंद में 38 और आर्य ने 23 गेंद में 44 रन बनाए। भारत के 50 रन 19 गेंद में ही बन गए थे । सूर्यवंशी ने मंडल के पहले ओवर में 19 रन बनाये जिसमे दो छक्के और एक चौका शामिल था। इसके बाद आफ स्पिनर मेहराब हसन को लगातार दो छक्के जड़े।

मैच के दौरान भारत ए टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

गर्व की बात

बोलीं- भारत सपने देखने वाले युवाओं से भरा है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम पक्का करें कि उनके सपने पूरे हों

पीटी उषा फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व स्प्रिंट क्वीन और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की मौजूदा अध्यक्ष पीटी उषा को भारतीय खेलों में उनके असाधारण योगदान और एथलीटों की पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए शुक्रवार को फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

उषा, जिन्हें 'पय्योली एक्सप्रेस' के नाम से भी जाना जाता है, को यह सम्मान फिक्की टर्फ 2025 -15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट में दिया गया। उन्होंने कहा भारत सपने देखने वाले युवाओं से भरा है, और यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम पक्का करें कि उनके सपने मायने रखें। ग्लोबल पार्टनरशिप, खासकर ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ, और हर लेवल पर डिसिप्लिन्ड गवर्नेंस के साथ, हम चैंपियंस की एक नई पीढ़ी बना सकते हैं। इसी तरह एथलीट आगे बढ़ते हैं, और इसी तरह एक देश खेल के जरिए आगे बढ़ता है। यह समिट आज सुबह फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली में शुरू हुई, जिसमें सरकार, खेल, इंडस्ट्री और डिप्लोमेसी के लीडर्स एक साथ आए ताकि भारत की खेल में अगले दशक की तरक्की का खाका तैयार किया जा सके।

> भारतीय खेल तभी आगे बढ़ता है जब हम सब मिलकर आगे बढ़ते हैं। टैलेंट देश के हर कोने में मौजूद है, लेकिन मौका हर बच्चे तक पहुंचना चाहिए। हमारा फोकस एथलीट पर होना चाहिए : साफ रास्ते, मजबूत सिस्टम, सही चुनाव और साइंस, न्यूट्रिशन और मेंटल स्ट्रेंथ पर आधारित सपोर्ट।
>
> -पीटी उषा

शुरुआती सेशन की शुरुआत फिक्की स्पोर्ट्स कमेटी के चेयरमैन और जीएमआर स्पोर्ट्स के प्रेसिडेंट पी. के. एसवी सागर के वेलकम एड्रेस से हुई, जिन्होंने पूरे स्पोर्टिंग इकोसिस्टम में कोलेबोरेशन की बढ़ती ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इस साल की थीम, इंडियन स्पोर्ट्स - ग्लोबल एक्सीलेंस का रास्ता बनाना, ने ग्लोबल एम्बिशन, इनोवेशन और कलेक्टिव एक्शन पर फोकस करने वाले एक दिन की दिशा तय की। पहले सेशन की एक खास बात फिक्की नॉलेज रिपोर्ट स्पोर्टिंग इंडिया राइजिंग' और स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन के लिए इंडिया-ऑस्ट्रेलिया स्ट्रैटेजी का रिलीज होना था, जो समिट में ग्लोबल पार्टनरशिप को मजबूत करने पर ज़ोर देने को दिखाता है। ऑस्ट्रेलिया को पार्टनर कंट्री के तौर पर देखते हुए, समिट ने हाई-परफॉर्मेंस सिस्टम, कोचिंग, स्पोर्ट्स साइंस, इनोवेशन और लॉन्ग-टर्म टैलेंट पाथवे में बढ़ते मौकों को और मजबूत किया। भारत सरकार के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी, हरि रंजन राव ने अपने भाषण में कहा भारत की स्पोर्ट्स प्रोग्रेस एक प्रिंसिपल पर निर्भर करती है: एक एथलीट-फोकस्ड, कोच-लेड इकोसिस्टम जिसे हर स्टेकहोल्डर का सपोर्ट हो। सेंटर, स्टेट्स, इंडस्ट्री और फेडरेशन के बीच कोलैबोरेशन ज़रूरी है, और फिक्की टर्फ जैसे प्लेटफॉर्म उस अलाइनमेंट को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।

2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलने का यकीन

पीटी उषा को पूरा यकीन है कि भारत को 26 नवंबर को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिल जाएगी। उन्होंने शुक्रवार को कहा हम कल ग्लास्गो रवाना हो रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि लोगों की उम्मीदें पूरी होंगी। दो तीन दिन इंतजर कर लें। पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद में इन खेलों के आयोजन की सिफारिश की थी। ग्लास्गो में होने वाली बैठक में अंतिम मंजूरी मिलेगी। नाइजीरिया का अबुजा भी मेजबानी की दौड़ में है। राष्ट्रमंडल खेल को 2030 में सौ साल भी पूरे होने जा रहे हैं।